राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

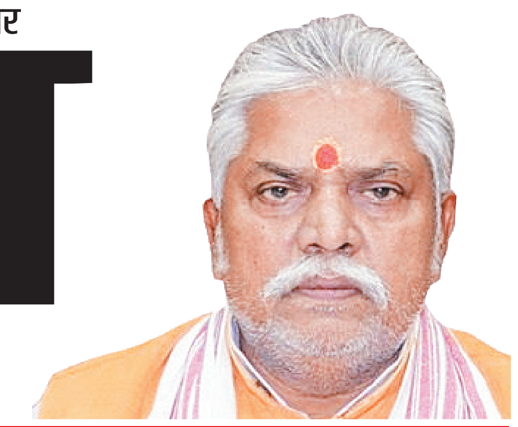

03 | वंदे मातरम् की विरासत को वोट बैंक की ...

विष्णुपद कोरिडोर को भव्य, दिव्य... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 134 | पटना, रविवार, 23 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

वंदे मातरम् के सम्मान, ऐतिहासिक विरासत की रक्षा को लेकर भाजपा ने प्रस्ताव किया पारित

■ वंदे मातरम् के पूर्ण स्वरूप की प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय महत्व की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करेगी भाजपा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सम्मान, गरिमा और उसकी ऐतिहासिक विरासत की रक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करके संकल्प लिया कि वह वंदे मातरम् के पूर्ण स्वरूप की प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय महत्व की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करेगी तथा इसके गौरवशाली इतिहास को देशभर में जन-जन तक पहुंचाएगी।

पार्टी ने कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 19 अगस्त 2026 को लिए गए उस निर्णय की कड़ी निंदा की, जिसमें वर्ष 1937 के प्रस्ताव की पुनर्पुष्टि करते हुए कांग्रेस कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे गाने की बात कही गई है।भाजपा ने अपने प्रस्ताव में कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरक मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक है। प्रस्ताव में कहा गया कि वंदे मातरम् ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान करोड़ों भारतीयों के भीतर देशभक्ति, साहस और स्वतंत्रता की चेतना जगाई। प्रस्ताव में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस कार्यसमिति के 19 अगस्त 2026 के निर्णय का स्पष्ट विरोध करते हुए कहा कि 1937 के प्रस्ताव को दोबारा स्वीकार करना और कांग्रेस कार्यक्रमों में वंदे मातरम् को केवल दो अंतरों तक सीमित करना राष्ट्रीय भावना के विपरीत है। भाजपा का कहना है कि यह निर्णय वंदे मातरम् की संपूर्ण गरिमा और उसकी ऐतिहासिक पहचान को सीमित करने का प्रयास है। वंदे मातरम् की गरिमा, सम्मान, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय दर्जे को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए भाजपा प्रतिबद्धप्रस्ताव के अनुसार भाजपा वंदे मातरम् की गरिमा, सम्मान, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय दर्जे को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दबाव, तुष्टीकरण या संकीर्ण वोट बैंक की राजनीति के कारण राष्ट्रीय गीत की प्रतिष्ठा को कम नहीं किया जा सकता है।

पार्टी ने इसे भारत की राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा हुआ अमर प्रतीक बताते हुए कहा कि वंदे मातरम् की ऐतिहासिक, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत के साथ किसी भी प्रकार का राजनीतिक समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। पार्टी ने कहा कि इसके पूर्ण छह अंतरों की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखा जाना चाहिए। पार्टी ने संकल्प लिया कि वह वंदे मातरम् के पूर्ण स्वरूप के सम्मान, उसकी प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय महत्व की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करेगी तथा देशभर में इसके गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाएगी।

वन्दे मातरम भारत की आत्मा, स्वतंत्रता संग्राम की हुंकारः सम्राट

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भाजपा की बैठक में बंदे मातरम् के सम्मान और इसकी गौरवशाली विरासत की रक्षा के लिए पारित प्रस्ताव का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वन्दे मातरम् भारत की आत्मा, स्वतंत्रता संग्राम की हुंकार और राष्ट्रभक्ति की अमर चेतना का प्रतीक है। जिस गीत ने देशवासियों में स्वाधीनता का ज्वार जगाया, उसकी गौरवशाली विरासत को किसी भी राजनीतिक स्वार्थ या तुष्टीकरण की राजनीति से कमजोर नहीं किया जा सकता।भारत की राष्ट्रीय चेतना के इस अमर स्वर का सम्मान और संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अध्यक्षता में भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक में वंदे मातरम् के सम्मान और इसकी गौरवशाली विरासत की रक्षा के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री ने भाजपा द्वारा पारित प्रस्ताव का स्वागत किया है।

बेरोजगारी दूर करना पहला लक्ष्य : मोदी

बोले- नीतियों में हो रहा बड़ा बदलाव

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार केवल नियमों में बदलाव नहीं कर रही, बल्कि नियमों से जुड़ी पूरी नीति बदल रही है। सुधारों को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक विकास की गति बनाए रखने और शासन व्यवस्था को सरल बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार लागू किए जा रहे हैं।

दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। दुनिया आर्थिक विकास को लेकर कई चुनौतियों का सामना कर रही है और संसाधनों का इस्तेमाल दबाव बनाने के साधन के तौर पर किया जा रहा है।

इसके बावजूद दुनिया भारत को विकास के एक उज्ज्वल केंद्र के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी व्यवस्था लोगों को अभाव में रखने वाली थी, जिससे उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी सरकार पर निर्भर रहना पड़ता था।

लाइसेंस राज ने बढ़ाई बेरोजगारीः मोदी ने कहा कि लाइसेंस राज ने बेरोजगारी की समस्या को बढ़ाया, जबकि उनकी सरकार नए अवसर पैदा करने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि कानून के तहत जिस काम पर स्पष्ट रोक नहीं है, उसके लिए अलग से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। शासन को आसान बनाने के साथ लोगों के जीवन में सहूलियत लाने के लिए नीतिगत स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं।

स्टार्टअप के साथ भारत सरकारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया के सामने मजबूत और नवोन्मेषी मॉडल पेश करने के लिए तैयार हो रहा है। मोदी ने यहां अंतरिक्ष गतिविधियों से जुड़ी 20 स्टार्टअप कंपनियों के सीईओ एवं संस्थापकों के साथ बातचीत में यह बात कही।इस दौरान उन्होंने युवा अंतरिक्ष उद्यमियों को सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए उनसे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को कृषि, पशुधन प्रबंधन, डेयरी, पर्यावरण और आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्रों तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, भारत सरकार भविष्य के लिए देश की क्षमताओं को विकसित करने में अंतरिक्ष स्टार्टअप के साथ खड़ी रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां अपने प्रौद्योगिकी का नए क्षेत्रों में इस्तेमाल पर विचार करें और इससे लोगों का जीवन आसान बनाने के तौर-तरीकों पर गौर करें।

उन्होंने कहा,अंतरिक्ष मलबा हटाने के काम में जुटी कंपनियां पर्यावरण संगठनों के साथ मिलकर अपनी प्रौद्योगिकियों का विस्तार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र एक बड़ी ताकत बन सकता है और ऐसा परिवेश विकसित किया जाना चाहिए जहां दुनिया अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारत की ओर देखे।

संक्षिप्त खबरें

जयशंकर आज रूस की दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, भारत-रूस आयोग की बैठक में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को रूस की दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर जायेंगे जहां वह भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि श्री जयशंकर रूस के फर्स्ट डिप्टी प्राइम मिनिस्टर डेनिस मंटुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। वह व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता की जा सके। यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। अपने रूसी समकक्ष के साथ वह द्विपक्षीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर चर्चा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों और ऊर्जा सहयोग को नई गति देना है। विदेश मंत्री की इस यात्रा से दोनों देशों के संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

वंदे मातरम् को लेकर कोई समझौता नहीं होगा : भाजपा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम की घोषणा के बाद शनिवार को भाजपा मुख्यालय में पहली पदाधिकारी बैठक हुई। बैठक के बाद पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने बताया कि अभी भी बैठकों का सिलसिला जारी है। संबित पात्रा ने कहा कि पहली पदाधिकारी बैठक में पहला प्रस्ताव भारत के गौरव और सम्मान, वंदे मातरम के महामंत्र के सम्मान में पारित हुआ है। पिछले कुछ महीनों में वंदे मातरम को लेकर कुछ ऐतिहासिक फैसले हुए हैं। उन्होंने कहा, ह्यह वर्ष वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह के रूप में मनाया जा रहा है। हिंदुस्तान के कोने-कोने में वंदे मातरम के प्रति सम्मान, भाव और भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिल रहा है। संबित पात्रा ने कहा, मैंने वंदे मातरम को मंत्र इसलिए कहा, क्योंकि इस मंत्र के मूल में देश है, देशभक्ति है। भारत के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए के नेतृत्व में वंदे मातरम के सभी 6 पदों का गायन लाल किले के परिसर में हुआ। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2026 को भारत के इतिहास में पहली बार पूरे वंदे मातरम, जिसमें सभी 6 छंद शामिल हैं, को गाया गया।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, सूर्योदय के साथ हमने संपूर्ण वंदे मातरम को सुना, सराहा और नमन किया, वहीं सूर्य अस्त होते-होते 15 अगस्त को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर कांग्रेस कार्यालय का एक वीडियो सामने आया, जहां सोनिया गांधी को वंदे मातरम को दो छंदों के बाद रोकने के लिए कहते देखा गया। संबित पात्रा ने कहा, हमने देखा कि किस प्रकार कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी की मौजूदगी में जब तिरंगा लहराया जा रहा था, उस समय जब वंदे मातरम शुरू हुआ तो 2 छंदों के बाद सोनिया गांधी को स्टॉप-स्टॉप कहते हुए सुना गया, जैसे कोई गलत शब्द बोल दिए गए हों।

सड़क हादसाः ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को बस ने रौंदा, 5 की मौत

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के बसवरिया पराउटोला पंचायत के बनकटवा मध्य विद्यालय के पास शुक्रवार की रात करीब 11 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। बताया गया कि छठियार के भोज के दौरान वहां तेज आवाज में आर्केस्ट्रा चल रहा था। भोज समाप्त होने के बाद कई लोग मुख्य सड़क के समीप खड़े थे। इसी दौरान गोरखपुर से बेतिया की ओर जा रही तेज रफ्तार शाही बस ने लोगों को रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जीएमसीएच, बेतिया पहुंचाया गया। **मृतकों की पहचानः** हादसे में घायल अजित कुमार (18) की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। मृतकों में बनकटवा वार्ड 10 निवासी छांगूर राम (66), वार्ड 09 निवासी भोला दुबे (35), बसवरिया वार्ड 13 निवासी संजय कुमार (28), वार्ड 12 निवासी बहादुर महतो (45), पराउटोला वार्ड 10 निवासी देवेंद्र दुबे (35) शामिल है।शनिवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।वहीं हादसे में मंचन महतो (50), श्याम बाबू (14), नरेश राम (35) और अजित कुमार (18) घायल हुए हैं। सभी का इलाज जीएमसीएच, बेतिया में चल रहा है। अजित कुमार की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। चिकित्सकों की टीम घायलों के इलाज में जुटी है। बता दें कि घटना की सूचना मिलते ही यातायात डीएसपी अतनु दत्ता, नरकटियागंज एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह, सदर एसडीपीओ अजीत कुमार, लौरिया बीडीओ संजीव कुमार, थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान समेत चार इंस्पेक्टर और सात थानों की पुलिस बल मौके पर पहुंची थी।

सीएम सम्राट ने हादसे पर जताया शोकः पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पश्चिम चंपारण जिले के लोरिया में हुए सड़क हादसे की घटना में पांच लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि पश्चिम चंपारण के लौरिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस दुःख की घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सुप्रीम कोर्ट से आर्ट ऑफ लिविंग संस्था को बड़ी राहत, 5 करोड़ का जुर्माना रद्द

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आर्ट ऑफ लिविंग संस्था को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दिल्ली में यमुना के बाढ़ वाले इलाके में 2016 में हुए कार्यक्रम के लिए संस्था के व्यक्ति विकास केंद्र और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन पर लगाया गया जुमार्ना रद्द कर दिया है। व्यक्ति विकास केंद्र श्री श्री रवि शंकर द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संगठन का एक पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को निर्देश दिया है कि वह व्यक्ति विकास केंद्र द्वारा जमा किए गए 5 करोड़ रुपये की जुमार्ना राशि वापस करे। कोर्ट ने कहा कि डीडीए इको-सेंसिटिव जोन की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा। लेकिन इस बात का कोई सीधा सबूत नहीं है कि आर्ट ऑफ लिविंग ने अपने इवेंट के जरिए यमुना के सेंसिटिव जोन को नुकसान पहुंचाया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि डीडीए, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों के अनुसार यमुना के बाढ़ वाले इलाके के मैदान के रिहैबिलिटेशन का काम जारी रखेगा। 2016 में आर्ट ऑफ लिविंग ने यमुना के बाढ़ के मैदानों पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। आरोप लगा था कि इस आयोजन से पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने मार्च 2016 में दिल्ली में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र पर आयोजित ह्यविश्व संस्कृति महोत्सवह्न के दौरान पर्यावरण और जैव विविधता को पहुंचाए गए नुकसान के लिए आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन पर 5 करोड़ रुपए का पर्यावरणीय मुआवजा (जुर्माना) लगाया था। फाउंडेशन ने यह राशि जमा भी कर दी थी। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और लगभग 10 साल तक लंबी कानूनी लड़ाई चली। अब शीर्ष अदालत ने इस जुमार्ने को रद्द करते हुए राशि वापस लौटाने का आदेश दिया।

चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे एथेनॉल नहीं है कारण, गन्ने का कम उत्पादन और रिकवरी का है असरः कृषि विशेषज्ञ

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। देश भर में चीनी की कीमतों में आई तेजी को लेकर चल रही बहस के बीच कृषि और चीनी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि इसकी मुख्य वजह चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट करना नहीं, बल्कि गन्ने के उत्पादन और चीनी रिकवरी में आई कमी है। उनका कहना है कि सरकार चीनी, एथेनॉल और निर्यात के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी करती है और उपभोक्ताओं की जरूरत को प्राथमिकता दी जाती है। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में जो तेजी देखने को मिली है, वह कुछ हद तक अप्रत्याशित जरूर है, लेकिन इसके लिए सीधे तौर पर एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार हर साल चीनी उत्पादन का आकलन करते समय यह सुनिश्चित करती है कि देश की घरेलू जरूरतों के लिए पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि देश में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की आवश्यकता होती है। इसके बाद ही अतिरिक्त चीनी को एथेनॉल उत्पादन या निर्यात के लिए अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि चालू वर्ष में लगभग 31 लाख टन चीनी के बराबर मात्रा का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में किया गया, जबकि करीब 7 लाख टन चीनी का निर्यात भी हुआ। इसके बावजूद देश में पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है।

पिछले डेढ़ वर्ष में ई-ग्राम कचहरी पर दर्ज 38 हजार से अधिक वादों का हुआ निपटारा

■ ग्रामीण न्याय व्यवस्था को मिली नई रफ्तार

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। बिहार में ग्रामीण अंचलों के लोगों को छोटे-मोटे विवादों में कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने से काफी हद तक राहत मिली है। ई-ग्राम कचहरी व्यवस्था के लागू होने से इसमें बड़ा बदलाव आया है। अब लोग डिजिटल माध्यम से छोटे विवाद आराम से सुलझाए जा रहे है। ई-ग्राम कचहरी पोर्टल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के दीवानी और फौजदारी वादों का निपटारा अब पहले से कहीं अधिक तेज हो गया है। पंचायती राज विभाग के अनुसार, जनवरी 2025 से अब तक ई-ग्राम कचहरी पोर्टल पर दर्ज मामलों में से 38 हजार से अधिक वादों का सफलतापूर्वक निपटारा किया जा चुका है। इनमें जमीन-जायदाद से जुड़े दीवानी वादों की संख्या करीब 37 हजार रही। इन दीवानी वादों में से 53 प्रतिशत का निष्पादन किया जा चुका है। वहीं, लड़ाई-झगड़े और छोटे अपराधों से जुड़े फौजदारी मामलों की संख्या 31,274 रही। इस सुविधा से लोगों के समय, पैसे और मेहनत तीनों की बचत हो रही है, साथ ही ग्रामीण न्याय व्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। जिलों के स्तर पर पश्चिम चंपारण सबसे आगे रहा है।

यहां कुल वादों में से 86 प्रतिशत का सफलतापूर्वक निपटारा हुआ है। दीवानी वादों में 85 प्रतिशत और फौजदारी वादों में 88 प्रतिशत सफलता मिली है। इसके बाद लखीसराय जिले में 77 प्रतिशत वादों का समाधान हुआ है, जहां 76 प्रतिशत दीवानी और 78 प्रतिशत फौजदारी वादों को निपटाया गया है। मधेपुरा जिले में भी अच्छी प्रगति देखने को मिली। यहां कुल 76 प्रतिशत वादों का निपटारा हुआ, जिनमें दीवानी वादों में 75 प्रतिशत और फौजदारी वादों में 77 प्रतिशत सफलता दर्ज की गई है।

ग्राम स्तर पर ही कई मामलों का निपटारा होने से लोगों को न सिर्फ न्याय जल्दी मिल रहा है, बल्कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में भी मदद मिल रही है। इस डिजिटल माध्यम से मामलों की ट्रैकिंग और पारदर्शिता भी बढ़ी है। ग्रामीणों को अपने मामलों की स्थिति की जानकारी आसानी से मिल पा रही है।

ई-ग्राम कचहरी के माध्यम से वाद दर्ज करने की प्रक्रिया

जो भी ग्रामीण अपना वाद दर्ज करना चाहते हैं वो पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से पंजीकरण करें। इसके बाद मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से पोर्टल पर लॉगिन करें, केस एंट्री विकल्प में जा कर एड न्यू का चयन करें और मांगी गई सूचना भर कर, सरपंच, उप-सरपंच और पंच का चयन कर वाद दर्ज करें।

पर्यावरण जल संरचनाओं के संरक्षण, संवर्धन और सृजन से पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव

जल-जीवन-हरियालीः जल संरचनाओं के संरक्षण से संवर रहा बिहार का पर्यावरण

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बिहार का जल-जीवन-हरियाली अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। अभियान के तहत जलस्रोतों का संरक्षण, जीर्णोद्धार और उनका नव निर्माण एक दूरगामी परिणाम सामने लेकर सामने आएगा। राज्य में अभियान के रूप में पौधरोपण किए जाने से हरित आवरण में भी तेजी से वृद्धि हुई है। सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि अभियान के तहत सभी कार्यों को ससमय पूरा किया जाय।

श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, बिहार सरकार।

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर शुरू जल-जीवन-हरियाली अभियान जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन की दिशा दूरगामी सोच साबित हुआ है। आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2019 से शुरू इस अभियान के तहत अभी तक 5.5 लाख से भी अधिक जल संरचनाओं का संरक्षण, जीर्णोद्धार और नव निर्माण किया जा चुका है। जबकि, इस बीच राज्य भर में 22.99 करोड़ से भी अधिक पौधरोपण के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए हरित आवरण की वृद्धि में बड़ी सफलता हासिल की गई है।

बिहार और देश के विभिन्न हिस्सों में जलवायु संकट की समस्या को देखते हुए दिनांक 02 अक्तूबर 2019 को राज्य भर में जल-जीवन-हरियाली अभियान की नींव रखी। इस अभियान के तहत 11 अवयवों को शामिल करते हुए जल और पर्यावरण संरक्षण संबंधी जिम्मेदारी 15 विभागों के कंधों पर दी गई। अभियान नेतृत्व की कमान नोडल विभाग के तौर पर ग्रामीण विकास विभाग को सौंपी गई। अभियान को मूर्त रूप देने में लगे विभागों के बीच बेहतर तालमेल का ही नतीजा है कि आज राज्य भर में 28,488 सार्वजनिक जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने तो करीब एक लाख 10 हजार सार्वजनिक तालाब, पोखर, आहर और पईनों के जीर्णोद्धार का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। साथ ही 38 हजार 651 सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार और 2 लाख 61 हजार 744 सार्वजनिक जल संरचनाओं के किनारे सोख्ता का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। चिन्हित सभी विभागों के आपसी प्रयासों से मिले अन्य उपलब्धियों पर गौर करें तो करीब सात वर्ष से भी कम समय में राज्य में 13 हजार 658 चेक डैम एवं जल संचयन की अन्य संरचनाओं का निर्माण, 85 हजार 528 नए जलस्त्रोतों का सृजन और वर्षा जल संचयन की दिशा में राज्य के 15 हजार 683 सरकारी भवनों पर छत-वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण कार्य पूरा कराया गया है।

जल-जीवन-हरियाली अभियान से प्राप्त अन्य सफलताएंः

जैविक कृषि आच्छादित भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)-109439

सूक्ष्म सिंचाई से आच्छादित भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)-61848

मौसम अनुकूल खेती से आच्छादित भूमि का क्षेत्रफल (एकड़ में)- 2,85667

सरकारी और सार्वजनिक भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना-12614

एनएचआरसी के विशेष मॉनिटर डॉ. कन्हैया त्रिपाठी ने किया एम्स पटना का दौरा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मरीज सिर्फ एक केस नहीं बल्कि संवेदनाओं से जुड़ा एक इंसान है। इसी मानवीय सोच के साथ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर डॉ. कन्हैया त्रिपाठी ने शनिवार को एम्स पटना का दौरा किया और संस्थान में मानवाधिकार, मरीजों की सुविधाओं, शिकायत निवारण और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

इस दौरान डॉ. त्रिपाठी ने मरीजों और उनके परिजनों की शिकायतों को संवेदनशीलता, धैर्य और मानवीय दृष्टिकोण के साथ सुनने और उनका समाधान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता केवल इलाज तक सीमित नहीं है बल्कि मरीज को सम्मान, गरिमा और भरोसा देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बैठक में डॉक्टरों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बीच मानवाधिकार जागरूकता और समझ को मजबूत करने पर विशेष चर्चा हुई। संस्थान की कार्यप्रणाली में लैंगिक समानता और मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण को और प्रभावी ढंग से शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

डॉ. त्रिपाठी ने एम्स पटना में एक मानवाधिकार प्रकोष्ठ स्थापित करने तथा विद्यार्थियों के लिए ह्यूमन राइट्स स्टूडेंट्स क्लब शुरू करने की संभावनाओं पर विचार करने का सुझाव दिया। इसका उद्देश्य युवाओं में अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना होगा।

बैठक में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया गया। इसके तहत मानवाधिकार सत्र, संगोष्ठी, परिचर्चा और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से ह्लअधिकारों को जानें, सम्मान करें और दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करेंह्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा हुई।

मानवाधिकार के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन ह्यूमन राइट्स शुरू करने की संभावना पर भी विचार किया गया। साथ ही मानवाधिकारों से जुड़े शोध पत्र और अकादमिक कार्य एनएचआरसी के साथ साझा कर ज्ञान और अनुभव के आदान प्रदान को बढ़ावा देने की बात कही गई।

डॉ. त्रिपाठी ने साइबर हाइजीन और साइबर सिक्योरिटी को भी मानवाधिकारों और संस्थागत जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। मरीजों और संस्थान से जुड़ी संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा वेबसाइट पर आवश्यक और उपयोगी आंकड़ों को पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में एम्स पटना और एनएचआरसी के बीच सहयोग को और मजबूत करने और एक दूसरे की अच्छी कार्यप्रणालियों को साझा करने तथा राज्य मानवाधिकार आयोग के साथ समन्वय बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. त्रिपाठी का दौरा एम्स पटना के लिए इलाज के साथ इंसानियत, सेवा के साथ संवेदनशीलता और स्वास्थ्य के साथ मानव गरिमा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

एम्स पटना ने अस्पताल प्रशासकों को आपदा प्रबंधन के लिए किया तैयार

पटना। आपदा और स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान अस्पतालों को और अधिक तैयार, सुरक्षित और सक्षम बनाने के उद्देश्य से एम्स पटना के अस्पताल प्रशासन विभाग ने 17 से 22 अगस्त तक अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारीह्व विषय पर छह दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डीन (रिसर्च) प्रो. डॉ. संजय पांडे, डीन (एकेडमिक्स) प्रो. डॉ. पूनम प्रसाद भदानी, अस्पताल प्रशासन विभाग के प्रमुख डॉ. सुजीत कुमार सिन्हा तथा डॉ. राम कृष्ण मंडल मौजूद रहे।उद्घाटन के अवसर पर प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि आपदा के समय अस्पतालों की तैयारी केवल संसाधनों से नहीं बल्कि प्रशिक्षित टीम, बेहतर समन्वय और नियमित अभ्यास से मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आपात स्थितियों में तेजी से निर्णय लेने और मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कॉलेज ऑफ नर्सिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस प्रशिक्षण में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर के अस्पताल प्रशासकों ने भाग लिया। कार्यक्रम को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल का सहयोग प्राप्त था।प्रशिक्षण के दौरान अस्पतालों में आपदा प्रबंधन, सेफ हॉस्पिटल, इमरजेंसी प्लानिंग, मास कैजुअल्टी और मास फैटेलिटी मैनेजमेंट, प्री-हॉस्पिटल केयर, फील्ड हॉस्पिटल प्लानिंग, लॉजिस्टिक्स, ट्रायेज और रैपिड हेल्थ रिस्क असेसमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।प्रतिभागियों को बुनियादी जीवन रक्षक उपाय और उन्नत आघात जीवन रक्षक सहायता का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके अलावा घटना के प्रति प्रतिक्रिया प्रणाली और अस्पताल आपातकालीन घटना प्रतिक्रिया प्रणाली की जानकारी दी गई। अचानक बढ़ी मरीजों की संख्या से निपटने की क्षमता , आपदा जोखिम संचार और अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए।आपदा के दौरान विशेष परिस्थितियों से निपटने के लिए एनडीआरएफ, बिहार यूनिट ने सीबीआरएनई आपदाओं पर सत्र लिया और सीबीआरएनई मॉक ड्रिल भी कराया। वहीं, बिहार होमगार्ड एवं फायर सर्विसेज और एम्स पटना की फायर सेफ्टी टीम के सहयोग से फायर सेफ्टी, अस्पताल की सुरक्षित निकासी और फायर मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया।

पटना की धरती पर गूंजा फिल्मी क्लैप
सत्यकेतु सिंह की 4 ओटीटी फिल्मों की शूटिंग शुरू

पटना/सोनपुर, 21 अगस्त 2026 बिहार के पटना और सोनपुर से बॉलीवुड डळळ इंडस्ट्री के लिए बड़ी खबर सामने आई है। डैफोडिल्स एंटरटेनमेंट और भारत श्री फिल्म्स के बैनर तले बन रही 4 नई वर्टिकल हिंदी डळळ फिल्मों की ऑन-लोकेशन शूटिंग आज से पटना और दीघा-सोनपुर में शुरू हो गई है।जिन 4 फिल्मों की शूटिंग एक साथ शुरू हुई है, उनके नाम हैं - रिपोर्टर साब, बवाल हो गया, दुल्हन फरार और झोलाछाप डॉक्टर।इन फिल्मों के निमार्ता सत्यकेतु सिंह और भरत अग्रवाल हैं, निर्देशन अश्वनी कुमार अश्व* कर रहे हैं और प्रचारक *संजय भूषण पटियाला हैं। मुहूर्त के मौके पर पूरी टीम मौजूद रही।बिहार पृष्ठभूमि पर निमार्ता सत्यकेतु सिंह ने कहा - ह्लमैं मुजफ्फरपुर, बिहार का रहने वाला हूँ और पिछले कई सालों से मुंबई में कई फिल्में प्रोड्यूस कर रहा हूँ। मैंने बाहर रहकर एक बात महसूस की कि हमारे बिहार में टैलेंट की कमी नहीं है, लेकिन मौके की कमी है।मैं चाहता हूँ कि बिहार में भी अच्छी, साफ-सुथरी और रोजगार देने वाली फिल्में बनें। इसीलिए मैंने जान-बूझकर अपनी इन चारों फिल्मों की शूटिंग मुंबई में नहीं, बल्कि अपने घर - पटना और सोनपुर में शुरू की है। मेरा मकसद सिर्फ फिल्म बनाना नहीं, बल्कि मुंबई के दूसरे बड़े प्रोड्यूसर्स को भी इंस्पायर करना है कि वो बिहार आएं और यहाँ शूट करें।उन्होंने आगे कहा, बिहार में इंडस्ट्री तो है, कलाकार भी हैं, कहानियां भी हैं, लेकिन शूटिंग की बेसिक सुविधा आज भी नहीं है। कैमरा, लाइट, प्रॉपर टीम आज भी हमें मुंबई से मंगानी पड़ती है, जबकि इंडस्ट्री में काम करने वाले 70% टेक्नीशियन खुद बिहार के ही हैं।अगर सरकार के सहयोग से पटना में एक प्रॉपर लाइन प्रोडक्शन और टेक्निकल हब बन जाए, तो मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि बिहार पूरे देश का बेस्ट शूटिंग डेस्टिनेशन बन सकता है।इन फिल्मों में आदर्श आनंद, नितीश कुणाल राय, प्रेम कुमार, त्रिशाकर मधु, सोनू बोल्ट जैसे चर्चित कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे।

संक्षिप्त खबरें

पंडारक पुलिस ने हथियार व कारतूस के साथ कुख्यात अपराधी संजय यादव समेत तीन को किया गिरफ्तार

फतुहा। पंडारक थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बमपुर पुल के पास छापेमारी कर किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे कुख्यात अपराधी संजय यादव समेत उसके दो सहयोगियों सिंटू कुमार और अजय कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, तीन देसी कट्टे, 30 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। फतुहा एसडीपीओ कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने बताया कि गठित एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार कर लिया, जिससे एक बड़ी आपराधिक घटना टल गई। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी संजय यादव के खिलाफ पूर्व से हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन मामले दर्ज हैं।

दियारा क्षेत्र में पानी फैलने से आवागमन प्रभावित होने से आधे से अधिक शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे

दानापुर। नगर के अंतर्गत शनिवार को गंगा नदी का पानी दियारा क्षेत्र में फैलने से आवागमन प्रभावित होने लगी है। सड़कों पर पानी फैलने से आधे से अधिक शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे। सभी शिक्षक नासरीगंज स्थित फक्कड़ महतो घाट पहुंचे और अपनी एकजुटता को दर्शाया। नित्यानंद सिंह, संजय कुमार पाल, बिजय व्यंजन, महफुज हक समेत दर्जनों शिक्षकों ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को एक पत्र भी लिखा है। जिसमें बताया कि दियारा क्षेत्र में गंगा के बाढ़ का पानी चारों तरफ फैल गया है। सड़कों रास्ते पर पानी रहने से घाट से स्कूल जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिससे हम सभी शिक्षक असमर्थ हैं।शनिवार को दियारा क्षेत्र में गंगा का पानी सभी जगहों पर फैल गया है।खेत खलिहानों से लेकर सड़कों पर पानी बह रहा है।

इंटर स्कूल डांस कॉम्पिटिशन नृत्यांजलि का भव्य आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : लायंस क्लब ऑफ पटना अनंता द्वारा इंटर स्कूल डांस कॉम्पिटिशन नृत्यांजलि का भव्य आयोजन स्थानीय रविन्द्र भवन में किया गया। इस प्रतियोगिता में पटना के 13 स्कूलों के 300 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी अद्भुत नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पटना की महापौर सीता साहू, प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल शर्मिष्ठा बनर्जी, डॉ. पूनम चौधरी, सोम चक्रवर्ती, रामचंद्र गोल्डर, लायंस क्लब ऑफ पटना अनंता की अध्यक्ष लायन सुनीता सिंह एवं कार्यक्रम संयोजक बबिता सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया जिसमें सेमि क्लासिकल, कंटेम्परारी एवं रीजनल डांस शामिल था। बच्चों ने अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और मनमोहक, प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया।

इस मौके पर निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित कला, एवं नृत्य क्षेत्र से जुड़े शर्मिष्ठा बनर्जी, डॉ. पूनम चौधरी, सोम चक्रवर्ती, रामचंद्र गोल्डर ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का विभिन्न मानदंडों पर मूल्याङ्कन किया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ पटना अनंता की अध्यक्ष लायन सुनीता सिंह एवं कार्यक्रम संयोजक बबिता सिन्हा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना तथा भारतीय संस्कृति और कला के प्रति उनकी रूचि को प्रोत्साहित करना है। नृत्यांजलि इसी दिशा में क्लब कि एक महत्वपूर्ण पहल है। आगत अतिथियों ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों की प्रतिभा को मंच प्रदान करती हैं और उनमें आत्मविश्वास व रचनात्मकता का विकास करती हैं।

वंचित एवं पिछड़े वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता: रामदास अठावले

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के राज्य मंत्री रामदास अठावले ने अपने पटना दौरे के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ह्यसबका साथ, सबका विकासह्न के मंत्र के साथ समाज के सभी वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है कि समाज के वंचित, पिछड़े और अपेक्षित वर्गों को आरक्षण तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का सुचित लाभ मिल सके।

अठावले ने कहा कि समाज के पिछड़े एवं अपेक्षित वर्गों को मुख्यधारा में लाने और उन्हें विकास के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए आरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र सरकार महिलाओं सहित समाज के सभी वंचित एवं कमजोर वर्गों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की नीतियों का उद्देश्य सामाजिक न्याय के साथ-साथ अवसरों की समानता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास, अल्पसंख्यक कल्याण, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। बजट आवंटन में हुई वृद्धि से समाज के विभिन्न वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास और समावेशी विकास को गति मिलेगी।

पेपर लीक के मुद्दे पर अठावले ने कहा कि सरकार इस विषय को लेकर बेहद गंभीर है और दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर भी इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं के हितों से जुड़े विषयों पर राजनीति करने के बजाय सभी राजनीतिक दलों को उनके भविष्य और हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी, अभिजीत दीपके और अरविंद केजरीवाल पर राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दों से भटकाने का आरोप लगाया ।

और कहा कि समाज का युवा ह्यकॉकरोचह्न नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। पेपर लीक के मामले में कार्रवाई दोषियों के विरुद्ध की जा रही है, जबकि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के संबंध में किसी प्रकार का मामला दर्ज नहीं किया गया है। लाठीचार्ज की घटना को लेकर जांच चल रही है और जांच के निष्कर्ष के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अठावले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का लक्ष्य समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बजट में किए गए प्रावधान इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं।

बिहार के बीसीपीओ के डॉ. एके जायसवाल दिल्ली में डॉक्ट्रेट अवार्ड से हुए सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में 22 अगस्त 2026 को आयोजित अचीवर्स अवॉर्ड 2026 समारोह में पटना (बिहार) के डॉ० अभय कुमार जायसवाल को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

भारत सरकार के कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ,सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम में मंत्रालय ,नीति आयोग, राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था तथा अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन से संबद्ध अचीवर्स अवॉर्ड काउंसिल ने अपने मिशन के तहत आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड 2026 का भव्य आयोजन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में किया।काउंसिल ने अपने कठोर मापदंडों के आधार पर बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी एंड ऑक्यूपेशनल थेरेपी, पटना के सह-प्राध्यापक डॉक्ट अभय कुमार जायसवाल को अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, दिव्यांग सेवा, कठिन परिश्रम और उच्च गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के लिए चयनित कर लाइफ टाईम सदस्यताह्व प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इससे पहले भी डॉ० जायसवाल कई राष्ट्रीय स्तर के सम्मानों से सम्मानित किए जा चुके हैं। नई दिल्ली स्थित एम्स में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ठउअलफ्र 2026 में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्डह्व तथा वर्ष 2023 में चेन्नई में आयोजित डळकडउठ सम्मेलन में प्रोफेशनल एक्सीलेंस अवार्डह्व से सम्मानित किया गया था।भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया।यह सम्मान समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों, समाज के कर्मठ नायकों एवं उनकी उपलब्धियों को जन-मानस तक पहुँचाने का ऐतिहासिक प्रयास था। ये वैसे लोग थे जिन्होंने समाज के लिए निःस्वार्थ अपना जीवन अपने समाज एवं प्रोफेशन को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित कर दिया। इस समारोह से यह संदेश दिया गया कि सच्ची पहचान केवल प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि उत्कृष्ट कर्मों से परिभाषित होती है।

किड्सजोन - एन एलीमेंट्री स्कूल में सावन की मस्ती के साथ दिखी शिक्षिकाओं और माताओं की प्रतिभा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। रुकनपुरा स्थित किड्सजोन - एन एलीमेंट्री स्कूल द्वारा द रेड गार्डन हॉल में सावन के अवसर पर सावन संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, शिक्षिकाओं और माताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। नृत्य, क्विज, रैंप वॉक, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो जैसी गतिविधियों ने पूरे आयोजन को खास बना दिया।सावन क्वीन प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें सोनाली राज ने सावन क्वीन का खिताब जीता। सावन क्वीन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह, सिमा प्रभात, मनोज एवं सुजाता मौजूद रहे।शिक्षिकाओं और

बच्चों की माताओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। बच्चों के लिए क्विज गेम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। इसके बाद रैंप वॉक में बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी अदाओं का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया।सावन संगम का खास आकर्षण माताओं के लिए आयोजित यूनिक गेम और टैलेंट शो रहा। माताओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों के जरिए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का परिचय दिया।

स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह ने कहा कि सावन संगम के आयोजन का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ माताओं ने भी पूरे उत्साह से इसमें भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया।कार्यक्रम में रैंप वॉक में पहला स्थान मोहिल की माँ ने, दूसरा स्थान मोहिल की मामी ने जबकि तीसरा स्थान सम्यक की माँ ने हासिल किया। वहीं सोलो डांस प्रतियोगिता में पहला स्थान अदविका तिवारी की माँ, दूसरा अथर्व तिवारी की माँ व तीसरा स्थान दक्ष यादव की माँ ने हासिल किया।

लोकभवन मार्च में उमड़ा पीएच.डी. धारकों एवं शोधार्थियों का जनसैलाब, सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ऑल पीएच.डी. होल्डर्स एंड रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन ऑफ बिहार के बैनर तले बिहार के पीएच.डी. धारकों एवं शोधार्थियों ने अपनी विभिन्न न्यायोचित मांगों को लेकर आज पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोकभवन मार्च निकाला। मार्च में बड़ी संख्या में पीएच.डी. धारकों, शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों के उत्साह, आक्रोश और सरकार से न्याय की मांग को लेकर लगाए जा रहे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

लोकभवन मार्च की शुरूआत वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क से हुई, जहां प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे पीएच.डी. धारक एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। आंदोलनकारियों ने हाथों में अपनी मांगों से संबंधित तख्तियां और पोस्टर लेकर लोकभवन की ओर कूच किया। मार्च जैसे-जैसे आगे बढ़ा, आंदोलनकारियों की संख्या बढ़ती गई और सरकार से तत्काल सकारात्मक हस्तक्षेप की मांग तेज होती गई।

प्रदर्शनकारियों को लोकभवन की ओर आगे बढ़ने से रोकने के लिए प्रशासन द्वारा हड़ताली मोड़ के पास बैरिकेडिंग की गई। बैरिकेडिंग के बावजूद आंदोलनकारी शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। काफी देर तक प्रदर्शन जारी रहा। आंदोलनकारियों के बढ़ते आक्रोश और आंदोलन की व्यापकता को देखते हुए प्रशासन को वार्ता के लिए आगे आना पड़ा।

प्रशासन की पहल पर आंदोलनकारियों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को लोकभवन ले जाकर वार्ता कराई गई। प्रतिनिधिमंडल ने पीएच.डी. धारकों एवं शोधार्थियों की विभिन्न मांगों, नियुक्ति प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों तथा शोधार्थियों के भविष्य से जुड़े विषयों को मजबूती से रखा और सरकार से शीघ्र ठोस निर्णय लेने की मांग की।

19 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे कुमुद पटेल के पहुंचते ही आंदोलनकारियों में आया नया जोश

लोकभवन मार्च के दौरान आंदोलन का सबसे भावुक और उत्साहपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिला, जब एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक एवं आंदोलनकारी नेता कुमुद पटेल, जो पिछले 19 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं, प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। उनके पहुंचते ही हजारों की संख्या में मौजूद पीएच.डी. धारकों एवं शोधार्थियों में नया उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली।

आंदोलनकारियों ने जोरदार नारों के साथ प्रदेश संयोजक कुमुद पटेल का स्वागत किया। लंबे समय से जारी उनके संघर्ष और आमरण अनशन के प्रति प्रदर्शनकारियों ने एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक पीएच.डी. धारकों एवं शोधार्थियों की न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदेश संयोजक कुमुद पटेल के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन ने प्रदेशभर के शोधार्थियों और पीएच.डी. धारकों को एकजुट किया है।

बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर तटबंधों की 24 घंटे निगरानी, बाढ़ से बचाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना जिला से होकर बहने वाली नदियों के जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने जल संसाधन विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सभी अधिकारियों को पूरी तरह सजग रहने तथा स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यकता हो, वहां बाढ़ से बचाव एवं तटबंधों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा की स्थिति में रिस्पॉन्स टाइम का न्यूनतम होना सबसे महत्वपूर्ण है। सभी संबंधित विभाग पहले से ऐसी कार्ययोजना तैयार रखें ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बिना विलंब शुरू किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि वर्तमान समय में तटबंधों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पटना जिले में विभाग के पांच प्रमंडल—सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, खगौल; गंगा सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, दीघा; पुनपुन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, अनीसाबाद; पुनपुन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, पटना सिटी तथा बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बख्तियारपुर—कार्यरत हैं। इन प्रमंडलों के अंतर्गत गंगा, सोन, पुनपुन, दरधा, धोवा, महतमाइन सहित विभिन्न नदियां आती हैं। इन सभी नदियों के तटबंधों पर 24 घंटे सतत निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से नालंदा एवं जहानाबाद की ओर से पटना जिले में आने वाली नदियों के जलस्तर पर भी लगातार नजर रखने तथा किसी भी संभावित स्थिति में समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बाढ़ की दृष्टि से जिले में 31 संवेदनशील एवं 181 अतिसंवेदनशील स्थलों को चिह्नित किया गया है। इन स्थानों पर बाढ़ से बचाव के लिए 8 लाख 58 हजार बालू भरे ईसी बैग, 2,083 घनमीटर स्थानीय बालू, 64,093 नायलॉन क्रेट तथा 10,682 जियो बैग उपलब्ध कराए गए हैं।जलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ईसी बैग एवं अन्य बाढ़रोधी सामग्रियों का भंडारण ऐसे स्थानों पर किया जाए, जहां आवश्यकता पड़ने पर उनका परिवहन एवं उपयोग तत्काल किया जा सके। इसके लिए ट्रैक्टर, जेनरेटर, मजदूर तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित रखने को कहा गया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन सामग्रियों की संख्या अथवा मात्रा बढ़ाने की आवश्यकता हो, उन्हें तत्काल बढ़ाकर उपयुक्त स्थानों पर सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाए।

अनुमंडल पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने तथा बाढ़ की संभावित स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वहीं पटना नगर निगम के अधिकारियों को नालों की नियमित सफाई कर जल निकासी की व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा कहीं भी जलजमाव की स्थिति उत्पन्न नहीं होने देने को कहा गया।आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 219 पंजीकृत निजी नावों के साथ एकरारनामा किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य निजी नाव मालिकों के निबंधन की कार्रवाई भी जारी है। जिले में संभावित आपदा की स्थिति में लोगों के सुरक्षित ठहराव के लिए 120 शरण स्थलों को चिह्नित किया गया है। साथ ही 5 इन्फ्लेटेबल लाइटिंग सिस्टम, 543 लाइफ जैकेट एवं 2 महाजाल की व्यवस्था भी की गई है।राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ की एक कंपनी 12 बोट एवं 32 जवानों के साथ गायघाट, पटना सिटी में तथा एनडीआरएफ की दो टीमें 8 बोट के साथ दिदारगंज बाजार समिति परिसर में तैनात रखी गई हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

प्रसून जोशी ने अमिताभ बच्चन संग रचनात्मक साझेदारी को याद किया

पटना। गीतकार, कवि और लेखक प्रसून जोशी हाल ही में ह्यकौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 में गायिका सुनीधी चौहान के साथ शामिल हुए। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ अपने लंबे रचनात्मक जुड़ाव और कविता व हिंदी भाषा के प्रति साझा प्रेम को याद किया। प्रसून जोशी ने कहा कि कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर अमिताभ बच्चन के सामने बैठना उनके लिए अलग और यादगार अनुभव रहा। उन्होंने सीजन की थीम ह्यसोचना पड़ेग से जुड़ते हुए कहा कि नए जवाब और नजरिए के लिए ठहरकर सोचना जरूरी है। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ.सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

दुल्हिन बाजार बीएससी नर्सिंग का रिजल्ट खराब आने पर छात्रों ने किया सड़क जाम

दुल्हिन बाजार । थाना क्षेत्र के रकसिया गांव स्थित चाणक्या कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार दोपहर बीएससी नर्सिंग के रिजल्ट को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ। परीक्षा परिणाम में 90 प्रतिशत विद्यार्थियों को फेल किए जाने से आक्रोशित सैकड़ों छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बिक्रम-पालीगंज रल्ल-2 मुख्य मार्ग को लगभग एक घंटे तक जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों और चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि कॉलेज के करीब 90 प्रतिशत विद्यार्थियों को परीक्षा में फेल कर दिया गया है, जबकि कई मेधावी और टॉपर छात्रों को भी उम्मीद से बेहद कम अंक मिले हैं। एक छात्रों ने आरोप लगाया कि संस्थान प्रबंधक द्वारा सेंटर मैनेजमेंट और फॉर्म भरने के नाम पर प्रत्येक छात्र से 10,800 रुपये वसूले गए थे। छात्रों का कहना है कि भारी रकम लेने के बावजूद प्रबंधन की लापरवाही से उनका भविष्य दांव पर लग गया है।

छात्र पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और कॉपियों की दोबारा जांच कर प्रभावित विद्यार्थियों को न्याय दिलाने की मांग पर अड़े रहे। हालांकि, इस संबंध में जानकारी के लिए फोन किये जाने पर प्राचार्य का मोबाइल रिसीव नही की गई। वही हंगामे की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और सड़क से जाम हटवाकर यातायात बहाल कराई।

मेगा जॉब फेयर- चार दिनों में 13,394 युवाओं को मिला रोजगार

- चौथे दिन 9,500 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा, 3,727 अभ्यर्थियों का हुआ चयन
- मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज वितरित करेंगे नियुक्ति पत्र

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। बिहार के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग और बिहार कौशल विकास मिशन की पहल रंग ला रही है। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में आयोजित ह्लमेगा जॉब फेयर-2026ह्व युवाओं के लिए रोजगार के बड़े मंच के रूप में सामने आया है। मेगा जॉब फेयर के चौथे दिन 9 हजार 500 से अधिक युवाओं ने इसमें भाग लिया, जिनमें से विभिन्न कंपनियों के स्तर से 3 हजार 727 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। वहीं, 19 अगस्त से शुरू मेले में अब तक 13 हजार 394 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है।

मेगा जॉब फेयर का नियुक्ति पत्र वितरण एवं समापन समारोह का आज पटना के ज्ञान भवन में आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। ऐसे में रोजगार की तलाश में जुटे युवाओं के लिए यह आयोजन न केवल चयन का मंच बना, बल्कि उनके करियर की नई शुरूआत का अवसर भी लेकर आया है।

एक ही मंच पर कंपनियां और युवा: ज्ञान भवन में आयोजित मेगा जॉब फेयर में बिहार के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में युवा पहुंचे। देश के अलग-अलग हिस्सों से आई कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों की योग्यता और कौशल का आकलन किया। युवाओं ने आवेदन, साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा, रिटेल समेत कई क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार अवसरों ने युवाओं को अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप करियर विकल्प तलाशने का अवसर दिया। खास बात यह रही कि युवाओं को रोजगार की तलाश में दूर-दराज के शहरों का रुख करने के बजाय एक ही मंच पर विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद और साक्षात्कार का अवसर मिला।

कौशल से रोजगार तक की मजबूत कड़ी: मेगा जॉब फेयर का उद्देश्य केवल युवाओं को नौकरी उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उनके कौशल, योग्यता और उद्योग की जरूरतों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना भी रहा। बदलते रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और करियर के अवसर उपलब्ध कराने पर विभाग का विशेष जोर है।

बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मेगा जॉब फेयर इसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां प्रशिक्षित एवं योग्य युवाओं को सीधे उद्योग और कंपनियों से जोड़ने का अवसर मिला।

जनकल्याण और किसान कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: विजय

- गयाजी में कृषि जनकल्याण संवाद: महिलाओं, युवाओं और श्रमिकों के उत्थान को मिलेगी नई गति

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। जनकल्याण और किसान कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की समृद्धि के साथ-साथ मिट्टी, जल एवं पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के साथ-साथ खेती की लागत को कम करने में भी मदद मिलती है। ये बाते कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को गया जी में कृषि जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में कहीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्री सिन्हा ने किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को जाना। किसानों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को माननीय कृषि मंत्री के समक्ष रखा। माननीय मंत्री ने प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने का किया आह्वान: माननीय कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किसानों से कहा कि वे अपनी कुल कृषि भूमि के कम से कम एक-तिहाई हिस्से में प्राकृतिक खेती को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ें। प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर अपनाकर बिहार की कृषि को अधिक टिकाऊ, सुरक्षित एवं लाभकारी बनाया जा सकता है। इस दौरान कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा नई तकनीक का उपयोग है जरूरी: कृषि जनकल्याण संवाद के उद्घाटन सत्र में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार भी मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों के व्यापक उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से कृषि की उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों की आय में वृद्धि तथा कृषि को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाया जा सकता है।

2 हजार से अधिक किसान हुए शामिल: कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता एवं किसानों को मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी साझा की। इस दौरान 2 हजार से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में माननीय विधायक, अतरी रोमित कुमार सहित कृषि विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिभा को मिला अम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र का साथ, मुख्यमंत्री की पहल पर छात्र ले रहे पसंदीदा विधाओं में प्रशिक्षण

- 33 जिलों में अम्रपाली केंद्र से करीब 3000 विद्यार्थी अपने पंसदीदा कला में कर रहे महारथ हासिल

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राज्य में अब कला के क्षेत्र में हुनरमंद हाथों को मुख्यमंत्री ने एक बड़ी सौगात दी है। जिससे बिहार की समृद्ध लोक व शास्त्रीय कला-संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके हस्तांतरण के उद्देश्य से कला, संस्कृति व युवा विभाग द्वारा राज्यभर में अम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नवोदित व युवा कलाकारों को अनुभवी और योग्य प्रशिक्षकों की तरफ से विभिन्न कला विधाओं का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिहार सरकार अंतर्गत राज्य के सभी 38 जिलों में अम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहें है। वर्तमान में 33 जिलों में ये प्रशिक्षण केंद्र सक्रिय रूप से संचालित हो रहे हैं, जबकि शेष 5 जिलों में केंद्रों को संचालित करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके बाद राज्य के सभी 38 जिलों के युवा एवं नवोदित कलाकारों को इस पहल का लाभ मिल सकेगा।

अम्रपाली प्रशिक्षण केंद्रों में शास्त्रीय नृत्य, संगीत, वाद्य यंत्रों सहित अलग-अलग कला विधाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल कला का प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ना और इन्हें निरंतर आगे बढ़ाना है।

3000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के जरिये पंसदीदा कला में आया निखार वहीं विभाग की तरफ से राज्य के 33 प्रशिक्षण केंद्रों से करीब 3000 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थी अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप कला विधाओं का नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। इससे ग्रामीण व जिला स्तर पर प्रतिभाओं को अपनी कला को निखारने और आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

अम्रपाली प्रशिक्षण केंद्रों की परिकल्पना इस उद्देश्य के साथ की गई है कि कला व संस्कृति का प्रशिक्षण केवल बड़े शहरों और चुनिंदा संस्थानों तक सीमित न रहे, बल्कि राज्य के सभी जिलों के युवाओं तक स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके लिए जल्द ही अन्य 5 जिलों में अम्रपाली केंद्र स्थापित करने की योजना बनायी जा रही है।

महिला प्रकोष्ठ के सावन महोत्सव में शामिल हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बिहार प्रदेश कार्यालय, पटना में पार्टी के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंह पासवान के नेतृत्व में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मुख्य रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर चिराग पासवान ने महिला प्रकोष्ठ की सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को सावन महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं में सावन का विशेष महत्व है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ संगठन के कार्यकताओं के बीच आत्मीयता और एकजुटता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) में महिला कार्यकताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ समाज के अंतिम पायदान तक पार्टी की विचारधारा और बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के संकल्प को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंह पासवान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का स्वागत करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में पार्टी की महिला कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं पारंपरिक गतिविधियों से पूरा प्रदेश कार्यालय उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर नीतीश कुमार ने अनिल कुमार सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने शनिवार को नालंदा जिला स्थित ग्राम-सिरसी (बराह) हरनौत में भूतपूर्व मुखिया रविन्द्र प्रसाद सिंह के छोटे भाई स्व0 अनिल कुमार सिंह (ललन प्रसाद सिंह) के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस दुःख की घड़ी में अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की और साथ ही कहा कि अपनों का बिछड़ना अत्यंत पीड़ादायक होता है। इस कठिन समय में परिवार के प्रति संवेदना और साथ ही सच्ची श्रद्धांजलि है। शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि देने वालो में मुख्य रूप से बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह गांधी जी, सांसद कौशलेंद्र कुमार सहित हरनौत विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह, नालंदा जिलाध्यक्ष जनाव अरशद साहेब, प्रदेश सचिव संजय कांत, जदयू नेता राजकिशोर सिंह कक्कू, प्रखंड अध्यक्ष श्री रविकांत सिन्हा एवं तकनीकी प्रकोष्ठ के अशोक कुमार सहित जिला के प्रमुख साथी व समर्थकों की भारी संख्या में मौजूदगी रही। ज्ञातव्य हो कि ग्रामीण रास्ते में हर टोले-नुक्कडों एवं जगह-जगह पर समर्थकों ने नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे लगाए।

वंदे मातरम् की विरासत को वोट बैंक की राजनीति में सीमित नहीं किया जा सकता: सरावगी

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। बिहार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, राष्ट्रभक्ति और करोड़ों देशवासियों के बलिदान की अमर विरासत है। इसकी ऐतिहासिक और राष्ट्रीय विरासत को आज की वोट बैंक की राजनीति के गणित में सीमित नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम देश के स्वतंत्रता आंदोलन का ऐसा मंत्र रहा, जिसने असंख्य क्रांतिकारियों और राष्ट्रभक्तों को मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा दी। शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अध्यक्षता में भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक में वंदे मातरम के सम्मान और इसकी गौरवशाली विरासत की रक्षा के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में हुई पहली पदाधिकारी बैठक का पहला प्रस्ताव ही देश के गौरव, सम्मान और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से जुड़े वंदे मातरम के सम्मान को समर्पित रहा। संजय सरावगी ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 19 अगस्त 2026 को पारित प्रस्ताव दुर्भाग्यपूर्ण है और भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि वंदे मातरम किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। यह पूरे राष्ट्र की भावना और स्वतंत्रता संग्राम की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा इसके स्वरूप और सम्मान को लेकर जिस तरह की राजनीति की जा रही है, वह देश को जोड़ने के बजाय विभाजन की मानसिकता को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है और देश संसद से पारित कानूनों के आधार पर चलता है, किसी राजनीतिक दल की कार्यसमिति के प्रस्तावों के आधार पर नहीं। संजय सरावगी ने कहा कि कोई व्यक्ति वंदे मातरम गाने के लिए बाध्य नहीं है, लेकिन इसके गायन में जानबूझकर बाधा उत्पन्न करने का अधिकार भी किसी को नहीं है। संविधान और कानून से ऊपर कोई परिवार, राजनीतिक दल अथवा संगठन नहीं हो सकता। संजय सरावगी ने कहा कि 15 अगस्त 2026 को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के दौरान सामने आई घटना ने कांग्रेस की सोच पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इसके बाद कांग्रेस की ओर से सफाई दी गई, लेकिन कुछ ही दिनों बाद कांग्रेस कार्यसमिति के फैसले ने उसकी वास्तविक मंशा को लेकर देश के सामने सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक बार फिर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के जरिए राष्ट्रीय भावनाओं को विभाजित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश की एकता और अखंडता से खिलवाड़ की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देगी। वंदे मातरम भारत माता के प्रति करोड़ों देशवासियों की श्रद्धा, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है तथा इसके सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा पूरी मजबूती से देश के साथ खड़ी है।

25 अगस्त को 144 अम्बेडकर कल्याण छात्रावासों में लगेगा विद्यार्थी सहयोग शिविर

- समस्या हो या सुझाव, विद्यार्थियों को मिलेगा समाधान का सीधा मंच

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। छात्रावास में पढ़ाई से जुड़ी परेशानी या रहने की व्यवस्था से संबंधित समस्या या फिर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने का कोई सुझाव हो, तो विद्यार्थियों को अब अपनी बात रखने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य सरकार ने ह्यसबका सम्मान, जीवन आसान निश्चय के तहत विद्यार्थियों की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके समाधान की व्यवस्था को और मजबूत किया है। इसी कड़ी में 25 अगस्त को राज्य के सभी 144 डॉ. अम्बेडकर कल्याण छात्रावासों में ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिससे राज्यभर के छात्रावासों को एक साझा मंच से जोड़ा जाएगा।

शिविर में छात्रावास स्तर पर मिलेगा सहयोग: विद्यार्थी सहयोग शिविर के दौरान सभी अम्बेडकर कल्याण छात्रावासों में छात्रावास समन्वयक-सह-प्रखंड कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। वे आवासित छात्र-छात्राओं की समस्याओं को दर्ज करेंगे और उन्हें अपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे। विद्यार्थियों को शैक्षणिक, व्यक्तिगत और छात्रावास से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ अपनी आवश्यकताओं एवं सुझावों को रखने का अवसर मिलेगा। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच संवाद को आसान और प्रभावी बनाना है। इससे छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों की वास्तविक समस्याएं सीधे सामने आ सकेंगी और उनके समाधान की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

समस्या के साथ सुझाव भी होंगे अहम: शिविर को केवल शिकायत दर्ज कराने का मंच नहीं बनाया गया है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई, छात्रावास की सुविधाओं, शैक्षणिक व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी दे सकेंगे। विद्यार्थियों के अनुभव और जरूरतों के आधार पर प्राप्त सुझावों का उपयोग व्यवस्था में सुधार के लिए किया जाएगा।

हर माह के चौथे मंगलवार को लगेगा शिविर: सरकार ने इसे एक दिन की पहल तक सीमित नहीं रखा है। विद्यार्थियों की समस्याओं की नियमित सुनवाई के लिए प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा। इससे शिकायतों और सुझावों की नियमित समीक्षा के साथ समाधान की प्रक्रिया को भी निरंतर आगे बढ़ाया जा सकेगा।

पोर्टल पर कभी भी दर्ज करा सकेंगे शिकायत: शिविर के अलावा विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिकायत और सुझाव दर्ज कराने की सुविधा भी दी गई है। छात्र-छात्राएं sahyog.bihar.gov.in पर जाकर अपनी शिकायत या शैक्षणिक सुझाव ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। शिविर अथवा शिकायत की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी के लिए विद्यार्थी निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1100 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

30 दिनों में शिकायत के निष्पादन की व्यवस्था: व्यवस्था की अहम विशेषता यह है कि शिकायत दर्ज होने के बाद उसके समाधान की समयसीमा भी तय की गई है। परिवाद दर्ज होने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा और आवेदक को लिखित रूप से इसकी सूचना दी जाएगी। इससे शिकायतों के निस्तारण में जवाबदेही, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

बिहार में लोक पर तंत्र हावी है, ये लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए ठीक नहीं : एजाज

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता एजाज अहमद ने कहा कि बिहार में बार-बार अधिकारी और पदाधिकारी से प्रोटोकॉल और नियम का पालन करने और जनप्रतिनिधियों सांसद, विधायक और पंचायती राज के प्रतिनिधियों के मान सम्मान के साथ उनके फोन और कार्यो में प्राथमिकता का ख्याल रखने के लिए राज्य सरकार के द्वारा पत्राचार किया जा रहा है , लेकिन फिर भी अधिकारी और पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों का सम्मान नहीं करते हैं। अब तो मनोबल इतना बढ़ गया है कि सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के बैठक में भी अधिकारी नहीं पहुंचते हैं । अभी हाल ही में मधुबनी जिला अधिकारी के द्वारा सांसद और विधायक को के साथ बैठक में भाग नहीं लेने के कारण बैठक को स्थगित करना पड़ा है। देश की आजादी के बाद पहली घटना है कि अधिकारी के नहीं पहुंचने के कारण बैठक को रद्द कर दिया जाता है। इससे ऐसा लगता है की बिहार में लोक पर तंत्र हावी हो गया है इस तरह की स्थिति से लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर होता है।

बिहार बनेगा पूर्वी भारत की आर्थिक प्रगति का इंजन : रूंगटा

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रुँगटा ने कहा कि बिहार अब अपने अतीत के गौरव से प्रेरणा लेकर भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की ओर बढ़ चला है। पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का इंजन के रूप में बिहार की भूमिका को मजबूत करने का लक्ष्य अब केवल राजनीतिक घोषणा भर नहीं है, बल्कि नई औद्योगिक नीति एवं नियमों में सुधार द्वारा इसे धरातल पर उतारने हेतु एक साथ कई कदम उठाएं गए हैं। बिहार में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नियम और प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया जा रहा है। जमीन से लेकर बिजली और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए उद्यमियों को अब भटकना नहीं होगा। एकल खिड़की प्रणाली एवं डिजिटल मंच से सभी समस्याओं का समाधान होगा।

तेजी से बढ़ती आबादी को देख शहरों का विस्तार करना जरूरी: मंत्री

- जनहित आधारित शहरी विकास के लिए पाटलिपुत्र टाउनशिप पर हितधारकों के साथ किया गया विचार-विमर्श

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के तत्वावधान में शनिवार को ऊर्जा ऑडिटोरियम में हितधारकों के साथ बैठक हुई। अध्यक्षता नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने की। इस मौके पर नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री मिश्रा ने कहा कि हमारे यहां शहर नहीं बढ़े। जब आबादी बढ़ गई तो शहरों का विकास शुरू हुआ। तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए शहरों का विस्तार करना आवश्यक हो गया है। आज शहरों का फैलाव करने की जरूरत है। तभी आने वाली पिढ़ी को राज्य में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उन्हें दूसरे राज्यों में जाने की नौबत नहीं आएगी। इसे देखते हुए राज्य में 12 नये ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप बसाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की सहमति के बिना उसकी जमीन नहीं ली जाएगी। समय-समय पर लोगों के बीच जाकर हम अपनी इस योजना को बताएंगे। अगर कोई प्रयास किया जा रहा है, तो उसमें सभी का सहयोग चाहिए। नगर विकास मंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के बारे में सभी को सोचना होगा। सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि आइए सभी लोग साथ मिलकर एक ऐसे बिहार का निर्माण करे, जो दूसरे राज्यों से बेहतर हो सके। वहीं नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव विनय कुमार ने कहा कि ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप केवल नया शहर बनाने की योजना ही नहीं है। यह बिहार के शहरों के भविष्य को आज से बेहतर तरीके से नियोजित करने का प्रयास है। इस भविष्य के निर्माण में भू-स्वामी, स्थानीय समुदाय, सरकार और अन्य हितधारक सभी महत्वपूर्ण भागीदार है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग की तरफ से पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकास योजना 2047 के प्रारूप को आमजनों एवं विभिन्न हितधारको से सुझाव एव आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित किया गया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और आर्थिक गतिविधियों के कारण बिहार के मौजूदा शहरों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ग्रीनफील्ड टाउनशिप इस दबाव को संतुलित करने के साथ-साथ नए आवास, रोजगार, निवेश और व्यवसाय के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। पाटलिपुत्र टाउनशिप जैसे नियोजित शहरी क्षेत्र पटना के विकास को नई दिशा देने और क्षेत्रीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की क्षमता रखते हैं। प्रधान सचिव ने कहा कि आज की योजना ही कल के बेहतर शहर की नीव है। बिहार में ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप की अवधारणा का उद्देश्य भविष्य के शहरी विकास को आज से ही योजनाबद्ध करना है। इसका लक्ष्य केवल नई इमारतें बनाना नहीं बल्कि ऐसे सम्पूर्ण, सुव्यवस्थित और आधुनिक शहरी क्षेत्र तैयार करना है जहां आवास, रोजगार, सड़क, सार्वजनिक परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार, पार्क, जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी और अन्य आवश्यक सुविधाएँ एक साथ विकसित हो सके। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टाउनशिप क्षेत्र में रहने वाले और भूमि रखने वाले लोग इस परिवर्तन के केवल दर्शक नहीं होगे, बल्कि सहभागी होंगे। पाटलिपुत्र टाउनशिप का प्रस्तावित क्षेत्र 9 प्रखंडों के 273 गांवों में विस्तृत है। इसमें पुनपुन, नौबतपुर, मसौढ़ी, फतुहा, सपतचक, पटना ग्रामीण, धनरुआ, दनियावां और फुलवारी प्रखंड के क्षेत्र शामिल है। विशेष क्षेत्र के अंतर्गत 2 शहरी क्षेत्र भी शामिल है- नौबतपुर नगर पंचायत (आंशिक) तथा पुनपुन नगर पंचायत (पूर्ण)।

पाटलिपुत्र टाउनशिप का कुल प्रस्तावित क्षेत्रफल लगभग 81,730 एकड़ है। इसके अंतर्गत 3.008 एकड क्षेत्रफल का कोर एरिया प्रस्तावित है, जिसमें पुनपुन प्रखंड के 19 गांव शामिल है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि टाउनशिप के विकास में विकास योजना, भूमि उपयोग योजना और टाउन प्लानिंग स्कीम महत्वपूर्ण आधार होंगे। भूमि पूलिंग, भूमि पुनर्संयोजन या अन्य लागू भूमि व्यवस्था के माध्यम से भू-स्वामियों को विकास प्रक्रिया में सहभागी बनाने का प्रयास किया जा सकता है। छोटे भू-स्वामियों, किसानों और स्थानीय समुदायों के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास को सहभागी और न्यायसंगत बनाना महत्वपूर्ण होगा। जहाँ आवश्यक हो, सहमति आधारित व्यवस्था या लागू कानून के अनुसार भूमि अर्जन की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है ।टाउनशिप में टीओडी (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट), सार्वजनिक परिवहन, पैदल एवं साइकिल सुविधाओं तथा मिश्रित और सतुलित भूमि उपयोग को बढ़ावा देकर बेहतर कनेक्टिविटी और कम वाहन-निर्भर विकास को प्रोत्साहित किया जा सकता है। साथ ही सेक्टर पार्क, सामुदायिक पार्क, हरित गलियारे, खेल क्षेत्र और जल निकायों के संरक्षण के माध्यम से पर्यावरण और जीवन-गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है। वहीं पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के प्रस्तावित विकास मॉडल पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा हितधारकों से प्राप्त सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभाग के सचिव संदीप कुमार आर पुडकलकट्टी, प्रबंध निदेशक-सह-सचिव अनिमेष कुमार पराशर, प्रबंध निदेशक बिहार राज्य आवास बोर्ड सह विशेष सचिव निलेश रामचन्द्र देवरे, नगर आयुक्त पटना नगर निगम यशपाल मीणा, विशेष सचिव नवल किशोर चौधरी, अपर सचिव मनोज कुमार समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. (डॉ.) शरद कुमार यादव के नेतृत्व में शिक्षा, शोध और नवाचार का नया केंद्र बन रहा आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना ने जनवरी 2024 से अब तक शिक्षा, शोध, नवाचार, कौशल विकास, डिजिटल गवर्नेंस और उद्योग-अकादमिक सहयोग के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। कुलपति प्रो. (डॉ.) शरद कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में नए स्कूलों, पाठ्यक्रमों और शोध केंद्रों की स्थापना के साथ विद्यार्थियों के लिए आधुनिक एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा का दायरा लगातार विस्तृत किया गया है। विश्वविद्यालय में सभी स्कूलों के शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए शैक्षणिक सलाहकार समिति का गठन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार, भूगोल, नदी अध्ययन, पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टेम सेल टेक्नोलॉजी, खगोल विज्ञान और दर्शनशास्त्र जैसे केंद्रों को स्कूल के रूप में विकसित कर पठन-पाठन एवं शोध कार्य शुरू किए गए। वहीं कानून एवं विधि विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन तथा शहरी नीति एवं सुशासन के लिए नए केंद्र स्थापित किए गए। शहरी नीति एवं सुशासन केंद्र बिहार में अपनी तरह की महत्वपूर्ण अकादमिक पहल के रूप में सामने आया है। उनके कार्यकाल में अकादमिक विस्तार के तहत नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी, नदी विज्ञान, जल संसाधन अभियांत्रिकी, जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग, अंतरिक्ष विज्ञान एवं खगोल विज्ञान, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, पत्रकारिता एवं संचार तथा भूगोल में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए गए। फिल्म निर्माण, फोटोग्राफी, डिजिटल एवं ऑनलाइन पत्रकारिता, मीडिया लेखन तथा स्टेम सेल जीवविज्ञान एवं पुनयोर्जी चिकित्सा जैसे रोजगार एवं शोध आधारित पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हुए। नैनोसाइंस के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण पेटेंट प्रकाशन विश्वविद्यालय की शोध क्षमता को रेखांकित करते हैं। डॉ. यादव की अगुवाई में विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों को लागू करते हुए पाठ्यक्रमों को अद्यतन किया है। शोध को संस्थागत मजबूती देने के लिए रिसर्च कंसोर्टियम का गठन, इनक्यूबेशन सेंटर और प्लेसमेंट सेल की स्थापना तथा आधुनिक केंद्रीय पुस्तकालय और आईटी सेल का विकास किया गया। डिजिटल परिवर्तन की दिशा में समर्थ प्रणाली के माध्यम से ई-गवर्नेंस को भी बढ़ावा दिया गया है। अकादमिक और परीक्षा कैलेंडर तैयार करने के साथ गुणवत्ता आश्वासन एवं संस्थागत बेंचमार्किंग में भी प्रगति दर्ज की गई है। कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय का फोकस अब शिक्षा को शोध, कौशल, तकनीक, उद्योग और समाज की जरूरतों से जोड़ने पर है। साइबर सुरक्षा, सामाजिक व्यवहार परिवर्तन, शहरी नीति, अंतरिक्ष विज्ञान, स्टेम सेल, नैनोटेक्नोलॉजी और डिजिटल मीडिया जैसे क्षेत्रों में नई पहलें विश्वविद्यालय को पारंपरिक शिक्षा संस्थान से आगे बढ़ाकर शोध एवं नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीजेएम ने बोचहां थाना अध्यक्ष पर जारी किया कारण बताओ नोटिस

मुजफ्फरपुर। बोचहां थाना क्षेत्र अंतर्गत करणपुर निवासी ग्रीन आहार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक से सरल कुमार द्वारा रंगदारी मांगने का लिखित शिकायत बोचहां थाना को देने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई तो परिवादी ने इसकी लिखित जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरपुर को दिया उसके बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई तो परिवादी सीजेएम कोर्ट में परिवाद पत्र दाखिल किया सीजेएम द्वारा प्रस्तुत बाद में दिनांक 23 जुलाई को थानाध्यक्ष से प्रतिवेदन की मांग की गई, परंतु थाना अध्यक्ष ने प्रतिवेदन समर्पित नहीं किया। तत्पश्चात थानाध्यक्ष को पुनः 3 अगस्त को पत्र के माध्यम से प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु स्मार पत्र भेजा गया। इसके बावजूद भी स्मार पत्र का जवाब दाखिल नहीं हुआ। इसके बाद सीजेएम ने बोचहां थाना अध्यक्ष से उक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आलोक में कारण पृच्छा किया है। उन्होंने पूछा है कि क्यों और किन परिस्थितियों में न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं किया।

दुष्कर्म का आरोपी योग शिक्षक चंदन बाबा फरार, स्कूल में भेजा अनिश्चितकालीन छुट्टी का आवेदन

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत संचालित मध्य विद्यालय शाहपुर बसौना में कार्यरत योग शिक्षक चंदन कुमार राय उर्फ चंदन बाबा दुष्कर्म का आरोप लगने के बाद से फरार हो गए हैं। आरोपी शिक्षक ने प्रधानाध्यापक को अनिश्चितकालीन और अवैतनिक अवकाश का आवेदन भेजा है मिली जानकारी के अनुसार, चंदन बाबा 19 और 20 अगस्त को आकस्मिक अवकाश लेकर स्कूल से गायब थे। इसके बाद 21 अगस्त को उन्होंने स्कूल न आकर सीधे अनिश्चितकालीन छुट्टी का आवेदन भिजवा दिया और फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

लीची आकृति मेंहदी प्रतियोगिता संपन्न

मुजफ्फरपुर। स्थानीय पताही स्थित बाड़ी पोखरा शिव मंदिर परिसर में शनिवार को सावन के शुभ अवसर पर लीचीपुरम शुभ संवाद एवं नवोदय आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लीची आकृति मेंहदी प्रतियोगिता, ड्रेस प्रतियोगिता, सुई-धागा प्रतियोगिता, म्यूजिकल बैलून एवं म्यूजिकल चेयर सहित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगभग 75 महिलाओं एवं बालिकाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पर्यावरणविद् सुरेश गुप्ता, शिक्षिका रंजना झा, बंदना झा एवं हेमा झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर लीचीपुरम अनहद शुभ संवाद के अध्यक्ष एवं पर्यावरणविद् सुरेश गुप्ता ने लीची के वृक्षों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों से लीची के पेड़ों को बचाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए मोमेंटो, प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुरेश गुप्ता, बंदना झा, हेमा झा, श्वेता श्रीवास्तव, मोनिता प्रसाद, रागिनी कुमारी, ममता, कविता झा, खुशी, अनन्या, कंचन, रानी एवं मुस्कान केसरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

दुष्कर्म के दोषी को दस वर्ष सश्रम कारावास

दरभंगा। सिविल कोर्ट दरभंगा के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार की अदालत ने सकतपुर थाना क्षेत्र के बैका निवासी मो. हमीदुल के पुत्र मो. सरताज को दुष्कर्म के मामले में दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 75 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर उसे तीन वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे एपीपी चमक लाल पंडित ने बताया कि अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद गत 19 अगस्त को अभियुक्त को भादवि की धारा 376 के तहत दोषी करार देते हुए उसका बंधपत्र रद्द कर जेल भेज दिया था। शनिवार को सजा की अवधि निर्धारण के बिंदु पर अभियोजन एवं बचाव पक्ष की बहस सुनने तथा अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्यों के गहन परिशीलन के बाद अदालत ने सजा सुनाई। बचाव पक्ष ने अभियुक्त की कम उम्र का हवाला देते हुए न्यूनतम सजा देने की अपील की। वहीं अभियोजन पक्ष ने अपराध को सामाजिक अपराध बताते हुए अधिकतम सजा देने की मांग की लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि 28 मार्च 2022 को अभियुक्त ने एक महिला को भय दिखाकर जबरन उठाकर घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में सकतपुर थाना कांड संख्या 22/22 दर्ज हुआ था। सत्रवाद संख्या 349/22 में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आईओ ने।

दरभंगा में 10 करोड़ के आईटी पार्क से युवाओं के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

सांसद डॉ . गोपाल जी ठाकुर ने बेंगलुरु में आईटी उद्यमियों से की महत्वपूर्ण बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विस्तार के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और नए उद्यम के अवसर बढ़ाने की दिशा में पहल तेज हो गई है। दरभंगा में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से आईटी पार्क का निर्माण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसी क्रम में स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने शनिवार को बेंगलुरु स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) कार्यालय में आईटी एवं नवाचार क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में एसटीपीआई बेंगलुरु के निदेशक महादेश वी., वैज्ञानिक-एफ त्रिवेणी एन.डी., अपर निदेशक अमित अरोड़ा, उपनिदेशक कुप्पुराज तथा एसटीपीआई दरभंगा के तकनीकी अधिकारी गौतम कुमार उपस्थित रहे। सांसद ने उद्यमियों को दरभंगा एसटीपीआई में अपनी शाखा अथवा कार्यालय स्थापित करने और स्टार्टअप शुरू करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु की तकनीकी क्षमता और दरभंगा की युवा प्रतिभा का समन्वय मिथिला में रोजगार सृजन के लिए वरदान साबित हो सकता है। डॉ. ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहल युवाओं को नए अवसर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि दरभंगा को मिथिला का प्रमुख आईटी एवं नवाचार केंद्र बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभिन्न आईटी कंपनियों के प्रतिनिधियों को दरभंगा एसटीपीआई का भ्रमण कर वहां अपनी शाखा खोलने का आग्रह किया तथा भारत और बिहार सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

विद्यार्थियों व अभिभावकों से अनुचित राशि की वसूली किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं : ईश्वर मंडल

● एसएलसी और नामांकन के नाम पर राशि वसूली की शिकायत पर विधायक ने किया औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी (दरभंगा)। प्रखंड के मध्य विद्यालय पठान कबई में एसएलसी देने एवं नामांकन के नाम पर विद्यार्थियों और अभिभावकों से राशि वसूले जाने की शिकायत पर स्थानीय विधायक राजेश कुमार मंडल उर्फ ईश्वर मंडल ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने विधायक से शिकायत की थी कि एसएलसी एवं नामांकन के नाम पर 500 से लेकर 1,000 और 2,000 रुपये तक की राशि मांगी जा रही है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने विद्यालय पहुंचकर परिसर, पठन-पाठन की व्यवस्था, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति तथा नामांकन और एसएलसी से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी ली। हालांकि, विद्यालय में दो पालियों में कक्षाएं संचालित होने के कारण मध्य विद्यालय की छुट्टी हो चुकी थी, जबकि माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे। ग्रामीणों और अभिभावकों ने विधायक को बताया कि एसएलसी प्राप्त करने एवं नामांकन के लिए कथित रूप से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि की मांग की जा रही है। इस पर विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अनुचित राशि की वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप सुविधाएं मिलना उनका अधिकार है। शिकायत सही पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने विद्यालय प्रबंधन को सभी कार्य पारदर्शी तरीके से निर्धारित नियमों के अनुरूप करने तथा छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को अनावश्यक परेशानी नहीं होने देने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति से अवगत कराने एवं आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा। विधायक के औचक निरीक्षण से विद्यालय परिसर में हलचल रही। वहीं, शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेकर विद्यालय पहुंचने पर छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने विधायक के प्रति आभार जताया।

डीबीकेएन कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया बीएड संभाग का 15वां स्थापना दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड स्थित डीबीकेएन कॉलेज के बीएड संभाग का 15वां स्थापना दिवस समारोह के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य प्रो. आदित्य चंद्र झा के नेतृत्व एवं विभागाध्यक्षा डॉ. कनकलता सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, स्वागत गीत और देशभक्ति गीतों से हुई ।समारोह में प्रभारी प्राचार्य डॉ. शशि शेखर द्विवेदी ने छात्रों को उत्प्रेरक संदेश दिया। वरिष्ठ शिक्षक प्रो. सुशील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से जीवन जीने की कला सीखने और अपनी मुकम्मल पहचान बनाने का आह्वान किया। डॉ. मोनिका कुमारी ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजय कुमार ने किया। मौके पर डॉ. लता सिंह, डॉ. अविनाश, डॉ. केशव, पंकज कुमार, दिलीप कुमार, संजय कुमार सहित गुलशन, स्वाति, राजा, अनुपम, रूपा, अभिनव, राहुल और अंजलि समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व कर्मी उपस्थित थे। प्रधानाचार्य प्रो. झा ने सभी के प्रति आभार जताते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पंचायत व बैंक के बेहतर समन्वय से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति

बिहार ग्रामीण बैंक के समन्वय सम्मेलन में 205 पंचायतों के मुखिया व 16 प्रखंडों के प्रमुख हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय दरभंगा की ओर से सशक्त पंचायती राज व्यवस्था, सुदृढ़ बिहार विषय पर समन्वय सम्मेलन का आयोजन लहेरियासराय स्टेडियम, दरभंगा में किया गया। सम्मेलन में दरभंगा जिले की कुल 205 पंचायतों के मुखिया एवं उनके प्रतिनिधियों के साथ 16 प्रखंडों के प्रमुखों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं एवं बैंक के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, ग्रामीण विकास को गति देना तथा ग्रामीण जनता तक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय दरभंगा के क्षेत्रीय प्रबंधक दिवाकर कुमार ने की। कार्यक्रम में नाबार्ड की डीडीएम राजनंदनी, दरभंगा मुखिया संघ के अध्यक्ष राजीव कुमार चौधरी तथा बिहार ग्रामीणक्षेत्री क्षेत्रीय प्रबंधक रोहित राज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।सम्मेलन में पंचायती राज संस्थाओं एवं बैंक के बीच समन्वय मजबूत करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वित्तीय समावेशन, कृषि एवं रोजगार, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण उद्यमिता, सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा पात्र लाभुकों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। विभिन्न प्रखंडों से आए मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं, समस्याओं और सुझावों को बैंक अधिकारियों के समक्ष रखा। बैंक अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में बैंक की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। अपने अध्यक्षीय संबोधन में क्षेत्रीय प्रबंधक दिवाकर कुमार ने कहा कि पंचायत और बैंक के बीच बेहतर समन्वय ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान कर सकता है। उन्होंने समन्वय, सहयोग और सहभागिता को सशक्त पंचायत एवं समृद्ध बिहार के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया. मंच संचालन शाखा प्रबंधक, निमैठी शाखा की मेघा झा ने प्रभावी ढंग से किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अखिलेश आनंद, प्रेम कुमारी, प्रकाश कुमार शर्मा, रितेश कुमार, काजल कुमारी, रंजीत कुमार, अशोक कुमार यादव, विकास रंजन, संजीव कुमार, प्रणव कुमार, शंकर कुमार दास, रघुनाथ कुमार ठाकुर, मनीष कुमार, नरेंद्र मोहन, सुजीत कुमार दास, अमरेश कुमार एवं अनमोल प्रिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीड बॉल से हरित भविष्य की ओर बढ़े कदम स्कूली बच्चों ने निकाली हरित यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। श्री रामजी झा स्मारक आदर्श उच्च विद्यालय चकहबीब के इको क्लब द्वारा प्रधानाध्यापक रत्नेश कुमार के नेतृत्व में पोषक क्षेत्र में हरित यात्रा निकाली गई। इसका उद्देश्य बच्चों और समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने खाली स्थानों पर खुद से तैयार किए गए सैकड़ों सीड बॉल डाले, ताकि वर्षा ऋतु में वे अंकुरित होकर क्षेत्र को हरा-भरा बना सकें। इको क्लब के नोडल शिक्षक मुकेश कुमार झा और राज्य स्तरीय प्रशिक्षक मंगलेश कुमार ने इसे प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी सिखाने वाली एक व्यावहारिक पहल बताया। अभियान को सफल बनाने में शिक्षक गौतम बिहारी, राजू रमन बिहारी, पंकज कुमार, अमरजीत कुमार, राजीव रजक और विजय कुमार ने मुख्य योगदान दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की। प्रधानाध्यापक रत्नेश कुमार ने संदेश दिया कि प्रकृति की रक्षा हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

212 .7 लीटर शराब के साथ दो शराब कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। गुप्त सूचना पर मनीगाछी थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के चनौर बुढ़िया गाछी में छापेमारी कर 212.7 लीटर शराब के साथ दो शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। उक्त जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की चनौर गाँव स्थित बुढ़िया गाछी में भारी मात्रा में शराब का खेप उतरा है। सूचना उपरांत उक्त स्थान पर त्वरित छापेमारी की गई। पुलिस को देखकर शराब कारोबारी भागने लगे ।पुलिस के जबान ने दोनों को खदेड़ कर पकड़ा और उनके निशानदेही पर उक्त गाछी से 3 प्लास्टिक के बोरा में रखा शराब बरामद किया गया। बोरा में नेपाली मामाश्री शराब का 300 एम एल का बोतल भड़ा हुआ था ।जिसकी कुल मात्रा 212.7 लीटर था। गिरफ्तार शराब कारोबारी भंडारिसम पंचायत के जलेगर गाँव निवासी विजय यादव के पुत्र बरूण यादव एवं रामबाबू यादव के पुत्र अमरेश यादव है ।गिरफ्तार दोनों शराब कारोबारी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के बेलसंडी तारा वार्ड 6 फुलवरिया में एक 40 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत हो गई। मृतक शिवन सहनी का पुत्र मनोज सहनी बताया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मनोज सहनी कई वर्षों से कुल्फी आइसक्रीम बेचता था। शुक्रवार को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद शुक्रवार की संध्या उनकी पत्नी चांदनी देवी अपनी मायका रोसड़ा चली गई। रात्रि में मनोज का संदिग्ध मौत हो गया। वहीं चर्चा है कि मनोज की मौत विद्युत स्पर्शाघात से हुई है। मनोज के मौत के बाद उनकी मां सुदामा देवी सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था ।बता दें कि मृतक मनोज के दो पुत्र बजरंगी व शिवराज तथा दो पुत्री ज्योति व संजना है। वहीं विभूतिपुर थाना अध्यक्ष सुनील कुमार झा ने मनोज की मौत का कारण करंट लगने से होना बताया।

जयनगर में एआईएलयू का प्रथम सम्मेलन सम्पन्न अधिवक्ताओं के हित में संघर्ष का संकल्प

मधुबनी। जयनगर ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन (एआईएलयू) जयनगर इकाई का प्रथम सम्मेलन अधिवक्ता पवित्र नारायण झा नगर, वकालतखाना जयनगर में वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. वीरेन्द्र झा की अध्यक्षता तथा अधिवक्ता कुमार राणा प्रताप सिंह के संचालन में सम्पन्न हुआ ।सम्मेलन की शुरूआत बिहार राज्य कमिटी सदस्य एवं पर्यवेक्षक राम नरेश यादव द्वारा अधिवक्ता पवित्र नारायण झा के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद उपस्थित सभी अधिवक्ताओं ने तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।सम्मेलन का उद्घाटन राम नरेश यादव ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एआईएलयू का संगठन पूरे देश में सक्रिय है और यह संगठन अधिवक्ताओ के अधिकार एवं हितो के लिए निरंतर संघर्ष करता रहा है। उन्होंने अधिवक्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने तथा उनके अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया ।सम्मेलन को संबोधित करते हुए अधिवक्ता दिनेश कुमार पूर्वे, चन्देश्वर प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह एवं मिथिलेश कुमार ने अधिवक्ताओं की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर अपने विचार रखे ।इस अवसर पर अधिवक्ता कृष्ण कुमार सिंह, कमल प्रसाद धिमरे, रामसुख नायक, प्रीत लाल पासवान, संतोष कुमार मंडल, संतोष कुमार चौधरी, सुमित कुमार झा, मिथिलेश कुमार पासवान, सुमन कुमार सिंह, उमेश पूर्वे सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे ।सम्मेलन में अधिवक्ताओं के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इनमें अनुमंडलीय सिविल कोर्ट की अविलंब स्थापना के लिए एआईएलयू द्वारा संघर्ष शुरू करना, अधिवक्ताओं के आश्रितों को 50 लाख रुपये का मृत्यु क्लेम देने, पेंशन योजना लागू करने तथा अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू करने की मांग प्रमुख रही ।सम्मेलन के दौरान एआईएलयू जयनगर इकाई की नई कमिटी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता कुमार राणा प्रताप सिंह, सचिव पद पर अधिवक्ता मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष पद पर अधिवक्ता सुमित कुमार झा, उपाध्यक्ष पद पर अधिवक्ता ज्योति भारती तथा संयुक्त सचिव पद पर संतोष कुमार मंडल को निर्वाचित किया गया ।नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन के माध्यम से निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

मिशन गरिमा के तहत मासिक धर्म जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। महिलाओं एवं किशोरियो को स्वच्छता, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत देखभाल के प्रति किया गया जागरूकसारंग संस्था की ओर से मिशन गरिमा के तहत मासिक धर्म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिले के विभिन्न स्थानों पर किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व रेणु देवी, प्रवीण झा एवं अभिषेक ठाकुर ने किया। इस दौरान महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। सारंग संस्था की संस्थापिका सह बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग की ऑडिट ऑफिसर रानी राज ने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं के जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन आज भी समाज में इससे जुड़ी कई भ्रांतियां और झिझक मौजूद है। मिशन गरिमा का उद्देश्य महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना तथा सम्मान के साथ स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि सारंग संस्था आगे भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित करती रहेगी। वही, रेणु देवी ने कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वच्छता का विषय नहीं, बल्कि महिला स्वास्थ्य और गरिमा से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। महिलाओं और किशोरियों को इस विषय पर सही जानकारी देकर कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओ से बचाया जा सकता है ।कार्यक्रम में मनीषा कुमारी, प्रीति कुमारी, रिंकी कुमारी, राधा कुमारी, ज्योति कुमारी, खुशबू कुमारी, प्रियंका कुमारी, रेणु देवी, रेखा देवी, निर्मला देवी, सोनी देवी, कंचन देवी, ऊषा देवी एवं संजू देवी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

मुसहर टोला में महादलित परिवारों की बैठक

मधुबनी। जयनगर भूमि अधिकार अभियान के तहत जयनगर प्रखंड की पड़वा बेल्ही पंचायत के रमणा- लिखि याही स्थित मुसहर टोला के आम बगीचा में शनिवार को महादलित परिवारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिनिता देवी सदाय ने की। इसमें मुसहर एवं मोची समुदाय के दर्जनों परिवार शामिल हुए ।बैठक में बासभूमि उपलब्ध कराने, सामूहिक शौचालय एवं श्मशानघाट का निर्माण कराने तथा बच्चों और युवाओं के लिए खेल मैदान उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इन मांगों को लेकर भाकपा-माले के नेतृत्व में चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया ।बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा-माले जयनगर के प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने कहा कि आजादी के दशकों बाद भी महादलित परिवार बुनियादी सुविधाओं और सम्मानजनक जीवन के अधिकार से वंचित हैं। मुसहर एवं मोची समुदाय के कई परिवारों के पास रहने के लिए अपनी बासभूमि तक नहीं है। शौचालय, अंतिम संस्कार के लिए निर्धारित श्मशानघाट तथा बच्चों एवं युवाओं के लिए खेल मैदान जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नही हैं ।उन्होने कहा कि बासभूमि के अभाव में गरीब परिवारों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवार खुले में शौच करने को मजबूर हैं, जिससे आसपास के भूस्वामियों के साथ विवाद की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। वहीं, किसी परिवार में मृत्यु होने पर शव के अंतिम संस्कार के लिए निर्धारित स्थान नहीं होने के कारण भी परेशानी और विवाद का सामना करना पड़ता है ।भूषण सिंह ने कहा कि अभियान बसेरा योजना के तहत दर्जनों महादलित परिवारो ने बासभूमि के लिए सहयोग पोर्टल पर आवेदन किया है, लेकिन अब तक उन्हें बासभूमि उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंचल प्रशासन की उदासीनता के कारण गरीब एवं भूमिहीन परिवारों में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से पात्र परिवारों के आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई कर बासभूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी करने की मांग की।

एसएसबी की सतर्कता से नाबालिग बालिका सुरक्षित, नेपाल जाने का प्रयास विफल

महिनाथ पुर चेक पोस्ट पर जांच के दौरान युवक के साथ जा रही 17 वर्षीय बालिका को रोका गया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एवं निगरानी के दौरान 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर के जवानों ने महिनाथ पुर चेक पोस्ट पर एक युवक के साथ नेपाल जाने का प्रयास कर रही 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को सुरक्षित रोक लिया ।जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को करीब शाम 5 बजे महिनाथ पुर चेक पोस्ट (सिमराही सीमा चौकी) पर नियमित जांच के दौरान एसएसबी जवानों ने भारत से नेपाल की ओर जा रहे एक युवक और एक युवती को संदेह के आधार पर रोककर पूछताछ की। पूछताछ में युवक की उम्र 20 वर्ष और युवती की उम्र 17 वर्ष पाई गई ।पूछताछ में दोनों के कर्नाटक राज्य के निवासी होने की जानकारी मिली। नाबालिग बालिका अपने परिजनों को बिना बताए युवक के साथ घर से निकली थी और दोनों नेपाल जाने का प्रयास कर रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसबी जवानों ने तत्काल बालिका के परिजनों से संपर्क किया ।परिजनों ने बताया कि बालिका के बिना बताए घर से चले जाने के संबंध में अमृताहल्ली थाना, नॉर्थ-ईस्ट डिवीजन, बेंगलुरु सिटी में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद एसएसबी ने संबंधित पुलिस थाना से संपर्क कर मामले की जानकारी साझा की और आवश्यक समन्वय स्थापित किया। संबंधित पुलिसकर्मियों के पहुंचने के बाद आवश्यक वैधानिक एवं कागजी कार्रवाई पूरी कर युवक और नाबालिग बालिका को संबंधित पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा ।नगों एवं महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष नजर48वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी द्वारा विशेष रूप से नाबालिगों एवं महिलाओं की सुरक्षा तथा मानव तस्करी जैसी गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार सतर्कता बरती जा रही है। सीमा चौकियों एवं गश्ती दलों द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाती है ।उन्होने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर एसएसबी तत्काल संबंधित प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करती है। कमांडेंट ने जवानों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ मानव सुरक्षा एवं संरक्षण भी एसएसबी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

भारतीय संस्कृति गौरव महोत्सव में ज्योतिषरत्न डॉ. गौतम ऋषि ने दिया संस्कार, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण का संदेश

मधुबनी। भारतीय संस्कृति संस्कार राष्ट्रचेतना एवं ज्योतिषीय ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से ऋचा श्री सेवा संकल्प वेलफेयर सोसायटी, इंदौर एवं श्री प्रज्ञान गुरुकुलम् के संयुक्त तत्वावधान में गांधी हॉल में भारतीय संस्कृति गौरव महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में ज्योतिष सम्मेलन युवा हुंकार टॉक शो तथा भारतीय परिधान–हमारी पहचान हमारी संस्कृति, हमारा सम्मान विषय पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए ।कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य एवं ज्योतिषरत्न गुरुजी डॉ. गौतम ऋषि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. गौतम ऋषि अखिल भारतीय गुरुकुल एवं गौशाला अनुसंधान संस्थान के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वे ज्योतिष, भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, सामाजिक जागरण एवं राष्ट्रनिर्माण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे है ।अपने संबोधन में डॉ. गौतम ऋषि ने कहा कि ज्योतिष केवल भविष्य बताने की विद्या नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है।

भारत-नेपाल सीमा पर 135 लीटर नेपाली शराब जब्त, नाबालिग हिरासत में

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के जी समवाय जानकीनगर की टीम ने कार्रवाई करते हुए 135 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान एक 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में लिया गया। शराब के परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात करीब 9:20 बजे भंडार चौक के पास सीमा स्तंभ संख्या 277/1 से लगभग 500 मीटर भारतीय क्षेत्र में कंपनी आसूचना के आधार पर विशेष नाका लगाया गया था। इसी दौरान नेपाल की ओर से भारत की तरफ आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को जवानो ने रोककर उसकी तलाशी ली ।तलाशी के दौरान दिलवाले सोफी की 450 बोतलें बरामद की गई। प्रत्येक बोतल में 300 मिलीलीटर शराब थी। इस प्रकार कुल 135 लीटर नेपाली शराब बरामद हुई। शराब के परिवहन में प्रयुक्त हीरो सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया ।पकड़ा गया नाबालिग बासोपट्टी थाना क्षेत्र के छतौनी गांव का रहने वाला बताया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह शराब नेपाल से एक व्यक्ति से लेकर आया था। शराब को बासोपट्टी के निकट कहुआ गांव में टावर के पास पहुंचाना था, जहां से एक अन्य व्यक्ति द्वारा शराब और मोटरसाइकिल लेने की बात सामने आई है ।बरामद शराब, मोटरसाइकिल और नाबालिग को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए बासोपट्टी थाना को सुपुर्द करने की प्रक्रिया की जा रही है ।48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी रोकने के लिए लगातार सतर्कता और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। सीमा क्षेत्र में आसूचना तंत्र को मजबूत करते हुए गश्ती और नाका के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियो पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ।उन्होने कार्रवाई में शामिल जवानो की सतर्कता और तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा के साथ सीमावर्ती क्षेत्र को तस्करी मुक्त रखना सशस्त्र सीमा बल की प्राथमिकता है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, रविवार, 23 अगस्त, 2026

चौथी सोमवारी को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम ने खुद लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेला की चौथी सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम जलाभिषेक को लेकर जिलाधिकारी ने खुद विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि कांवड़ियों की संख्या कम हो या ज्यादा, सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। चौथी सोमवारी के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा प्रस्तावित है। इसे लेकर प्रशासन ने पुष्प वर्षा के दौरान ड्रोन कैमरा उड़ाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके अलावा पुष्प वर्षा वाले इलाकों के आसपास यदि किसी के घर या प्रतिष्ठान में पक्षी पाले जाते हैं, तो संबंधित लोगों से उन्हें पिंजरे में रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि हेलीकॉप्टर संचालन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने बिजली विभाग को भी विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। सुबह से ही बिजली के एक-एक पोल और तार का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कहीं खुला, कटा या जर्जर तार न हो। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि पुष्प वर्षा के दौरान किसी जनरेटर को लाइन बिजली के मार्ग को क्रॉस न करे। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य चौथी सोमवारी के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकना है। डीएम ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से पालन करने का निर्देश दिया है।

एलुमनाई मीट में जीविका दीदियों ने साझा किए अपने अनुभव

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गोबरसही स्थित संगम सीएलएफ में जीविका की एलुमनाई दीदियों की प्रेरणादायक बैठक आयोजित की गयी। इसमें मुशहरी, सकरा, कांटी, मड़वन, बोचहां, मोतीपुर, बंदरा और सरैया समेत विभिन्न क्षेत्रों की जीविका दीदियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सेकंड चांस कार्यक्रम से जुड़ी पुरानी छात्राओं के साथ नये सत्र 2026-27 में दसवीं की पढ़ाई शुरू करने वाली न्यू मोबीलाइज्ड दीदियां भी शामिल हुईं। बैठक के दौरान प्रत्येक दीदी ने सेकंड चांस कार्यक्रम से जुड़ने के बाद मिले अवसर और अपने अनुभव साझा किए। 2023-24 बैच की आशा दीदी ने बताया कि उम्र और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद उन्होंने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से मेहनत कर दसवीं की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने कहा कि परिवार और अन्य जिम्मेदारियों के बीच पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था, लेकिन सेकंड चांस कार्यक्रम ने उन्हें दोबारा शिक्षा से जुड़ने का अवसर दिया। उन्होंने इस पहल को अपने लिए वरदान बताते हुए जीविका और सेकंड चांस टीम के सहयोग के प्रति आभार जताया। वहीं किरण ने अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि सेकंड चांस कार्यक्रम से जुड़ने के बाद उन्होंने प्रथम श्रेणी से दसवीं की परीक्षा पास की। इसके बाद पढ़ाई जारी रखते हुए 12वीं की परीक्षा भी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। उनकी सफलता बैठक में शामिल अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और लगातार सहयोग मिलने से उम्र या पारिवारिक जिम्मेदारियां शिक्षा के रास्ते में स्थायी बाधा नहीं बन सकतीं। बैठक में नये सत्र में सेकंड चांस कार्यक्रम से जुड़ने वाली महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और पुरानी छात्राओं से प्रेरणा ली। कार्यक्रम में शिक्षक संजय कुमार, दिनेश कुमार और यामिनी मौजूद रहे। सभी दीदियों ने सेकंड चांस कार्यक्रम के शिक्षण कौशल, सहयोग और महिलाओं को दोबारा शिक्षा से जोड़ने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को अधूरी पढ़ाई पूरी करने के साथ आत्मविश्वास हासिल करने और जीवन में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

चांदी की ट्रेंडी और डिजाइनर राखियां बनीं पहली पसंद, 1000 रुपये से शुरू कीमत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रक्षाबंधन का पावन त्योहार नजदीक आते ही मुजफ्फरपुर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। इस बार बहनों के बीच भाइयों की कलाई सजाने के लिए साधारण धागे वाली राखियों के बजाय चांदी की राखियों का क्रेज देखने को मिल रहा है। शहर के आभूषण बाजारों में चांदी की ट्रेंडी, स्टाइलिश और डिजाइनर राखियों की कई वैरायटी उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। हिंदू धर्म में चांदी को शुभ और पवित्र धातु माना जाता है। ऐसे में कई लोग चांदी की राखी को केवल रक्षाबंधन के प्रतीक के तौर पर नहीं, बल्कि भाई-बहन के प्रेम की यादगार और कीमती निशानी के रूप में भी देख रहे हैं। धागे वाली राखियों की तुलना में चांदी की राखी लंबे समय तक सुरक्षित रहती है और बाद में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। युवाओं में कड़ा और ब्रेसलेट पहनने के बढ़ते चलन को देखते हुए बाजार में सिल्वर ब्रेसलेट राखियों की भी खूब मांग है। बहनें भाइयों के लिए ब्रेसलेट स्टाइल वाली चांदी की राखियां पसंद कर रही हैं। वहीं बच्चों के लिए फूल, कार्टून, बटरफ्लाई समेत कई आकर्षक डिजाइनों की राखियां उपलब्ध हैं। स्टर्लिंग सिल्वर में प्लैटिनम जैसा चमकदार लुक भी युवाओं को खासा पसंद आ रहा है। कम बजट वाले ग्राहकों के लिए भी बाजार में कई विकल्प मौजूद हैं। चांदी की पूरी लड़ी वाली राखियों के अलावा चांदी के पेंडेंट वाली राखियां भी लोगों को पसंद आ रही हैं। इन पेंडेंट्स को लाल रंग के पवित्र सूती धागे में पिरोकर तैयार किया गया है। इन राखियों की शुरूआती कीमत करीब 1000 से 1200 रुपये के बीच बताई जा रही है। शहर के सरार्फा व्यवसायी राजन कुमार और मयंक कुमार ने बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों में चांदी की राखियों की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इस बार चांदी की कीमतों में तेजी का असर बिक्री पर भी पड़ा है। व्यापारियों को जितनी बिक्री की उम्मीद थी, फिलहाल उतना रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसके बावजूद ग्राहक बाजार पहुंच रहे हैं और अपनी पसंद तथा बजट के अनुसार चांदी की राखियों की खरीदारी कर रहे हैं।

विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन 25 अगस्त से प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को

मुजफ्फरपुर। राज्य सरकार के आदेश के आलोक में विद्यार्थियों की शिकायतों एवं समस्याओं के प्रभावी समाधान हेतु विद्यार्थी सहयोग शिविरह्न का आयोजन दिनांक 25 अगस्त से प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को किया जाना है। चतुर्थ मंगलवार को अवकाश रहने पर यह शिविर अगले कार्य दिवस को आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा विद्यार्थी सहयोग शिविर कार्यक्रम हेतु रोस्टर का निर्धारण किया गया है। साथ ही शिविरों के सफल आयोजन के लिए वरीय प्रभारी पदाधिकारियों, नोडल पदाधिकारियों एवं प्रभारी पदाधिकारियों को भी प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सीधे अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों को रखने का अवसर प्रदान करने और उसके निदान हेतु राज्य सरकार सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में विद्यार्थियों की शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए सात निश्चय-3 के अधीन सबका सम्मान, जीवन आसान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन सरकारी शैक्षणिक संस्थानों जैसे विश्वविद्यालयों, अंगीभूत महाविद्यालयों, अभियंत्रण महाविद्यालयों, चिकित्सा महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई, पारामेडिकल कॉलेज, नर्सिंग स्कूल, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के छात्रावासों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के छात्रावासों, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के छात्रावासों, कस्तूरबा गांधी छात्रावासों एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेत्रहीन,मूकबधिर विद्यालयों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ह्यविद्यार्थी सहयोग पोर्टलह्न की शुरूआत की गई है। इस पोर्टल के माध्यम से छात्र-छात्राएं अपनी शिकायतें ऑनलाइन या टॉल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1100 पर दर्ज करा सकेंगे। प्राप्त सभी शिकायतों का निष्पादन अंतिम रूप से 30 दिन में किया जाएगा।

स्कूल कम्प्लेक्स, कदम प्रोग्राम पर उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रामबाग में स्कूल काम्प्लेक्स और कदम प्रोग्राम के ऊपर एक दिवसीय उन्मुखीकरन कार्यक्रम का आयोजन ह्यूमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया द्वारा किया गया। इसमें मुशहरि प्रखंड के प्रहलादपुर और दीघरां पंचायत के 9 विद्यालयों के प्रधान शिक्षक और अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल काम्प्लेक्स के बारे में अध्यापक को अवगत कराना तथा उनके विद्यालयों में ह्यूमाना द्वारा संचालित कदम कार्यक्रम को संचालित करने के तरीके, कदम कार्यक्रम का उद्देश्य , कदम की पुस्तकें तथा उनके प्रयोग की विधि में प्रतिभागी शिक्षकों को कुशल बनाना था। कदम कार्यक्रम चयनित विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं और छात्रों में कक्षावार योग्यता, कुशलता और सीखने के प्रतिफल की प्राप्ति को सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम का आरम्भ डायट मुजफ्फरपुर के वरीय व्याख्याता डॉ पवन कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में डॉ पवन कुमार ने कहा कि आज विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों की सबसे बड़ी समस्या आयुवार और कक्षावार योग्यता का विकसित न होना हैं। उन्होंने कहा कि कदम कार्यक्रम उन वांछनीय योग्यता की प्राप्ति का एक सफल प्रयास है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को उनके वर्तमान क्षमता के अनुसार पुस्तकों का वितरण किया जा रहा है जिसके अध्ययन के पश्चात छात्रो में वांछनीय योग्यता का विकास किया जा सकता हैं। इसके पश्चात प्रखंड मुख्यालय मुसहरी के डॉ सत्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि कदम कार्यक्रम छात्र केंद्रित शिक्षण पद्धति पर आधारित है जिसमें छात्र स्वंम सीखने को प्रेरित होते हैं और शिक्षक उनको मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। ह्यूमना के अश्वनी कुमार ने एच पी पी आई के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कदम कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों और समस्याओं का निराकरण किया। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय के शिक्षक को कदम कार्यक्रम की पुस्तकें दी गई और उनके प्रयोग के बारे मे भी बतया गया। इस अवसर पर डायट व्याख्याता डॉ मीरा कुमारी, शालिनी, कालिमउल्लाह, के साथ विद्यालय से आये शिक्षक डॉ सत्य प्रकाश गुप्ता, डॉ निरुपमा, प्रमोद कुमार, चंदन, श्रीमती सुनयना कुमारी आकांक्षा, सुजीत कुमार, राजेश कुमार, नसरीन फातिमा, रवीना श्रीवास्तव, अमित चौरसिया, लक्ष्मी पाल साथ ही ह्यूमना के पोखन लाल और सृष्टि कुमारी उपस्थित थे।

अहले सुबह दरबाजे पर जाकर बुजुर्ग को मारी गोली

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । अपने घर के दरवाजे झाड़ू लगा रहे एक बुजुर्ग को बदमाश ने गोली मार दी।घटना आज शनिवार अहले सुबह की बताई जा रही है। गोली लगने से 45 वर्षीय नागेश्वर ठाकुर गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। परिजनों ने आनन-फानन में घायल को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।घटना जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के खैरा गांव के वार्ड संख्या-9 की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, नागेश्वर ठाकुर शनिवार की सुबह अपने घर के दरवाजे पर झाड़ू लगा रहे थे। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला प्रिंस कुमार कथित तौर पर उनके दरवाजे पर पहुंचा और उन पर गोली चला दी।फायरिंग में गोली नागेश्वर ठाकुर के हाथ में लगी। गोली लगते ही वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के लोगों में भी हड़कंप मच गया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और घायल नागेश्वर ठाकुर को इलाज के लिए अस्पताल ले गए।बताया जा रहा है कि गोलीबारी की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी प्रिंस कुमार मौके से फरार हो गया। घटना के बाद गांव में तनाव और दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर जैतपुर थाना की पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी।पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटना के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल गोली चलाने का मकसद स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आपसी विवाद, पुरानी रंजिश या किसी अन्य वजह समेत सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ पूरा करें : आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गिरिवर दयाल सिंह ,आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल ने कहा है कि विधि-व्यवस्था संधारण से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। सभी अनुमंडल पदाधिकारी इसके प्रति सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। वे शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय स्थित सभाकक्ष में वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित प्रमंडल-स्तरीय एक बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जन वितरण प्रणाली, राजस्व, परिवाद निवारण एवं अन्य बिंदुओं पर भी विस्तृत समीक्षा की एवं अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित रूप से औचक एवं शेड्यूल्ड निरीक्षण करने का निर्देश दिया ताकि कार्य-संस्कृति सुदृढ़ रहे।आयुक्त ने अधिकारियों को निदेश दिया गया कि आम जनता को दैनिक जीवन में कोई असुविधा न हो इसके लिए सजग रहें। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा दिए गए दिशा-निदेशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान, जीवन आसान के तहत लोगों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करने तथा उन्हें गरिमामय जीवन यापन करने हेतु बेहतरीन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सहयोग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने पदाधिकारियों को सहयोग पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निष्पादन करने का निदेश दिया। पदाधिकारियों को निदेशित करते हुए आयुक्त ने कहा कि पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं संवेदनशीलता के साथ आप सभी लोक शिकायतों का निवारण करें। प्रमंडलीय आयुक्त ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को विधि-व्यवस्था संधारण पर विशेष ध्यान देने का निदेश दिया। उन्होंने पदाधिकारियों को निदेश दिया कि विधि-व्यवस्था संधारण हेतु मिशन मोड में कार्रवाई करें। सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच सार्थक समन्वय एवं सुदृढ़ संवाद कायम रखें। उन्होंने निदेश दिया कि राजस्व से संबंधित पदाधिकारी भूमि विवादों के प्रभावी निष्पादन के लिए सूक्ष्मतम स्तर पर निगरानी करें। भूमि से संबंधित किसी भी विवाद का रूपांतरण विधि-व्यवस्था की समस्या में न हो इसे सुनिश्चित करें।आयुक्त ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को खाद्यान्न का ससमय उठाव एवं वितरण सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। लाभुकों तक ससमय खाद्यान्न पहुँचाने के लिए तत्परतापूर्वक कार्य करने का निदेश दिया गया। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में आपूर्ति संबंधी मामलों का पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ अनुश्रवण करने का निदेश दिया गया। प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों को प्रावधानों के अनुसार जनवितरण प्रणाली की दुकानों की नियमित जाँच, छापामारी एवं अनियमितता पाए जाने पर प्रभावी ढंग से विधिवत कार्रवाई करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि पदाधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि पीडीएस दुकानों द्वारा लाभुकों को निर्धारित मात्रा में अनाज उपलब्ध कराया जाए। इसका उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जाली स्टाम्प पेपर बेंचने वाले गिरोह का हुआ खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । स्थानीय कोर्ट परिसर में जाली ज्यूडिशियल स्टांप पेपर, फर्जी कोर्ट फीस टिकट और नकली वेलफेयर टिकट बेचने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश हुआ है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई के बाद इस फजीर्वाड़े में शामिल चार दुकानदारों की पहचान की गई, जिनमें से तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह खुलासा अनुमंडल पदाधिकारी मुजफ्फरपुर पूर्वी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नगर-1 के नेतृत्व में गठित विशेष टीम के औचक निरीक्षण के दौरान हुआ। टीम ने न्यायालय परिसर में बेचे जा रहे स्टांप और टिकटों की गहन पड़ताल की, जो जांच में पूरी तरह नकली पाए गए।जिला बार एसोसिएशन के सचिव और कोषाध्यक्ष ने भी इन स्टांपों-टिकटों के जाली होने की पुष्टि की। पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में फर्जी स्टांप पेपर और अन्य संदिग्ध सामान बरामद किया है। गहन जांच के बाद कार्यपालक पदाधिकारी राम नाथ कुमार के लिखित आवेदन पर नगर थाना में चार दुकानदारों मुरारी (ग्रीन पार्क स्थित दुकान), प्रभात चौधरी, राजेश (उमा भंडार खाद बीज दुकान) और सत्यम के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।पुलिस ने इनमें से तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि एक अन्य की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। नगर डीएसपी सुरेश कुमार ने पूरे मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस अब इस बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है कि इन जाली स्टांपों की छपाई कहां की जा रही थी और इस रैकेट के तार अन्य किन-किन जिलों या राज्यों से जुड़े हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही छपाई से जुड़े मुख्य सरगना को भी दबोच लिया जाएगा।

नगरनिगम के खजाने में पड़े हैं 50 करोड़ फिर भी विकास की रफ्तार सुस्त,पार्षदों ने किया हंगामा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर निगम के खजाने में 50 करोड़ रुपए से अधिक की राशि होने के बावजूद शहर में विकास कार्यों की रफ्तार सुस्त होने का मुद्दा शनिवार को बोर्ड की बैठक में जोरदार तरीके से उठा। जर्जर सड़कें, टूटे स्लैब, खराब स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। नाराज पार्षदों ने नगर आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बहिष्कार का नारा लगाया। बैठक कक्ष में ही जमीन पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। नगर भवन में सुबह करीब 11:30 बजे बोर्ड की बैठक शुरू हुई। बैठक शुरू होते ही पार्षद अपनी सीटों से उठकर बीच में आ गए और शहर की बदहाल व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने लगे। पार्षदों का कहना था कि निगम के पास पर्याप्त राशि होने के बावजूद वार्डों में जरूरी काम नहीं हो रहे हैं। इससे उन्हें लगातार जनता की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। पार्षदों का कहना था कि वे अपने वार्ड में विकास कार्य कराना चाहते हैं, लेकिन निगम स्तर से योजनाओं को आगे बढ़ाने में पहल नहीं हो रही है। उनका आरोप था कि काम कराने के लिए बार-बार कहने के बावजूद योजनाएं फाइलों में अटकी हैं।समस्याओं का समाधान नहीं होने से नाराज सभी पार्षदों ने बैठक कक्ष में ही जमीन पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान इंकलाब के नारे भी लगाए गए। पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक किसी तरह की वार्ता नहीं होगी।पार्षदों का कहना था कि लंबे समय बाद ऐसी स्थिति आई है, जब वे अपने-अपने वार्ड में काम कराने को लेकर एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन निगम प्रशासन की ओर से अपेक्षित पहल नहीं हो रही है।हंगामे के बीच मेयर और नगर आयुक्त की ओर से पार्षदों को भरोसा दिलाया गया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए 72 घंटे के भीतर पहल की जाएगी। समस्याओं का समाधान नहीं होने पर संबंधित स्तर पर कार्रवाई का भी भरोसा दिया गया।

महंगाई की मार: चीनी के बाद दालें और मसाले में आई तेजी ,प्याज भी रुलाने के मूड में

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर,पिछले एक महीने से खाने-पीने की जरूरी चीजों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।चीनी के दाम में अप्रत्याशित बढ़ोतरी के बाद अब , प्याज, दाल और खाद्य तेल के दाम बढ़ने से आम लोगों के घरेलू बजट पर असर पड़ने लगा है। सबसे ज्यादा तेजी चीनी की कीमतों में आई है। जबकि प्याज के दाम भी एक महीने में 4 से 5 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी देखी जा रही है। चीनी के दाम में पिछले एक सप्ताह के दौरान करीब 7 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, पिछले एक महीने में चीनी की कीमत करीब 20 रुपये प्रति किलो तक बढ़ चुकी है मौजूदा समय में कई जगहों पर चीनी करीब 70 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है। समाचार लिखे जाने तक स्थानीय बाजार में चना का मूल्य 70 से 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।चने के मूल्य में हुई वृद्धि के कारण चुनें का बेसन और चना दाल भी महंगा हुआ है। चना दाल 90 रुपये और बेसन 120 रुपये किलो तक पहुंच चुका है। मसाले के दर में भी वृद्धि देखी जा रही है। लाल मिर्च 250 से 275 रुपये,धनिया 150 रुपये से बढ़कर 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। सरसों तेल का खुदरा मूल्य भी 200 रुपये तक पहुंच गया है।आम उपभोक्ताओं का कहना है कि अभी जबकि त्योहारों का दौर शुरू भी नहीं हुआ है, ऐसे में खाद्य वस्तुओं के मूल्य में जिस तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, त्योहार का सीजन आने पर इन वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि का अनुमान लगाना भी मुश्किल है।

बिहार में कमजोर रहा मानसून, अगले 3–5 दिनों तक तापमान में बड़े बदलाव के आसार नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान मानसून की गतिविधियां कमजोर रही हैं। राज्य के अधिकांश हिस्सों में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि शेष भागों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहा। मौसम विभाग की 22 अगस्त 2026 की दैनिक मौसम विज्ञप्ति के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। राज्य में अधिकतम तापमान 32 से 36.3 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस भभुआ, कैमूर में 21 अगस्त को दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। वहीं, न्यूनतम तापमान 25.8 से 30.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस वाल्मीकिनगर, पश्चिम चंपारण में 22 अगस्त को दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में भी पिछले 24 घंटों के दौरान कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ। राज्य में सबसे अधिक 52.4 मिलीमीटर बारिश कल्याणपुर, समस्तीपुर में दर्ज की गई।इसके अलावा चनपटिया, पश्चिम चंपारण में 20.4 मिमी, मांझा, गोपालगंज में 16.8 मिमी, बौंसी, बांका में 16.6 मिमी, कृत्यानंद नगर, पूर्णिया में 14 मिमी, गोराडीह, भागलपुर में 9.2 मिमी, कुचायकोट, गोपालगंज और भगवानपुर, वैशाली में 8.2-8.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा घाट कुसुम्भा, शेखपुरा में 7.6 मिमी, पीरपैंती और अकबरपुर में 6.6-6.6 मिमी, राजापाकर, वैशाली और बारुण, औरंगाबाद में 6.4-6.4 मिमी, बगहा-1, पश्चिम चंपारण में 6 मिमी तथा सिसवन, सिवान में 5.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक अगले 3-4 दिनों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। वहीं अगले 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में भी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने लोगों को स्थानीय मौसम परिस्थितियों पर नजर रखने और बारिश से संबंधित चेतावनियों के लिए आधिकारिक मौसम अपडेट देखते रहने की सलाह दी है।

औराई में दिव्यांग पीडीएस विक्रेता और परिवार पर जानलेवा हमला, मारपीट का वीडियो वायरल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र के सरहंचिया गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक दिव्यांग जनवितरण प्रणाली विक्रेता और उनके परिवार के साथ दबंगों द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मारपीट में घायल ढऊ विक्रेता विपिन बिहारी, उनकी पत्नी रानी देवी और पुत्र प्रिंस बिहारी का इलाज औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। पुलिस को दिए आवेदन में विपिन बिहारी ने बताया कि वह गुरुवार शाम करीब छह बजे राशन लाभार्थियों का ई- केवाईसी करने के लिए अपने कार्यक्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही रमन कुमार, विकास भारती, करुणा निधान सिंह और हिमांशु रंजन ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोप है कि आरोपियों ने लोहे की रॉड से उन पर हमला कर दिया। विपिन बिहारी के साथ मारपीट की जानकारी मिलने के बाद उनकी पत्नी रानी देवी और पुत्र प्रिंस बिहारी उन्हें बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को औराई सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। मामले को लेकर ऊढ ईस्ट वन अलय वत्स ने बताया कि घटना पुलिस के संज्ञान में आ चुकी है। दोनों पक्षों की ओर से औराई थाने में आवेदन दिया गया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। वायरल वीडियो को भी जांच के दायरे में लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के कारणों और मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष के निधन पर शोक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कुमोद सहाय के निधन की सूचना मिलने के बाद आज उनके मोतीझील स्थित आवास पर पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

इस दौरान उनके निधन को विधि जगत और समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने कहा कि कुमोद सहाय अपने सरल स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक योगदान के लिए सदैव याद किए जाएंगे। विधि के क्षेत्र में उनके योगदान को लंबे समय तक स्मरण किया जाता रहेगा। शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की गई।

गायघाट के शिवदाहा पंचायत में नल-जल योजना बदहाल , जलापूर्ति बाधित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।गायघाट प्रखंड अंतर्गत शिवदाहा पंचायत में मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना की स्थिति बदहाल बनी हुई है। पंचायत के कई वार्डों में योजना के तहत लगाए गए नल और जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है, जबकि कई जगहों पर लोगों को नियमित रूप से पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, गायघाट प्रखंड के 152 वार्डों में नल-जल योजना का कार्य शुरू कराया गया था। इनमें दर्जनों वार्डों में योजना या तो पूरी तरह बंद हो चुकी है या फिर अनियमित जलापूर्ति के कारण ग्रामीणों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के रखरखाव और निगरानी में अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, लेकिन धरातल पर कई जगहों पर यह योजना महज कागजों तक सीमित होकर रह गई है। शिकायतों के बावजूद समस्या के समाधान को लेकर गंभीर पहल नहीं होने का भी ग्रामीणों ने आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से बंद पड़े नल-जल संयंत्रों की जांच कराने, खराब उपकरणों की मरम्मत कराने और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही योजना में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई है। इस संबंध में गायघाट बीडीओ आलोक कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा से पहले ड्रोन पर पाबंदी उल्लंघन करने वालों पर होगी एफआईआर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेला के चौथे सोमवार, 24 अगस्त को श्रद्धालुओं के स्वागत में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा प्रस्तावित है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन ने बाबा गरीबनाथ मंदिर समेत पुष्प वर्षा के अन्य निर्धारित स्थलों पर ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन के अनुसार, पुष्प वर्षा के निर्धारित समय से एक घंटा पहले से लेकर पुष्प वर्षा समाप्त होने के 30 मिनट बाद तक ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं होगी। इस अवधि में किसी भी व्यक्ति द्वारा ड्रोन उड़ाए जाने पर प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को ड्रोन प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और निर्धारित प्रतिबंधित अवधि के दौरान ड्रोन का संचालन न करें। प्रशासन का यह कदम हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के दौरान सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

निजी स्कूल हॉस्टल से कक्षा 4 का छात्र लापता, मचा हड़कंप

मुजफ्फरपुर । सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरगणेशदत्त नगर स्थित एक निजी स्कूल के हॉस्टल से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करने वाला कक्षा 4 का छात्र देवांशु ठाकुर शुक्रवार दोपहर अचानक लापता हो गया। छात्र के अचानक गायब होने की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रशासन से लेकर उसके परिजनों तक में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि देवांशु ठाकुर हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। शुक्रवार दोपहर उसके लापता होने के बाद स्कूल प्रबंधन ने उसकी तलाश शुरू की। वहीं, परिजनों को सूचना मिलने के बाद उनकी चिंता बढ़ गई। परिजन छात्र के बारे में जानकारी जुटाने में लगे हैं। घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई है। पुलिस छात्र की तलाश में जुटी है और हॉस्टल व आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। छात्र के अचानक गायब होने से इलाके में भी चर्चा का माहौल है। फिलहाल छात्र देवांशु ठाकुर का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। मामले में जांच के बाद ही छात्र के लापता होने की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सम्पादकीय

दलितों के प्रति बढ़ती हिंसा और मीडिया की भूमिका

प्रोफेसर हंसराज सुमन

भारत में दलित समाज सदियों से सामाजिक और आर्थिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। भले ही भारतीय संविधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने दलितों को विशेष अधिकार दिए हैं, लेकिन वास्तविकता में सामाजिक समानता आज भी कोसों दूर है। जातीय भेदभाव और हिंसा दलित समाज के साथ जुड़े प्रमुख मुद्दे रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में, दलितों के खिलाफ हिंसा के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जातीय भेदभाव की जड़ें समाज में कितनी गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इस दृष्टि से वर्तमान संदर्भ में सामाजिक दायित्व से संबंधित मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह समाज के सामने घटनाओं को प्रस्तुत करने, जनमत को प्रभावित करने और सामाजिक सुधार की दिशा में कार्य करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। इस आलेख में हम दलितों के प्रति बढ़ती हिंसा और उस पर मीडिया की भूमिका का गहराई से विश्लेषण करेंगे। भारत में जाति-आधारित सामाजिक व्यवस्था का इतिहास थोड़ा लंबा और जटिल है। यह व्यवस्था न केवल सामाजिक ढांचे को विभाजित करती है, बल्कि इसके तहत निचली जातियों, विशेष रूप से दलितों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता रहा है। चाहे वह छुआछूत की प्रथा हो या फिर सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार, दलित समाज को हमेशा से ही उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। भारत में समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों से दलितों पर हिंसा के मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें सामूहिक हत्याएँ, बलात्कार, सार्वजनिक अपमान, संपत्ति नष्ट करना और सामाजिक बहिष्कार जैसी घटनाएँ होना तो आम बात है। सामाजिक स्तर पर दलितों के साथ होने वाले इस तरह के अत्याचारों को कभी-कभी धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं के तहत जायज ठहराने की कोशिश की जाती है। इसके साथ ही, राजनीतिक और आर्थिक हितों के लिए भी दलित समाज को दबाने का प्रयास होता रहा है। दलितों के खिलाफ होने वाली हिंसा केवल ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है; यह शहरी क्षेत्रों में भी व्याप्त है, जहाँ आधुनिकता और विकास के बावजूद जातीय असमानता अपने अलग-अलग रूपों में देखी जा सकती है। हाल के वर्षों में दलितों के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि देखी गई है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (ठउफइ) के आंकड़ों के अनुसार, दलितों के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह वृद्धि कुछ विशिष्ट कारणों से हो रही है।1. राजनीतिक ध्रुवीकरण : जातीय आधार पर राजनीति के कारण समाज में तनाव और असमानता बढ़ी है। दलितों के खिलाफ हिंसा को कई बार सत्ता में बैठे नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 2. सामाजिक असमानता और आर्थिक विषमता : दलितों के पास भूमि और अन्य संसाधनों की कमी अक्सर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ संसाधनों का अधिक महत्व होता है, दलितों को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता रहा है, जिससे विवाद और हिंसा की स्थिति उत्पन्न होती है। 3. धार्मिक और सांस्कृतिक भेदभाव : सामाजिक और धार्मिक आधार पर दलितों को हमेशा नीचा समझा गया है। जातीय श्रेष्ठता का दावा करने वाले समूहों द्वारा दलितों के खिलाफ हिंसा को सांस्कृतिक या धार्मिक रूप से उचित ठहराया जाता है। यह देखने में आया है कि पिछले कुछ वर्षों में दलित अत्याचारों की घटनाओं में इजाफा हुआ है। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार - वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों (एससी) के खिलाफ 97.7 प्रतिशत अत्याचार 13 राज्यों में हुए थे, जिनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ऐसे मामलों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश में 12287 मामले (23.78 प्रतिशत), राजस्थान में 8651 मामले (16.75 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश में 7732 मामले (14.97 प्रतिशत) दर्ज किए गए। इसके अलावा अन्य राज्यों में अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें बिहार में 6799 मामले (13.16 प्रतिशत), उड़ीसा में 3576 मामले (6.93 प्रतिशत) और महाराष्ट्र में 2706 मामले (5.24 प्रतिशत) शामिल हैं। वर्ष 2022 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज किए गए। कुल मामलों में से लगभग 81 प्रतिशत केवल इन छह राज्यों में दर्ज किए गए हैं। इस अधिनियम के तहत 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ कुल 51656 मामले दर्ज किए गए।ह्व रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ये मामले भारतीय दंड संहिता के तहत भी दर्ज किए गए हैं।

बस थोड़ा-सा प्रोत्साहन देकर देखिये तो

राजीव थेपडा

बस थोड़ा-सा प्रोत्साहन देकर देखिये तो !! जैसे ही हम जन्म लेते हैं, वैसे ही हमारे अंदर जीने की एक अद्भुत जिजीविषा का जन्म भी हो जाता है और जन्म लेने के पश्चात हम जब तक जीवित रहते हैं, तब तक मृत्यु से भय खाते हैं। किंतु शायद ही कभी हमने इस बात पर थोड़ा भी विचार किया हो कि हम अपने छुटपन से, यानी जीवन के प्रारंभ से ही किस प्रकार अपने से बड़ों के छोटे-छोटे प्रोत्साहन और प्रेरणा से न जाने कितनी ही चीजें सीखते हैं और हमारे बड़े होते-होते वही सारी चीजें हमारी सामर्थ्य बन जाती हैं। थोड़ा सोच कर देखिए कि आपके जीवन के आरंभ में किस प्रकार आपके माता-पिता अपने लाड़ प्यार, अपने अनंत और गहरे प्रेम के द्वारा छोटी-छोटी बातों से प्रोत्साहन देते हुए आपको न जाने कितना कुछ सिखाते हैं। बोलना, गाना, नाचना, चलना, दौड़ना, खाना और अन्य वे सभी बातें जिनसे आप जीवित रहते हैं। और आने वाले दिनों में यही सामर्थ्य आपकी शक्ति बन जाती है। लेकिन जैसे ही हम जीवन में आगे बढ़ते हैं। सबसे पहले इन्हीं बातों को भूलना शुरू करते हैं और इसका परिणाम यह होता है कि हम सब का जीवन नीरस होने लगता है। ध्यान रहे, हम सब, हम सभी के साथ हंसते-बोलते-गाते-बतियाते-नृत्य करते, अर्थात अपनी सामूहिकता में अधिक सुखी होते हैं। संसार में ऐसा कोई नहीं है या ऐसे कम ही लोग होंगे, जो अपने आप में सुखी हैं। अपने आप में मस्त हैं। अपने आप में आनंदित हैं। हमारी समूची सामाजिकता हमारे समाज के रूप में निरंतर तरह-तरह के भांति-भांति के उत्सवों में, आनंद में, सुखों में एक दूसरे के साथ हाथ में हाथ डाले, रिश्तों के रूप में ही दिखाई देती है। कुल मिलाकर हमारा यह समूचा संसार हमारे आपस के रिश्ते ही तो हैं। किंतु मनुष्य में एक बहुत बड़ी कमी यह भी है कि वह स्वयं तो कुछ विशेष बनना चाहता है, होना चाहता है। किंतु किसी दूसरे को विशेष होता देखकर ईर्ष्या से भर जाता है। हमारी यही ईर्ष्या सामाजिकता की, हमारे सामंजस्य की, हमारे सौहार्द की इस संसार में सबसे बड़ी बाधा है। यदि हम अपनी उन ईर्ष्याओं को पहचान लें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें, तो हमारे बीच, हमारे अंतर संबंधों के समस्त पुष्प सदैव पुष्पित रह सकते हैं। किंतु हमें कभी भी इन वास्तविकताओं का भान ही नहीं होता। क्योंकि हम अपनी उस ईर्ष्या को, उस अहंकार को कभी भी पकड़ नहीं पाते। इस प्रकार नित प्रतिदिन समाज का हरेक व्यक्ति अपनी ही ईर्ष्या के चलते सामाजिक होना चाहते हुए भी सामाजिकता से दूर होता चला जाता है! यद्यपि वह दिखावा ऐसा करता है कि उससे बड़ा सामाजिक कोई नहीं! सब कुछ जानते समझते हुए भी हम इस बात को सदैव अनदेखा कर देते हैं कि यह जो परिवार है, यह जो समाज है, यह केवल और केवल हमारे प्रोत्साहन से आगे बढ़ता है। प्रोत्साहन ही वह अद्भुत शक्ति है। जिससे ना केवल किसी को एक संबल प्रदान होता है। बल्कि वह संबल किसी को कहां से कहां तक पहुंचा सकता है, इसके भी लाखों लाख उदाहरण हमारे समाज में सदैव व्याप्त रहे हैं। जैसा कि इस आलेख के आरंभ में बताया गया कि हम अपने जीवन के प्रथमार्ध से ही अपने माता-पिता के विभिन्न प्रोत्साहन से वे सभी बातें सीखते हैं। जो हमें बोलना सीखने से लेकर समाज के बीच अपना स्थान बनाने तक में सदैव सहायता प्रदान करती है। इस प्रकार हम पाते हैं कि हमारा किसी को दिया गया प्रोत्साहन उन्हें कहां से कहां पहुंचा सकता है। किन्तु इस संभावना के बारे में पूर्व में शायद ही हम कभी जान पाते हैं! इसके लिए हमें समस्त महापुरुषों की कथाओं को पढ़ना चाहिए। जिनसे हमें यह पता चलता है कि किस प्रकार किन लोगों को किन प्रोत्साहनों ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ाने को प्रेरित किया और समय-समय पर मिलते गए उन प्रोत्साहनों ने उन्हें अंततः एक ऐसे लक्ष्य पर पहुंचा दिया, जिसके विषय में उन्होंने स्वप्न में भी कभी सोचा ना था। हमारे समाज में हर कोई किसी न किसी कार्य में लगा हुआ है।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा, सड़क की राजनीति और विपक्ष की चुनौती

सदन को राजनीतिक प्रदर्शन का मंच बना देना उचित है? विधानसभा का काम केवल सत्ता पक्ष को घेरना या सरकार के खिलाफ नारे लगाना नहीं है। सदन वह जगह है, जहां प्रदेश की जनता से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं, सरकार से जवाब मांगा जाता है और नीतियों की कमियां सामने लाई जाती हैं। यदि यही कामकाज बाधित होने लगे तो नुकसान किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान का होता है। मौजूदा सत्र में द्रव्यवती नदी पर एलिवेटेड रोड, खाद-बीज संकट, स्कूलों की मरम्मत और शिक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रश्नकाल में उठने थे। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने द्रव्यवती नदी से जुड़े एलिवेटेड रोड का सवाल लगाया था, जबकि प्रमोद जैन भाया ने खाद-बीज संकट को लेकर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी की थी। ऐसे सवालों पर विस्तृत चर्चा होती तो सरकार की नीतियों, योजनाओं और जमीनी स्थिति की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती थी। लेकिन सदन के भीतर हंगामा और नारेबाजी के कारण चर्चा का अवसर ही सीमित हो गया। यह स्थिति विपक्ष के लिए भी आत्ममंथन का विषय है। विपक्ष का सबसे बड़ा हथियार विधानसभा है।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

राजस्थान विधानसभा का मौजूदा सत्र जिस तरह हंगामे और नारेबाजी की भेंट चढ़कर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है—क्या जनता के मुद्दों पर चर्चा के लिए मिले सदन को राजनीतिक प्रदर्शन का मंच बना देना उचित है? विधानसभा का काम केवल सत्ता पक्ष को घेरना या सरकार के खिलाफ नारे लगाना नहीं है। सदन वह जगह है, जहां प्रदेश की जनता से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं, सरकार से जवाब मांगा जाता है और नीतियों की कमियां सामने लाई जाती हैं। यदि यही कामकाज बाधित होने लगे तो नुकसान किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान का होता है। मौजूदा सत्र में द्रव्यवती नदी पर एलिवेटेड रोड, खाद-बीज संकट, स्कूलों की मरम्मत और शिक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रश्नकाल में उठने थे। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने द्रव्यवती नदी से जुड़े एलिवेटेड रोड का सवाल लगाया था, जबकि प्रमोद जैन भाया ने खाद-बीज संकट को लेकर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी की थी। ऐसे सवालों पर विस्तृत चर्चा होती तो सरकार की नीतियों, योजनाओं और जमीनी स्थिति की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती थी। लेकिन सदन के भीतर हंगामा और नारेबाजी के कारण चर्चा का अवसर ही सीमित हो गया। यह स्थिति विपक्ष के लिए भी आत्ममंथन का विषय है। विपक्ष का सबसे बड़ा हथियार विधानसभा है। सरकार को घेरने के लिए उसे सड़क पर उतरने से पहले सदन में मिले अवसर का पूरा उपयोग करना चाहिए। सवाल पूछना, पूरक प्रश्न करना, आंकड़े मांगना, विभागीय जवाबों की कमियां उजागर करना और सरकार को कठघरे में खड़ा करना लोकतांत्रिक राजनीति का प्रभावी तरीका है। यदि सदन ही नहीं चलेगा तो विपक्ष सरकार से जवाब किस मंच पर मांगेगा? राजस्थान में विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। जाहिर है, राजनीतिक दल अब अपने-अपने मुद्दों को धार देंगे। विपक्ष सरकार के कामकाज पर सवाल उठाएगा और सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाएगा। चुनावी राजनीति में यह स्वाभाविक भी है। लेकिन चुनाव की तैयारी और विधानसभा की कार्यवाही में फर्क होना चाहिए। चुनावी संघर्ष के लिए मंच बहुत हैं, लेकिन विधानसभा का समय सीमित है और वह जनता के पैसे से चलता है। इसलिए सदन में हर मिनट की कीमत है। इसी बीच स्कूलों की स्थिति को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के अभियान और बगरू के रामपुरा गांव में हुई मारपीट ने शिक्षा के मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। जर्जर सरकारी स्कूल भवन, बच्चों का वैकल्पिक स्थान पर पढ़ना और बुनियादी सुविधाओं की समस्या निश्चित रूप से गंभीर विषय हैं। यदि किसी सरकारी स्कूल की इमारत इतनी खराब है कि बच्चों को दूसरी जगह पढ़ाना पड़े, तो प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन शिक्षा की बदहाली का मुद्दा उठाने और उसे राजनीतिक टकराव में बदल देने के बीच एक महीन अंतर है। किसी संगठन को सरकारी स्कूलों की स्थिति सामने लाने का अधिकार हो सकता है, लेकिन निरीक्षण के नाम पर स्थानीय लोगों से टकराव, आरोप-प्रत्यारोप और फिर हिंसा की स्थिति पैदा होना पूरे मुद्दे को पीछे धकेल देता है। बगरू की घटना में दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे सामने आए हैं। सीजेपी कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया, जबकि ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में बाहरी लोग गांव में पहुंचे और विवाद बढ़ा। ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। बिना जांच किसी एक पक्ष को पूरी तरह दोषी ठहरा देना उचित नहीं होगा। सीजेपी के अभियान को लेकर भी यही सवाल है कि क्या सरकारी स्कूलों की समस्याओं को सामने लाने का रास्ता टकराव होना चाहिए? यदि उद्देश्य वास्तव में स्कूलों की स्थिति सुधारना है तो प्रशासन के सामने रिपोर्ट रखना, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगना, विधानसभा और मीडिया के माध्यम से मुद्दा उठाना तथा संबंधित विभाग को समयबद्ध कार्रवाई के लिए बाध्य करना ज्यादा प्रभावी रास्ता हो सकता है। किसी स्कूल की खराब हालत की तस्वीर से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उसके बाद वह स्कूल कब सुधरता है। दिल्ली में कभी सरकारी स्कूलों को राजनीतिक बहस का बड़ा मुद्दा बनाया गया था। शिक्षा व्यवस्था के नाम पर सरकारों को घेरना और अपने मॉडल को सामने रखना राजनीति में नया नहीं है। राजस्थान में भी शिक्षा अब आने वाले चुनाव में महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकती है। लेकिन किसी दूसरे राज्य या राजनीतिक मॉडल की नकल करने के बजाय राजस्थान को अपने सरकारी स्कूलों की वास्तविक जरूरतों के आधार पर अपनी नीति बनानी होगी। प्रदेश के दूरदराज इलाकों में भवन, शौचालय, पेयजल, बिजली, शिक्षकों की उपलब्धता और डिजिटल सुविधाओं जैसे मुद्दे वास्तविक हैं। इन्हें राजनीतिक नारों से नहीं, ठोस प्रशासनिक फैसलों से हल किया जा सकता है। सीजेपी को भी यह समझना होगा कि आंदोलन और राजनीतिक प्रचार में अंतर होता है। यदि कोई संगठन खुद को व्यवस्था सुधारने वाला मंच बताता है तो उसे अपने आचरण से भी यही साबित करना होगा। स्कूलों की समस्या पर सरकार से सवाल करना उचित है, लेकिन किसी भी अभियान की सफलता इस बात से तय होगी कि उससे बच्चों को क्या मिला, न कि उससे कितनी सुर्खियां बनीं। शिक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे को टकराव की राजनीति में बदलने से सबसे ज्यादा नुकसान उसी मुद्दे का होता है जिसे लेकर अभियान चलाया जा रहा है। दूसरी तरफ सरकार को भी आलोचना से बचने के बजाय जवाबदेही का रास्ता अपनाना चाहिए। यदि किसी स्कूल की इमारत जर्जर है और बच्चे अस्थायी स्थान पर पढ़ रहे हैं तो सरकार को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि मरम्मत या नए भवन का काम कब शुरू होगा, कितना बजट स्वीकृत है

भाजपा नई पीढ़ी को साधने के लिए विचारधारा बदलेगी या शैली?

उनको साथ लेने की कोशिश में भेस बदलने का मतलब वैसा ही है, जैसा गैर-भाजपा पार्टियों का सॉफ्ट हिंदुत्व। यह टिप्पणी भारतीय राजनीति में एक बड़े सवाल की ओर संकेत करती है कि क्या राजनीतिक दल अपनी मूल विचारधारा और पहचान को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ सकते हैं? या फिर युवा मतदाताओं की बदलती पसंद, भाषा और जीवनशैली के अनुरूप उन्हें अपनी राजनीतिक शैली में बड़ा बदलाव करना पड़ेगा? आज जेन-जी यानि जनरेशन जेड और आने वाली जेन-अल्फा भारतीय राजनीति के लिए केवल नए मतदाता समूह नहीं हैं। ये ऐसे सामाजिक समूह हैं जिनका दुनिया को देखने का नजरिया पिछली पीढ़ियों से काफी अलग है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वैश्विक संस्कृति और त्वरित सूचना इनके जीवन का हिस्सा हैं। इनके लिए राजनीति केवल भाषण, रैली और चुनावी घोषणापत्र तक सीमित नहीं है। जेन-जी और जेन-अल्फा के लिए राजनीतिक संवाद का तरीका बदल चुका है। लंबा भाषण सुनने के बजाय वे कुछ सेकंड के वीडियो, मीम, शॉर्ट्स, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजनीतिक विचारों से परिचित होते हैं। यह पीढ़ी सवाल पूछती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भाजपा का डीएनए जेन-जी और जेन-अल्फा वाला नहीं है। उनको साथ लेने की कोशिश में भेस बदलने का मतलब वैसा ही है, जैसा गैर-भाजपा पार्टियों का सॉफ्ट हिंदुत्व। यह टिप्पणी भारतीय राजनीति में एक बड़े सवाल की ओर संकेत करती है कि क्या राजनीतिक दल अपनी मूल विचारधारा और पहचान को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ सकते हैं? या फिर युवा मतदाताओं की बदलती पसंद, भाषा और जीवनशैली के अनुरूप उन्हें अपनी राजनीतिक शैली में बड़ा बदलाव करना पड़ेगा? आज जेन-जी यानि जनरेशन जेड और आने वाली जेन-अल्फा भारतीय राजनीति के लिए केवल नए मतदाता समूह नहीं हैं। ये ऐसे सामाजिक समूह हैं जिनका दुनिया को देखने का नजरिया पिछली पीढ़ियों से काफी अलग है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वैश्विक संस्कृति और त्वरित सूचना इनके जीवन का हिस्सा हैं। इनके लिए राजनीति केवल भाषण, रैली और चुनावी घोषणापत्र तक सीमित नहीं है। जेन-जी और जेन-अल्फा के लिए राजनीतिक संवाद का तरीका बदल चुका है। लंबा भाषण सुनने के बजाय वे कुछ सेकंड के वीडियो, मीम, शॉर्ट्स, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजनीतिक विचारों से परिचित होते हैं। यह पीढ़ी सवाल पूछती है। वह राजनीतिक दावों को तुरंत स्वीकार नहीं करती, बल्कि अलग-अलग स्त्रोतों से उनकी जांच भी करती है। रोजगार, शिक्षा, महंगाई, तकनीक, पर्यावरण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, डिजिटल अधिकार और जीवन की गुणवत्ता जैसे मुद्दे उसके लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए किसी राजनीतिक दल के सामने चुनौती केवल यह नहीं है कि वह युवाओं तक पहुंचे, बल्कि यह भी है कि वह युवाओं से किस भाषा में संवाद करे। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति की पहचान लंबे समय से राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, संगठनात्मक अनुशासन और मजबूत नेतृत्व जैसे तत्वों से जुड़ी रही है। यही उसकी राजनीतिक पहचान और समर्थक आधार का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। भाजपा के लिए इसलिए यह सवाल महत्वपूर्ण है कि नई पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास में वह अपनी मूल पहचान को कितना बदल सकती है। युवाओं तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया की भाषा अपनाना एक बात है और अपनी वैचारिक पहचान बदलना दूसरी। आधुनिक संचार तकनीक, नए प्रचार माध्यम और युवाओं के अनुरूप राजनीतिक प्रस्तुति अपनाना किसी भी दल के लिए स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन यदि बदलाव इतना अधिक हो जाए कि मूल पहचान ही धुंधली पड़ने लगे, तो वह राजनीतिक रणनीति के बजाय पहचान के संकट का रूप ले सकता है। भेस बदलने का अर्थ यहां राजनीतिक शैली को पूरी तरह बदल देने से है। किसी दल का अपनी भाषा को सरल बनाना, युवाओं से संवाद के लिए नए माध्यम अपनाना या नए मुद्दों को प्राथमिकता देना भेस बदलना नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक दल केवल मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए अपनी मूल वैचारिक स्थिति से अलग दिखने का प्रयास करता है। युवा मतदाता राजनीतिक संदेशों में बनावटीपन को जल्दी पकड़ लेते हैं। सोशल मीडिया के दौर में किसी नेता के पुराने बयान, पुराने वीडियो और पुराने राजनीतिक रुख कुछ ही मिनटों में सामने आ सकते हैं। इसलिए आज राजनीति में विश्वसनीयता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। भारतीय राजनीति में गैर-भाजपा दलों द्वारा समय-समय पर हिंदू धार्मिक प्रतीकों, मंदिर यात्राओं या धार्मिक आयोजनों के प्रति सार्वजनिक रूप से अधिक सक्रिय रुख अपनाने को अक्सर ह्लसॉफ्ट हिंदुत्वह्व की राजनीति के रूप में देखा गया है। इसके पीछे चुनावी गणित भी रहा है। जब किसी पार्टी को लगता है कि समाज में धार्मिक पहचान का प्रभाव बढ़ रहा है, तो वह अपने राजनीतिक संदेश को उसी के अनुरूप ढालने की कोशिश कर सकती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या मतदाता इसे स्वाभाविक राजनीतिक परिवर्तन मानता है या चुनावी मजबूरी? यही प्रश्न भाजपा के सामने भी अलग रूप में मौजूद है। यदि पार्टी जेन-जी और जेन-अल्फा को आकर्षित करने के लिए अपनी भाषा, पहनावा, सोशल मीडिया व्यवहार और राजनीतिक प्रस्तुति बदलती है, तो क्या वह बदलाव वास्तविक पीढ़ीगत संवाद होगा या केवल चुनावी रणनीति? नई पीढ़ी को केवल वोट बैंक के रूप में देखना राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी भूल हो सकती है। जेन-जी रोजगार चाहती है। वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहती है। वह डिजिटल अर्थव्यवस्था में अवसर चाहती है। वह स्टार्टअप, कौशल, नई तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दुनिया में आगे बढ़ना चाहती है। उसे यह भी जानना है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उसकी नौकरी को कैसे प्रभावित करेगा। वह पूछती है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार कहां मिलेगा? छोटे शहरों के युवाओं को महानगरों जैसी सुविधाएं कब मिलेंगी? इंटरनेट की पहुंच, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन स्वतंत्रता का भविष्य क्या होगा? इन सवालों के जवाब केवल सांस्कृतिक या धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं दिए जा सकते। भाजपा के सामने चुनौती जितनी बड़ी है, अवसर भी उतना ही बड़ा है। पार्टी के पास देशव्यापी संगठन, डिजिटल पहुंच और मजबूत राजनीतिक नेतृत्व की वजह से युवा पीढ़ी तक पहुंचने के पर्याप्त साधन हैं। जरूरत इस बात की है कि युवा मतदाता को केवल प्रचार का लक्ष्य न बनाया जाए, बल्कि नीति

रक्षाबंधनः क्या है ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पौराणिक कथा

संजय कुमार सुमन

रक्षा बंधन एक पवित्र त्योहार है, जो भाई-बहन के पवित्र और सजीव रिश्ते का प्रतीक है। यह न केवल पारिवारिक बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है और यह रिश्तों की अनुकूलता को सिद्ध करता है। भारत त्योहारों का देश है। भारत में हर महीने एक नया त्योहार आता है जो लोगों को एक साथ लाता है। ऐसा ही एक त्योहार है रक्षा बंधन। यह बहनों और भाइयों के बीच के बंधन का एक बहुत ही खास अवसर है। बहनें अपने भाई की कलाई पर विश्वास और आस्था की डोर बांधती हैं। रक्षाबंधन भाई बहनो के बीच मनाया जाने वाला पर्व है।इस दिन बहन अपने भाइयों को रक्षाधागा बंधती हैं और भाई अपनी बहनों को जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं।इस त्यौहार के दिन सभी भाई बहन एक साथ भगवान की पूजा आदि करके आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।रक्षाबंधन से सम्बंधित कुछ पौराणिक कथाएं जुडी हुई है। भविष्यत पुराण के अनुसार दैत्यों और देवताओं के मध्य होने वाले एक युद्ध में भगवान इंद्र को एक असुर राजा, राजा बलि ने हरा दिया था।इस समय इंद्र की पत्नी सची ने भगवान विष्णु से मदद माँगी।भगवान विष्णु ने सची को सूती धागे से एक हाथ में पहने जाने वाला वयल बना कर दिया। इस वलय को भगवान विष्णु ने पवित्र वलय कहा।सची ने इस धागे को इंद्र की कलाई में बाँध दिया तथा इंद्र की सुरक्षा और सफलता की कामना की।इसके बाद अगले युद्द में इंद्र बलि नामक असुर को हारने में सफल हुए और पुनः अमरावती पर अपना अधिकार कर लिया। यहाँ से इस पवित्र धागे का प्रचलन आरम्भ हुआ।इसके बाद युद्द में जाने के पहले अपने पति को औरतें यह धागा बांधती थीं। इस तरह यह त्योहार सिर्फ भाइयों बहनों तक ही सीमित नहीं रह गया। भगवत पुराण और विष्णु पुराण के आधार पर यह माना जाता है कि जब भगवान विष्णु ने राजा बलि को हरा कर तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया, तो बलि ने भगवान विष्णु से उनके महल में रहने का आग्राह किया।भगवान विष्णु इस आग्रह को मान गये।हालाँकि भगवान विष्णु की पत्नी लक्ष्मी को भगवान विष्णु और बलि की मित्रता अच्छी नहीं लग रही थी, अतः उन्होंने भगवान विष्णु के साथ वैकुण्ठ जाने का निश्चय किया।इसके बाद माँ लक्ष्मी ने बलि को रक्षा धागा बाँध कर भाई बना लिया।इस पर बलि ने लक्ष्मी से मनचाहा उपहार मांगने के लिए कहा।इस पर माँ लक्ष्मी ने राजा बलि से कहा कि वह भगवान विष्णु को इस वचन से मुक्त करे कि भगवान विष्णु उसके महल मे रहेंगे।बलि ने ये बात मान ली और साथ ही माँ लक्ष्मी को अपनी बहन के रूप में भी स्वीकारा। भगवान विष्णु के दो पुत्र हुए शुभ और लाभ।इन दोनों भाइयों को एक बहन की कमी बहुत खलती थी, क्यों की बहन के बिना वे लोग रक्षाबंधन नहीं मना सकते थे। इन दोनों भाइयों ने भगवान गणेश से एक बहन की मांग की।कुछ समय के बाद भगवान नारद ने भी गणेश को पुत्री के विषय में कहा।इस पर भगवान गणेश राजी हुए और उन्होंने एक पुत्री की कामना की।भगवान गणेश की दो पत्नियों रिद्धि और सिद्धि, की दिव्य ज्योति से माँ संतोषी का अविर्भाव हुआ। इसके बाद माँ संतोषी के साथ शुभ लाभ रक्षाबंधन मना सके। महाभारत युद्ध के समय द्रौपदी ने कृष्ण की रक्षा के लिए उनके हाथ मे राखी बाँधी थी।इसी युद्ध के समय कुंती ने भी अपने पौत्र अभिमन्यु की कलाई पर सुरक्षा के लिए राखी बाँधी। एक अन्य पौराणिक कहानी के अनुसार, मृत्यु के देवता यम जब अपनी बहन यमुना से 12 वर्ष तक मिलने नहीं गये, तो यमुना दुखी हुई और माँ गंगा से इस बारे में बात की।गंगा ने यह सुचना यम तक पहुंचाई कि यमुना उनकी प्रतीक्षा कर रही हैं।इस पर यम युमना से मिलने आये।यम को देख कर यमुना बहुत खुश हुईं और उनके लिए विभिन्न तरह के व्यंजन भी बनायीं।यम को इससे बेहद खुशी हुई और उन्होंने यमुना से कहा कि वे मनचाहा वरदान मांग सकती हैं।इस पर यमुना ने उनसे ये वरदान माँगा कि यम जल्द पुनः अपनी बहन के पास आयें।

संक्षिप्त खबरें

डीएसपी मुख्यालय द्वारा की गई जन शिकायतों पर सुनवाई

छपरा सदर । शनिवार को पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। बताते चले कि पुलिस कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 10:00 बजे सुबह से 02:00 शाम तक जनसुनवाई की जाती है।

मशरख थानान्तर्गत हत्या कांड के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित,फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मशरख थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर मशरख थाना कांड संख्या-231/26, हत्या कांड का नामजद अभियुक्त नामजद अभियुक्त नंद किशोर सिंह, पिता-स्व० शिव कुमार सिंह, साकिन - कवलपुर, थाना-मशरख, जिला-सारण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विगत 24 घंटे में 31 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार, अवैध शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,बिक्री,भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 21 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-31 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें हत्या के प्रयास में 8, वारंट में 5,शराब कारोबारी में 8,शराब सेवन में 6, चोरी में 1, अपहरण में 1,पशु क्रूरता अधि० में 1,अभियुक्त हत्या में 1 अभियुक्त शामिल है। साथ ही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-60 वाहनों से 97,000 रूपए जुर्माना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-178 लीटर, मोटरसाईकिल 2, पीकअप 1, मवेशी 8, अपहृत 2 एवं अपहृता 4 बरामद किए गए।

गश्ती के दौरान देशी शराब के साथ तीन गिरफ्तार

परसा। संध्या गश्ती के दौरान परसा पुलिस ने परसौना परसादी गांव के पास टीवीएस राइडर बाइक से बैग व प्लास्टिक बोरे में ले जा रहे 100 लीटर देसी शराब के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान थाना क्षेत्र के परसादी गांव निवासीबिजेंद्र राय का पुत्र धर्मेंद्र कुमार, सुदर्शन सहनी का पुत्र पुलिस सहनी और स्व श्रवण राय का पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर शनिवार को तीनों को छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया।

पशु तस्कर गिरोह का किया गया सफल उद्भेदन

छपरा सदर। जनता बाजार थाना द्वारा पशु तस्कर गिरोह का सफल उद्भेदन किया गया है साथ ही 1 पशु तस्कर अभियुक्त को गिरफ्तार गिरफ्तार करते हुए चोरी का मवेशी बरामद भी बरामद किया गया है।गौरतलब है कि जनता बाजार पुलिस को 21 अगस्त को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जनताबाजार की ओर से महाराजगंज की तरफ एक चोरी का मवेशी लादकर पिकअप जाने वाली है।जनताबाजार पुलिस की त्वरित कार्रवाई करते हुये, हरपुर कोठी ब्रह्मस्थान के पास मुख्य सड़क पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी क्रम में समय रात्रि 07:30 बजे एक पीकअप जनताबाजार की ओर से आते दिखाई दिया जिन्हें जांच हेतु रुकने का इशारा किया गया। चालक पुलिस को देखते ही भागने लगा, जिसे पुलिस बल की सहायता से पकड़ लिया गया।पकड़ा गया सारण जिला का दारौंदा थाना क्षेत्र का भिखा बांध निवासी सलामत हसन का पुत्र इमाम हसन बताया जाता है। जिसका जांच और तलाशी करते हुए पुलिस ने उसके पिकअप वाहन से 08 मवेशी जप्त कर उसको गिरफ्तार किया गया। जप्त मवेशी के संबंध में गिरफ्तार अभियुक्त से कागजात की मांग करने पर इनके द्वारा कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया बल्कि पुछताछ के क्रम में अभियुक्त द्वारा बताया गया की उक्त मवेशी चोरी का है मैं पिछले दो वर्षों से यही तस्करी कर रहा हूँ।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगाए गए शिविरों से आमजन को मिला व्यापक लाभ

एक ही स्थान पर आवेदन, काउंसलिंग, आवेदन सुधार एवं ऋण प्रक्रिया का समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आमजन को योजना का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सारण जिले के सभी प्रखंडों में लगाए गए शिविरों से लोगों को व्यापक लाभ मिला। इन शिविरों में योजना से संबंधित विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होने के कारण आमजन को काफी सुविधा हुई और उन्हें अलग-अलग कार्यालयों एवं संस्थानों के चक्कर लगाने से राहत मिली। शिविरों में आवेदक, अधिकृत वेंडर, संबंधित विभाग के कर्मी, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं जनप्रतिनिधि एक ही स्थान पर उपस्थित रहे। सभी ने आपसी समन्वय के साथ इच्छुक लोगों को काउंसलिंग की तथा उन्हें पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मिलने वाले लाभ, सोलर प्लांट लगाने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं ऋण सुविधा के संबंध में जानकारी एवं सुझाव दिए। शिविर में आने वाले इच्छुक लाभुकों के आवेदन जनरेट कराने में भी सहायता की गई। जिन आवेदनों में किसी कारणवश रिजेक्शन हो गया था, उन्हें पुनः सही कर री-जेनरेट कराने में मदद की गई। वहीं लंबित आवेदनों से संबंधित समस्याओं की भी मौके पर जानकारी लेकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की गई। शिविरों में बैंकों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी से लाभुकों के लिए ऋण प्रक्रिया भी काफी सुगम हुई। इच्छुक आवेदकों को लोन से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के साथ आवेदन की प्रक्रिया में भी सहायता दी गई तथा पात्र लाभुकों के ऋण को स्वीकृत कराने की दिशा में भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। इस प्रकार शिविरों में आवेदन से लेकर वेंडर चयन, आवेदन में सुधार, लंबित एवं रिजेक्ट आवेदन के समाधान तथा ऋण प्रक्रिया तक की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से आमजन को काफी सहूलियत मिली। इससे लोगों का समय बचा और योजना से जुड़ी उनकी विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान संभव हुआ। इन शिविरों के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार भी हुआ। शिविरों में प्राप्त सुविधाओं एवं मौके पर मिल रहे समाधान से आमजन में योजना के प्रति विश्वास और रुचि बढ़ी है। बड़ी संख्या में लोग अपने घरों पर सोलर प्लांट स्थापित कराने तथा योजना से जुड़ने के लिए उत्साहित नजर आए। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को योजना की जानकारी देने के साथ-साथ योजना का लाभ लेने की पूरी प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं एकीकृत रूप से उपलब्ध कराना था, जिससे अधिक से अधिक पात्र परिवार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित हो सकें।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रिवीलगंज अस्पताल में 32 टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट का किया गया वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सारण ने 22 अगस्त को टी बी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रिवीलगंज अस्पताल में 32 टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण किया। इसी के साथ छपरा,जलालपुर,नगरा , गड़खा और रिविलगंज के कुल 200 मरीजों के बीच फूड बास्केट के वितरण का पहला खेप पूरा हुआ। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ शहजाद आलम ने मरीजों को बताया कि दवा के साथ पोषण आहार का लेना भी अति आवश्यक है। उक्त अवसर पर मेडिकल ऑफिसर डॉ आरती कुमारी ने भी रोगियों से लगातार दवा लेते रहने की हिदायत की। सेमरिया पूर्वी के प्रधानाध्यापक सुनिल पांडे ने भी बीच में ही दवा छोड़ देने से होने वाले नुकसान से अवगत कराया।मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता सैयद साबिर हुसैन,डॉ अहमद अली,बड़ा बाबू विकाश सिंह,अभिषेक सिंह तथा के पी मिश्रा इत्यादि उपस्थित रहे और इस पुनीत कार्य में सहयोग भी किया।

जनता दरबार में पांच मामलों का हुआ निष्पादन, पांच नए आवेदन मिले

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा/एकमा (सारण)। एकमा स्थित अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में अंचलाधिकारी रवि शेखर ने विभिन्न मामलों को लेकर पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। जनता दरबार के दौरान भूमि एवं राजस्व से जुड़े विभिन्न मामलों के कुल पांच नए आवेदन प्राप्त हुए। वहीं, पूर्व से लंबित पांच मामलों की सुनवाई करते हुए उनका निष्पादन किया गया। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस दौरान राजस्व अधिकारी रामप्रवेश साहू, कार्यालय कर्मी लाल जी, संजीत कुमार, एकमा थाना से एसआई जावेद आलम सहित काफी संख्या में राजस्व कर्मचारी एवं फरियादी मौजूद रहे। अंचलाधिकारी रवि शेखर ने कर्मियों को लंबित मामलों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने फरियादियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब न हो।

इंडस्ट्री से ट्रांसफार्मर का सामान हुआ चोरी

छपरा सदर। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के फिर लाइन पर स्थित सारण इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का निजी टांसफार्मर का सामान चोरी हो गया। जिसका आवेदन इंडस्ट्री के मालिक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी स्व श्यामानंद सिंह के पुत्र ललित मोहन सिंह ने दी है। उन्होंने अपने आवेदन में लिखा है कि मेरा कारखाना सारण इन्डस्टीज प्रा० लिमिटेडह्व रामनगर फोरलाइन स्वराज ट्रेक्टर एजेन्सी के नजदीक अवस्थित है। इस कारखाने को चलाने के लिए मैने अपना निजी 250 केवीए का ट्रान्सफार्मर अपने फैक्ट्री के गेट के सामने स्थापित किया हूँ ।21अगस्त को सुबह 5 बजे घर से कारखाना आया तो देखा की ट्रान्सफार्मर अपने जगह पर से धकेल कर नीचे गिरा दिया गया है और उसमे का सारा कॉपर एवं सामान चोरी कर लिया गया है। फैक्ट्री में लगे सी सी टी वी से देखा गया कि रात के एक बजे के करीब 5 अज्ञात चोरो द्वारा चोरी किया गया। यह घटना सुबह चार बजे तक कैमरे में कैद है। घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर चोर द्वारा इस्तमाल किए गये औजार और चप्पल छोड़ कर फरार हो गये । जिसे डायल 112 द्वारा जांच कर सुरक्षित रखा गया है। इस बाबत मुफ्फसिल थानाध्यक्ष ने बताया मामले की प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

वेद नारायण उच्च विद्यालय महमदपुर गड़खा में प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

गड़खा (सारण)। वेद नारायण उच्च विद्यालय, महमदपुर गड़खा में आयोजित प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर उत्साह एवं अनुशासनपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के विभिन्न महत्वपूर्ण गुरों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में विद्यालय की प्राचार्या नीलू कुमारी, स्काउट मास्टर अभिनास सिन्हा एवं गाइड कैप्टेन आकृति रचना के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्काउटिंग-गाइडिंग की मूलभूत जानकारी प्राप्त की। जिला मुख्यालय से पहुंचे प्रशिक्षक विकास कुमार एवं अभिषेक कुमार ने प्रतिभागियों को स्काउट-गाइड प्रतिज्ञा एवं नियम, ध्वज शिष्टाचार, मार्च-पास्ट, गांठ एवं बंधन, प्राथमिक उपचार, दिशा ज्ञान, संकेत एवं संचार, टेंट लगाने, शिविर जीवन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन तथा आपात स्थिति में बचाव के तरीकों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को समाजसेवा, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मअनुशासन और राष्ट्र सेवा के प्रति भी प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सीखे हुए कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्राचार्या नीलू कुमारी ने कहा कि स्काउटिंग-गाइडिंग बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और सेवा की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। शिविर के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षक महेश ठाकुर,विभु कुमार गिरि, शिक्षिका श्वेता तिवारी,दुर्गेश कुमारी,आरा प्रवीण,डॉली कुमारी एवं विद्यालय परिवार एवं जिला मुख्यालय की टीम ने सभी प्रशिक्षु स्काउट-गाइड को शुभकामनाएं दीं।

मोहम्मद साहब के जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

इसुआपुर । मोहम्मद साहब के जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर इसुआपुर ईदगाह परिसर में शनिवार को अरसद रहमानी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस अवसर पर मोहम्मद साहब के जन्मदिन को उत्सव के रूप में मनाने के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विचार विमर्श भी किया गया। बैठक में मौजूद स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि अजमल रहमानी, सैनिक कैंटीन के प्रबंधक पूर्व सैनिक एमडी वारिस सहित समिति के अन्य सदस्यों ने विभिन्न सुझाव दिए। वहीं आगामी कार्यक्रम की तैयारियों की बिन्दु वार समीक्षा की गई। बैठक में ईदगाह परिसर की साफ-सफाई, सजावट, रोशनी, पेयजल तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। जन्मोत्सव को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सदस्यों के बीच अलग-अलग जिम्मेदारियां भी तय की गईं। साथ ही अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आपसी भाईचारे एवं सद्भाव के साथ कार्यक्रम मनाने पर जोर दिया गया। बैठक में मौलाना इजहार अशरफ, मो. चांद अख्तर, हाफीज साबिर, बबलू अंसारी, मकबूल अंसारी, हाजी निजामुद्दीन, सूफी रियाजुद्दीन, नौशाद आलम सहित दर्जनों समिति के सदस्य मौजूद थे।

रोटरी क्लब का सावन मिलन उल्लास और उमंग के साथ सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। रोटरी क्लब द्वारा सावन मिलन समारोह का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम की चेयरमैन श्रीमती राखी सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। श्रीमती राखी सिंह ने सभी सदस्यों, अतिथियों एवं मुख्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। स्वागत भाषण रो. अपर्णा मिश्रा ने दिया तथा स्वागत गान की मधुर प्रस्तुति रो. प्रिया ने दी। मुख्य अतिथि के रूप में लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कामेश्वर राय एवं इनर व्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सरिता राय उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि का परिचय सुश्री पीहू प्रियदर्शिनी ने दिया। दोनों मुख्य अतिथियों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में डॉ. कामेश्वर राय ने रोटरी के सेवा कार्यों की सराहना की, वहीं श्रीमती सरिता राय ने सावन के उल्लास और नारी शक्ति पर अपने विचार रखे। सावन पर प्रकाश कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती किरण सहाय ने सावन मास के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उनकी प्रस्तुति में फिल्म बंदिनी के गीत पर दी गई प्रस्तुति ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन डॉ मृदुल कुमार शरण की प्रस्तुति ने भी खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा गया। लक्की ड्रॉ में रोटेरियन संजीव सिंह, पीहू प्रियदर्शिनी, रोटेरियन प्रिया और आर्या भाग्यशाली विजेता घोषित हुए। हाउस गेम्स* में श्रीमती सरिता राय, श्रीमती किरण सहाय, नमिता किशोर, सान्या सिंह एवं अपर्णा मिश्रा, प्रियदर्शिनी किशोर, नमिता किशोर, ने बाजी मारी। ने बेस्ट कपल अवॉर्ड में अपनी जीत को दर्ज किया। सावन बादशाह का खिताब पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. सुरेश प्रसाद सिंह ने जीता। बेस्ट ड्रेस कोड अवार्ड रोटेरियन रंजीत आर्या, सचिव अभिषेक हर्षवर्धन और श्रीमती अपर्णा मिश्रा को प्रदान किया गया। रोटरी परिवार के सभी युगलों को युगल सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रोटेरियन प्रो. डॉ. प्रमेन्द्र रंजन और डॉ. बबीता सिंह की युगल गायन प्रस्तुति ने खूब वाहवाही लूटी।

बेस्ट कपल अवार्ड

पूर्व अध्यक्ष डॉ. मृदुल कुमार शरण एवं आशा शरण पूर्व अध्यक्ष हिमांशु किशोर एवं प्रियदर्शिनी किशोर. पूर्व अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं किरण सहाय डॉ. प्रमेन्द्र रंजन सिंह एवं डॉ. बबीता सिंह पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी.के. सिन्हा एवं करुणा सिन्हा

संजीव सिंह एवं राखी सिंह
अध्यक्ष पुनीतेश्वर एवं प्रिया

बच्चों की प्रतिभा ने मोहा मन

रोटरी लेट्स ने अपनी प्रतिभा से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया:
- पीहू प्रियदर्शिनी - हारमोनियम वादन
- दीपाली किशोर - गिटार वादन
- प्रणित रुद्र - क्ले आर्ट
- सान्या सिंह - ड्रॉइंग
- आदिति आर्या - नृत्य प्रस्तुति

पट्टीपुल रेल फाटक के समीप सड़क सह बांध में तेजी से हो रहा कटाव, दर्जनों गांवों पर बाढ़ का खतरा

प्रात : किरण संवाददाता

दिघवारा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच माही नदी के जलस्तर में भी लगातार वृद्धि हो रही है। नदी में बढ़ते पानी के दबाव के कारण दिघवारा-शीतलपुर रेलवे स्टेशन के मध्य माही नदी से सटे पट्टी पुल रेलवे गुमटी नंबर 14 ए के दक्षिणी हिस्से में स्थित एप्रोच सड़क सह बांध पर तेजी से कटाव शुरू हो गया है। पिछले दो दिनों से कटाव में अचानक तेजी आने से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। यदि समय रहते कटावरोधी एवं मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यह सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर दर्जनों गांवों का सड़क संपर्क भंग कर सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, मालखचक, बरुआ, लक्ष्मीपुर ककड़ियां, फरहदा, मिल्की, पिपरा, रामदासचक, बारबन्ना समेत कई गांवों के लोगों के आवागमन पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। सड़क सह बांध के कटने की स्थिति में इन गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने का खतरा भी बढ़ जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि स्थिति बिगड़ने पर दिघवारा नगर पंचायत के कई वार्डों के साथ-साथ प्रखंड के दो दर्जन से अधिक गांव जलमग्न हो सकते हैं और मुख्य सड़क से उनका संपर्क टूट सकता है। रेलवे की ओर से सड़क काटे जाने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ माह पूर्व रेलवे द्वारा नई गुमटी के निर्माण से संबंधित कार्य के दौरान सड़क सह बांध के निचले हिस्से को जेसीबी से काटा गया था। ग्रामीणों ने उस समय भी इसकी शिकायत सोनपुर रेल मंडल के डीआरएम से की थी, लेकिन उनके अनुसार समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क सह बांध के निचले हिस्से में कटाव के कारण पानी का दबाव बढ़ते ही अब मिट्टी तेजी से बहने लगी है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से कटाव का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। यदि तत्काल मिट्टी भराई, बोल्डर पिचिंग अथवा अन्य आवश्यक बचाव कार्य नहीं किया गया तो स्थिति गंभीर हो सकती है। प्रशासन से तत्काल बचाव कार्य शुरू कराने की मांग ग्रामीणों ने बताया कि फिलहाल कटाव वाली जगह पर लगातार पानी का दबाव बना हुआ है। ऐसे में यदि कटाव इसी रफ्तार से जारी रहा तो महज कुछ दिनों में सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो सकता है। इससे न सिर्फ ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित होगा, बल्कि कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की आशंका भी है। इस मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने सारण जिलाधिकारी से भी गुहार लगाते हुए तत्काल स्थल का निरीक्षण कराने तथा आवश्यक बचाव कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और रेल प्रशासन को किसी बड़े हादसे या व्यापक जलजमाव का इंतजार करने के बजाय अभी से संयुक्त रूप से कार्रवाई करनी चाहिए।

परसा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

परसा ।आगामी 26 अगस्त को इस्लाम के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश (जन्म) इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने यानी रबीउल अव्वल की 12वीं तारीख को हुई थी ।अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक उनका जन्म 570 ईस्वी में मक्का शहर में हुआ था.इस पावन दिन को दुनिया भर के मुसलमान ईद-ए-मिलादुन्नबी के रूप में मनाते हैं.जिसको लेकर सारण जिला प्रशासन ने क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य सीओ अनुज कुमार के नेतृत्व मे परसा थाना परिसर में जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि समाजसेवी के साथ शनिवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गई. इस दौरान सीओ अनुज कुमार लोगों से अपील किया कि आपसी भाईचारे के साथ है पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौमे में पैदाइश मनाए. किसी भी अफवाह में नहीं पड़े. किसी तरह की सूचना मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें जिस पर पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी.साथ ही किसी भी तरह के जूल्स व कार्यक्रम आयोजित करना है तो लाइसेंस लेना अनिवार्य है. इस दौरान अपर थानाध्यक्ष दिलीप कुमार ने कहा कि आपसी सौहार्द के साथ त्यौहार को मनाए और एक दूसरे से आपसी सौहार्द बनाए रखें ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं घट सके.इस मौके पर एएसआई प्रमोद कुमार मेहता रंजीत कुमार सिंह मो हुसैन जफर अली मो आदम अली खुर्शीद आलम मो शमसुद्दीन नसीमुल हक मोइन अली मो मुश्ताक मो अरशद अली समेत दर्जनों जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि समाजसेवी उपस्थित थे ।

योगियां हाईस्कूल में शनिवारीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में कजरी महोत्सव

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर ।थाना क्षेत्र की असहनी पंचायत के रामनंदन हाईस्कूल योगियां में शनिवार को कजरी महोत्सव का आयोजन हुआ ।शनिवारीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में नौवीं से बारहवीं तक के छात्राओं ने भाग लेते हुए कजरी गीतों का गायन वाद्य वादन के साथ किया। झूला लागे कदम की डाढ़ी, झूले राधा नंद किशोर जैसे पारम्परिक कजरी गीतों का सामुहिक गायन छात्राओं ने किया। महोत्सव को सम्बोधित करते प्रधानाध्यापक लाल बाबू यादव ने कहा कि कजरी गायन हमारी भोजपुरी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है जो परम्परा के रूप में सावन महीने में मनाया जाता रहा है ।कजरी गायन हमारी खुशहाल सामाजिक जीवन जीने का एक संकेत है। प्रधानाध्यापक यादव ने कहा कि हर शनिवार को इस तरह की सांस्कृतिक कार्यक्रम की परम्परा स्कूलों में रही है इसे आगे भी जारी रखा जाएगा ।इसके लिए संगीत शिक्षक द्वारा छात्र छात्राओं को विशेष प्रशिक्षण देनी की जरूरत है। शिक्षक रामेश्वर गोप के नेतृत्व में कजरी गायन वादन में प्रीती कुमारी,कृति कुमारी ,खुशी कुमारी, तमन्ना,अर्पना,सलोनी,शालू ,नीशु पल्लवी आदि छात्राओं ने मुख्य रूप से भाग लिया ।संचालन शिक्षक प्रशान्त कुमार ने की ।मौके पर राजकुमारी,श्रेया,लूसी,विजय कुमार ,राजेश , मनोज , सामर्थ्य आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

इसुआपुर के बाबा लाल दास मठिया परिसर में अखंड अष्टयाम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर ।इसुआपुर बाजार स्थित बाबा लाल दास के मठिया परिसर में बाबा लाल दास कांवरिया संघ के तत्वावधान में अखंड अष्टयाम का आयोजन हुआ। पूर्व में पुरसौली गांव स्थित नहर से विधिवत जलभरी की गई। वहां से सैकड़ों की संख्या में कन्याओं, महिलाओं तथा पुरुष सदस्यों ने हाथ में कलश लिए हाथी घोड़े और गाजे बाजे के साथ हर हर महादेव, जय श्री राम, जय बजरंगबली के जयघोष साथ श्रद्धालु यज्ञस्थल पहुंचे। वहां आचार्य पंडित मिथिलेश चौबे, पुजारी नवल किशोर चौबे, अनिल तिवारी, सुदामा तिवारी, गौरव तिवारी, अशोक दुबे तथा श्रवण तिवारी के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अष्टयाम की शुरूआत हुई। मुख्य यजमान के रूप में समाजसेवी अरविंद सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी इंदू देवी थे। जलभरी जुलूस का नेतृत्व नवीन सिंह, रमेश राय, पूर्व मुखिया राजकिशोर सिंह, डॉ. उपेंद्र भक्त, जितेंद्र प्रसाद, भोला प्रसाद व अन्य ने किया। अष्टयाम के समापन के बाद रात्रि में व्यास सुरेंद्र सांवारका, बलिया एवं मंजय मसीहा, दरियापुर के बीज दुगोला मुकाबला होगा। वहीं बाबा बिंदेश्वर नाथ धाम शिव मंदिर परिसर सढ़वारा में भी सावन के पावन महीना में अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया है।

वन टाइम सेटलमेंट पूरा होने तक ईंट निमार्ता संघ नही होगे परेशान : मंत्री

● खनन मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी का मशरक मे हुआ भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। मशरक नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत महाराणा प्रताप चौक पर बिहार सरकार के खनन भूतत्व सह सूचना एवं कला सांस्कृतिक मंत्री डॉ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी का भव्य स्वागत ईंट निमार्ता संघ द्वारा किया गया। सारण जिला ईंट निमार्ता संघ के संरक्षक सह भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता मे मंत्री जी का स्वागत गाजे बाजे के साथ फुल माला पहनाकर किया गया ।मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष पप्पु कुमार सिंह ,महासचिव गजेन्द्र सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस दौरान मंत्री डॉ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि ईंट निमार्ता संघ द्वारा बकाए राशि जामा कराने के लिए वन टाइम सेटलमेंट की मांग की गयी है। बकाए राशि को लेकर कई लोगो पर एफआईआर हो गया था। इसको लेकर उन्होने कहा कि जब तक वन टाइम सेटलमेंट पूरी नही हो जाती तबतक कोई थानेदार किसी भी ईंट निमार्ता संघ को परेशान न करे। मिट्टी खनन के कुछ मामले मे कई बार पुलिस प्रशासन इन्हे परेशान करते है। जेनमिन काम हो उससे कोई दिक्कत नही है। उन्होने कहा कि ईंट निमार्ता को कोयला का बकाया राशि भी जल्द मिल जाए इसका प्रयास किया जा रहा है। मौके पर जिला ईंट निमार्ता संघ द्वारा अपनी मांगो का एक ज्ञापन मंत्री महोदय को सौंपा गया। जिसमे माइनिंग टैक्स मे वृद्धि को वापस किए जाने,लाल ईंट पर प्रतिबंध की समाप्ति,सरकारी दरो मे वृद्धि सहित 7 मांग शामिल है।

25 अगस्त को छपरा में जॉब कैंप, एलआईसी में 16 पदों पर होगी भर्ती

10वीं, 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर, 7,000 मासिक वेतन के साथ इंसेंटिव और बोनस

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ।जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार का बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा द्वारा 25 अगस्त 2026 को जॉब कैंप का आयोजन किया जाएगा। जॉब कैंप का आयोजन अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा के कार्यालय परिसर में पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक किया जाएगा। जॉब कैंप में लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ इंडिया छपरा द्वारा विभिन्न पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इसमें बीमा सखी के 15 पद तथा रिक्रूटमेंट मैनेजर के 1 पद, यानी कुल 16 पदों पर नियुक्ति का अवसर मिलेगा। ऐसे में जिले के बेरोजगार एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवक-युवतियों के लिए यह जॉब कैंप महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। 10वीं से स्नातक तक के अभ्यर्थी ले सकेंगे भाग नियोजनालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, जॉब कैंप में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी का 10वीं, 12वीं अथवा स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 7,000 प्रतिमाह वेतन के साथ इंसेंटिव एवं बोनस का भी प्रावधान है। चयनित अभ्यर्थियों का कार्यस्थल छपरा (सारण) रहेगा। ठउर पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी जॉब कैंप में भाग लेने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए नेशनल करियर सर्विस (NCS) पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थी स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण में किसी प्रकार की परेशानी होने पर अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा से संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही जॉब कैंप के दिन ऑन-स्पॉट पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इससे वैसे अभ्यर्थियों को भी भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिन्होंने पहले से ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराया है। पूरी तरह निःशुल्क है जॉब कैंप अवर प्रादेशिक नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि यह जॉब कैंप पूर्णतः निःशुल्क है। पंजीकरण अथवा जॉब कैंप में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। अभ्यर्थियों से किसी व्यक्ति या संस्था को नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे नहीं देने की अपील की गई है। प्रमाण-पत्रों के साथ समय पर पहुंचने की अपील नियोजनालय की ओर से योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे 25 अगस्त को निर्धारित समय पर अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा के कार्यालय परिसर में उपस्थित हों। अभ्यर्थी अपने आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों एवं अन्य संबंधित दस्तावेजों के साथ जॉब कैंप में भाग लें और उपलब्ध रोजगार अवसर का लाभ उठाएं। जिले में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए यह कैंप स्थानीय स्तर पर रोजगार पाने का महत्वपूर्ण अवसर है। विशेष रूप से 10वीं, 12वीं और स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

केशोपुर तटबंध के गैप का जिलाधिकारी ने लिया जायजा, बाढ़ से निपटने को प्रशासन कैंप मोड में

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ के मद्देनजर भोजपुर जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने शनिवार को बड़हरा प्रखंड के केशोपुर स्थित गंगा तटबंध का निरीक्षण किया। उन्होंने तटबंध में बने गैप की स्थिति का जायजा लेने के साथ महुली गंगा घाट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान जलस्तर, तटबंध की स्थिति और आसपास के क्षेत्रों की जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से ली। डीएम ने बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता को तटबंध की सुरक्षा के लिए सैंडबैग सहित अन्य जरूरी सामग्रियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति में बिना विलंब कार्रवाई करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि

वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन कैंप मोड में कार्य करेगा। सभी संबंधित विभाग पूरी तरह अलर्ट रहेंगे और आपसी समन्वय से काम करेंगे। आमजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तटबंध के गैप के तत्काल समाधान के साथ इसके स्थायी समाधान की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रखंड सभागार में बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा: निरीक्षण के बाद प्रखंड सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से संवेदनशील क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली गई। डीएम ने कहा कि संवेदनशील इलाकों में सतत निगरानी रखी जाए और सभी जरूरी संसाधन पहले से उपलब्ध रहें। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों समेत आम लोगों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। जरूरत पड़ने पर आवागमन के लिए नावों का परिचालन सुनिश्चित करने तथा नावों को पंचायतवार टैग कर पहले से उपलब्ध रखने को कहा गया। नाव परिचालन के दौरान सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने पीएचईडी को आवश्यकता के अनुसार पेयजल, चापाकल और अस्थायी शौचालय की व्यवस्था करने तथा राहत-बचाव के लिए जरूरी संसाधन तैयार रखने को कहा। साथ ही जनप्रतिनिधियों से स्थानीय संवेदनशील स्थलों और बाढ़ संबंधी समस्याओं की जानकारी प्रशासन को देने की अपील की। बैठक में सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता (आपदा), आरा एसडीओ, डीआरडीए निदेशक, प्रभारी पदाधिकारी आपदा, बड़हरा सीओ, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल आरा के कार्यपालक अभियंता समेत अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बाढ़ की आहट के बीच विधायक ने कसी प्रशासन की कमर नाव से लेकर दवा-चारे तक की तैयारी का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा और सोन नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बड़हरा विधानसभा क्षेत्र में संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शनिवार को बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने प्रखंड कार्यालय में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी इंतजाम समय रहते पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में बीडीओ निलेश कुमार, सीओ अंशु प्रसून समेत स्वास्थ्य, पशुपालन, खाद्य आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण, पीएचईडी, बिजली, एसडीआरएफ सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। विधायक ने सीओ को छोटी नावों की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने भोजपुर डीएम मनेष मीणा से

फोन पर बात कर दूसरे जिले से भी नाव मंगाने की बात कही। साथ ही कोईलवर के राजस्व पदाधिकारी को भी नाव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। विधायक ने पशुपालन विभाग को चिन्हित स्थानों पर पर्याप्त पशु चारा संग्रहित रखने तथा स्वास्थ्य विभाग को संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाने और पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। पीएचईडी से पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की जानकारी ली। बाढ़ नियंत्रण विभाग को गंगा के जलस्तर, तटबंधों और संभावित कटाव पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल कहीं कटाव की स्थिति नहीं है।

वहीं एसडीआरएफ की टीम को पूरी तरह मुस्तैद रहने तथा बिजली विभाग को आपूर्ति सुचारू रखने का निर्देश दिया गया। विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बड़हरा विधानसभा का बड़ा हिस्सा गंगा और कुछ गांव सोन नदी से घिरे हैं। हर वर्ष बाढ़ की आशंका बनी रहती है। इस बार दोनों नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, इसलिए समय रहते तैयारियां पूरी करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जहां भी तैयारी में कमी मिली है, उसे तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया गया है। डीएम समेत सभी संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क में हूं। जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री से भी वार्ता की जाएगी। क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। बैठक में शिक्षा पदाधिकारी विजय पांडेय, खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी हेमावती, स्वास्थ्य प्रबंधक शिव कुमार, बाढ़ नियंत्रण विभाग के अभियंता, बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम पांडेय, संजय कुमार सिंह, संतोष सिंह संटु, रंजीत गुप्ता, सौदागर बिंद, निशांत कुमार, मनोज सिंह, लल्लू सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली की करंट से दुकानदार की मौत

पानापुर (सारण) थाना क्षेत्र के सतजोरा बाजार के एक मिठाई दुकानदार की शनिवार की दोपहर करंट लगने से मौत हो गई।मृत दूकानदार सतजोरा गांव निवासी हरेंद्र साह का 42 वर्षीय पुत्र गणेश साह बताए जा रहे है।जानकारी के अनुसार गणेश साह शनिवार की दोपहर अपने दूकान पर पंखा सेट कर रहे थे इसी बीच वह विद्युत करेंट के चपेट में आकर अचेत हो गए।स्थानीय दूकानदारों एवं ग्रामीणों द्वारा आनन फानन में पानापुर सीएचसी में लाया गया।जहां मौजूद चिकित्सकों रा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।वही सूचना मिलने पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव कब्जे में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दिव्यांग बच्चों के विशेष शिविर में उमड़ी भीड़, 150 बच्चों ने कराया पंजीकरण

एकमा (सारण)। दिव्यांग बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को नगर पंचायत एकमा बाजार स्थित अलख नारायण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में संचालित डे केयर सेंटर पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों की भारी भीड़ उमड़ी।विभिन्न सुविधाओं का लाभ लेने के लिए कुल 150 बच्चों एवं अभिभावकों ने पंजीकरण कराया।शिविर में 6 से 18 वर्ष आयुवर्ग के दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं का आकलन किया गया।संसाधन शिक्षक दयाशंकर पांडेय एवं सुजीत कुमार ने बताया कि जिन बच्चों का यूडीआईडी (दिव्यांगता पहचान) कार्ड पहले से बना हुआ है, उनकी दिव्यांगता एवं आवश्यकता के आधार पर सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सूची तैयार की गई।वहीं, जिन बच्चों का अभी तक दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बना था, उनके अभिभावक फोटो, आधार कार्ड की प्रति, बैंक खाता की प्रति, मोबाइल नंबर सहित आवश्यक दस्तावेज लेकर शिविर में पहुंचे। ऐसे बच्चों की आवश्यक जांच एवं प्रक्रिया पूरी कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की कार्रवाई की गई।साथ ही उन्हें भी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सूचीबद्ध किया गया।शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित हुआ।निर्धारित समय पर बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंचे और शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया।शिविर में स्वास्थ्य जांच एवं दिव्यांगता से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की भी मौजूदगी रही।

सड़क पर वाहनों की पार्किंग करने वाले चालकों के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

दिघवारा।छपरा हाजीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर दिघवारा थाना क्षेत्र के पश्चिमी रेलवे क्रॉसिंग के समीप सड़क पर अतिक्रमण करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ दिघवारा पुलिस ने कार्रवाई की है. शनिवार की देर शाम अपर थानाध्यक्ष भरत साह ने सड़क पर वाहन खड़ा करने वाले टेंपो और टोटो चालकों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया और कई वाहनों का चालान भी काटा.पुलिस की इस कार्रवाई से टेम्पू चालकों में हडकंप देखा गया. श्री साह ने चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि पश्चिम रेलवे ढाला के दोनों तरफ सड़क किनारे टेंपो और टोटो खड़ा करने वाले चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी एवं दोषियों का चालान भी काटा जाएगा. आपको बता दें कि दिघवारा पश्चिम रेलवे क्रॉसिंग के समीप दोनों तरफ टेंपो व टोटो चालकों द्वारा दिन भर सड़क पर वाहनों को खड़ा कर यात्रियों को बैठाया जाता है.इतना ही नहीं यहां पर चालकों की मनमानी दिखती है और आधे से अधिक सड़क पर टेंपो चालक वाहनों को खड़ा करते हैं. ऐसी स्थिति में रेलवे क्रॉसिंग खुलने पर संकीर्ण सड़क से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसके कारण आम यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अयोध्या घूमने निकले बुजुर्ग भटकते-भटकते पहुंचे कोइलवर, ग्रामीणों की पहल से 10 दिन बाद परिवार से मिले

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अयोध्या घूमने निकले पूर्वी चंपारण के एक बुजुर्ग रास्ता भटकने के बाद सैकड़ों किलोमीटर दूर भोजपुर के कोइलवर पहुंच गए। अनजान जगह, अनजान लोग और परिवार से कोई संपर्क नही लेकिन कोइलवर के बड़का चंदा गांव के तीन लोग रवि,समीर और संजय यादव ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए बुजुर्ग को न सिर्फ अपने यहां ठहराया बल्कि उनके परिवार तक पहुंचने का रास्ता भी खोज निकाला। करीब 10 दिन से परिवार से बिछड़े बुजुर्ग आखिरकार शनिवार को अपने परिजनों से मिल गए। मिली जानकारी के अनुसार पूर्वी चंपारण जिले के चिरनी गांव निवासी धुपलाल राम के पुत्र सुशील कुमार अयोध्या घूमने गए थे। इसी दौरान वह रास्ता भटक गए और भटकते-भटकते भोजपुर जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र के बड़का चंदा गांव पहुंच गए। गांव में उन्हें परेशान हालत में देखकर स्थानीय लोगों

ने सहारा दिया। ग्रामीणों ने उन्हें अपने यहां रखा, खाना खिलाया और आराम कराया। इसके बाद ग्रामीणों ने बुजुर्ग से उनके घर और थाना क्षेत्र के बारे में जानकारी ली। जब परिजनों तक सीधे संपर्क नहीं हो सका तो स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाते हुए पूर्वी चंपारण के संबंधित थाने से संपर्क किया गया। वहां से गांव के सरपंच का मोबाइल नंबर लिया गया। सरपंच के माध्यम से वार्ड सदस्य का नंबर मिला और फिर वार्ड सदस्य की मदद से बुजुर्ग के परिजनों से संपर्क स्थापित हुआ। परिजनों ने वीडियो कॉल के जरिए बुजुर्ग की पहचान की। पहचान की पुष्टि होने के बाद परिवार के लोग शनिवार को बड़का चंदा गांव पहुंचे। लंबे इंतजार के बाद अपने परिजन को सामने देखकर परिवार के लोगों की आंखें नम हो गई। ग्रामीणों ने बुजुर्ग को उनके परिजनों के हवाले कर दिया। बुजुर्ग के परिवार के लिए यह सिर्फ एक बिछड़े सदस्य के वापस मिलने की खुशी नहीं थी बल्कि अनजान लोगों के बीच मिली इंसानियत का भी भावुक कर देने वाला अनुभव था। जिस व्यक्ति को रास्ते में कोई अपना नहीं मिल रहा था, उसे कोइलवर के ग्रामीणों ने अपना समझकर सहारा दिया और आखिरकार परिवार से मिला दिया। ग्रामीणों की इस पहल की आसपास के लोगों ने भी सराहना की।

विश्वविद्यालयों की लंबित डिग्री-अंकपत्र 30 सितंबर तक पोर्टल पर होंगे अपलोड

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा समेत बिहार के 17 विश्वविद्यालयों के लंबित डिग्री, अंकपत्र और अन्य शैक्षणिक अभिलेख अब 30 सितंबर तक राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार एवं शैक्षणिक क्रेडिट बैंक पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। इस संबंध में राज्य सरकार के स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्णय का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक दस्तावेज डिजिटल रूप में उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें डिग्री और अंकपत्र प्राप्त करने के लिए बार-बार विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज का चक्कर नहीं लगाना पड़े। राज्य के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक

अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।विश्वविद्यालयों की प्रगति की समीक्षा अब प्रत्येक 15 दिन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। वहीं, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के शैक्षणिक अभिलेखों के अपलोड की प्रगति की भी प्रत्येक सप्ताह समीक्षा होगी।बैठक में राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार एवं शैक्षणिक क्रेडिट बैंक के राष्ट्रीय समन्वयक ने बताया कि बिहार की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए लंबित शैक्षणिक अभिलेखों के डिजिटलीकरण और अपलोड की प्रक्रिया तेज की जा रही है। 30 सितंबर तक अपलोड किए जाने के बाद पोर्टल को एक सितंबर से 31 अक्टूबर तक दोबारा खोला जाएगा, ताकि विश्वविद्यालय आवश्यक अभिलेख अपलोड कर सकें। पुराने हस्तलिखित और कागजी अभिलेखों को डिजिटल स्वरूप में बदलने के लिए विश्वविद्यालयों को उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से आवश्यक कर्मी उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे वीकेएसयू के भी लंबित अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। डिजिटल शैक्षणिक अभिलेख उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, रोजगार और विदेश में अध्ययन के लिए दस्तावेज आसानी से प्राप्त और सत्यापित कराने की सुविधा मिलेगी।

भूमि विवाद : सुनवाई में मौके पर पांच मामलों का किया निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। बिहार सरकार के निर्देश पर शनिवार को कोईलवर अंचल कार्यालय में भूमि विवादों के त्वरित समाधान के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। राजस्व अधिकारी राज भूषण सिंह ने भूमि विवाद के सात मामलों की सुनवाई की। इनमें अधिकांश मामले दखल-कब्जा से संबंधित थे।

चांदी थाना क्षेत्र के एक मामले में अशोक साव और छोटन यादव ने एक ही भूमि पर अपना-अपना दावा किया। इस मामले में राजस्व अधिकारी ने राजस्व कर्मचारी को जांच कर अगली तिथि पर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। पांच मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि न्यायालय में लंबित एक मामले में दोनों पक्षों को अदालत के निर्णय तक शांति बनाए रखने की सलाह दी गई। इसके अलावा दाखिल-खारिज के छह मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें पांच का निष्पादन कर दिया गया।

राजस्व अधिकारी राज भूषण सिंह ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार को जनता दरबार लगाकर भूमि विवादों का निष्पक्ष एवं त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से आपसी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने और विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करने की अपील की।

बीसीए और बीबीए में दाखिला लेने के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज आरा में शैक्षणिक सत्र (2026-2029) बीसीए और बीबीए के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई ककॉलेज की प्राचार्य प्रो. मीना कुमारी ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया कउन्होंने बताया कि जल्दी ही परिणम जारी कर मेधा सूचि के आधार पर नामांकन लिया जाएगा कबीसीए समन्वयक डॉ. राकेश कुमार रंजन और बीबीए समन्वयक डॉ. अभिनव आनंद के अनुसर परीक्षा एक घंटे की थी कुल 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए कबीसीए शिक्षक राकेश कुमार और रवि रंजन पाठक ने बताया कि 60 सीटो के लिए लगभाग सैकड़ो आवेदन प्राप्त हुए थे क

वही बीबीए शिक्षक मुकेश कुमार सिन्हा, संजय सिंह और रवीन्द्र नारायण राय, सहायक राकेश कुमार तिवारी के अनुसार परीक्षा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

सांसद सुदामा प्रसाद ने सहार में किया जनसंवाद, ग्रामीणों ने रखीं समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। आरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुदामा प्रसाद शनिवार को सहार प्रखंड मुख्यालय स्थित जनप्रतिनिधि भवन में जनसंवाद कार्यक्रम किया।जनसंवाद के दौरान संसदीय क्षेत्र के लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान ग्रामीणों को सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खाद की उपलब्धता सहित सरकारी योजनाओं के लाभ से जुड़ी समस्याएं सांसद के समक्ष रखी गई।सांसद लोगों की समस्याओं को

सुनने के बाद उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से आवश्यक पहल करने की बात की। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्सुकता देखी गई। स्थानीय स्तर की समस्याओं को सीधे सांसद के समक्ष रखने के लिए बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में पहुंचे।

महाराजा हाता में खुला थोक एवं फुटकर बिक्री डीलिंग काउंटर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शहर के महाराजा हाता, गली नंबर-02 स्थित पुरुष परिधानों के प्रतिष्ठान इप्सित मेंस वियर के थोक एवं फुटकर बिक्री डीलिंग काउंटर का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। भवन एवं पथ निर्माण विभाग के संवेदक गणेश कुमार पाण्डेय ने फीता काटकर नए डीलिंग काउंटर का उद्घाटन किया।

समारोह में एस.बी कॉलेज, आरा की प्रधानाचार्य प्रो. मीना कुमारी, महाराजा कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रो. कनक लता कुमारी, प्रो. चंचल पाण्डेय, पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. पूनम कुमारी, डॉ. साधना रावत, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, डॉ. राधिका रमण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने मिश्रा भाइयों को प्रतिष्ठान की नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं।वक्ताओं ने कहा कि पुरुष परिधानों के क्षेत्र में थोक एवं फुटकर बिक्री की सुविधा मिलने से ग्राहकों और कारोबारियों को बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे। उद्घाटन समारोह में शहर के छात्र नेता, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, कर्मचारी एवं व्यवसायी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठान परिसर में उत्सवी माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने संचालकों को नई व्यावसायिक पहल के लिए बधाई दी। अंत में संचालक पक्ष ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार जताया।

वंदे मातरम् पर टिप्पणी शर्मनाक कांग्रेस को देश की संस्कृति और संस्कार से कोई मतलब नही: पूर्व मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास जिले के डेहरी में बिहार सरकार के पूर्व श्रम संसाधन मंत्री एवं भाजपा टछउ संतोष कुमार सिंह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव एवं डेहरी विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी रहे जितेंद्र कुमार उर्फ रिंकू सोनी की माता के निधन के बाद आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने पहुंचे पूर्व मंत्री संतोष सिंह ने राहुल गांधी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्र साहिल के थाने में दर्ज कराए गए त्रक्र्र को लेकर कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने

कहा कि छात्रों की आड़ में राहुल गांधी और कांग्रेस सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि राहुल गांधी मानसिक रूप से परेशान हैं और उन्हें किसी अच्छे अस्पताल में इलाज कराने की जरूरत है। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अगर भारत में कोई अच्छा मानसिक रोग अस्पताल नहीं है तो इटली उनका मामा का घर है और उन्हें इटली जाकर किसी अच्छे डॉक्टर से इलाज कराना चाहिए। वहीं कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम् के केवल दो छंद गाए जाने के फैसले पर भी पूर्व मंत्री संतोष सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भारत की संस्कृति,सभ्यता और संस्कार से कोई मतलब नहीं है। वंदे मातरम के दो छंद गाने की बात तो दूर उस पर टिप्पणी करना ही शर्मनाक है। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश के एक बड़े समुदाय का उपहास करने और भारत की राजनीतिक संस्कृति एवं संस्कारों का अपमान करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति भारत की संस्कृति, सभ्यता और संस्कार में विश्वास करता है उसके लिए वंदे मातरम् पर टिप्पणी करना भी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

समर्थ पोर्टल से जुड़ेगा वीकेएसयू का ग्रीवांस सेल, 25 अगस्त से शुरू होगी नई व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में डिजिटल व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विश्वविद्यालय के ग्रीवांस सेल (शिकायत निवारण कोषांग) को अब समर्थ पोर्टल से जोड़ा जा रहा है। नई व्यवस्था को 25 अगस्त से आधिकारिक रूप से लागू करने की तैयारी है। इसके माध्यम से विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और आम लोग विश्वविद्यालय से संबंधित अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे। समर्थ पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बाद शिकायतकर्ता अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। इससे शिकायत निवारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। शिकायतों के निस्तारण की पूरी प्रक्रिया की ऑनलाइन मॉनिटरिंग होने से लंबित मामलों पर भी विश्वविद्यालय प्रशासन की नजर रहेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शिकायतकर्ताओं को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार विश्वविद्यालय कार्यालय का चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। संबंधित अधिकारियों के स्तर पर शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई और उसका समाधान किस स्थिति में है, इसकी जानकारी पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए पहले से ही कई महत्वपूर्ण कार्य समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। छात्र-छात्राओं के नामांकन की प्रक्रिया पोर्टल से संचालित हो रही है। वहीं शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए छुट्टी से संबंधित विवरण भी समर्थ पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। इसी क्रम में 25 अगस्त को एसबी कॉलेज, आरा से संबंधित छात्रों की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन की यह पहल विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

श्रावणी मेले की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। सिसवन रामगढ़ पंचायत के मेंहदार स्थित ऐतिहासिक बाबा महेन्द्रनाथ धाम में आयोजित श्रावणी मेले को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी विजय कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात, पेयजल, साफ-सफाई एवं चिकित्सा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मेला शांतिपूर्ण एवं

सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से शेरपुर- दिघवारा सिक्स लेन पुल निर्माण प्रभावित

प्रात : किरण संवाददाता

दिघवारा। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर का असर अब निर्माणाधीन दिघवाराझशेरपुर सिक्स लेन सड़क पुल के निर्माण कार्य पर भी पड़ने लगा है। शनिवार को पुल निर्माण कंपनी के बेस कैंप के आसपास गंगा का पानी प्रवेश करने लगा,जिससे निर्माण कार्य की रफ्तार धीमी पड़ गई है। जलस्तर बढ़ने के कारण निर्माण सामग्री ले जाने के लिए बनाई गई अस्थायी सड़क भी पानी में डूबने लगी है, जिससे भारी वाहनों और मशीनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। पुल निर्माण से जुड़े क्रेन, जेसीबी, ट्रक, कंक्रीट मिक्सर समेत अन्य महंगे उपकरणों को सुरक्षित रखने के लिए ऊंचे स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी लगातार जलस्तर पर नजर बनाए हुए है और संभावित बाढ़ को देखते हुए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। इधर, गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से तटीय क्षेत्रों में भी खतरा बढ़ गया है। चकनूर, सैदपुर और आमी के निचले इलाकों में पानी प्रवेश करना शुरू हो गया है। वहीं दिघवारा के आमी से लेकर रामदासचक तक गंगा का दबाव लगातार बना हुआ है, जिससे नदी किनारे बसे गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गंगा के जलस्तर में इसी गति से बढ़ोतरी जारी रही, तो आने वाले दिनों में कई गांवों और निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर सकता है। खेतों में पानी भरने की आशंका भी बढ़ गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। प्रशासन भी गंगा के बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर रखे हुए है। तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। जलस्तर में और वृद्धि होने पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा और राहत की तैयारी शुरू की जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

20 अगस्त के डाक जीवन बीमा महा अभियान में गया डाक मंडल पूरे बिहार में नंबर वन रहा

गया जी ।डाक निदेशालय द्वारा 20 अगस्त को पूरे देश में डाक जीवन बीमा (ढछक) अभियान का आयोजन किया गया था जिसमें गया डाक मंडल ने 1 दिन में 1250 नई पॉलिसी के साथ 1.59 करोड़ प्रीमियम जमा करवाकर पूरे बिहार परिमंडल में पहला स्थान हासिल किया है ।प्रवर डाक अधीक्षक श्री अंशुमान के निर्देशन एवं वरीय डाकपाल, गया प्रधान डाकघर, सहायक डाक अधीक्षक, डाक निरीक्षकों एवं विकास अधिकारी के अगुआई में गया डाक मंडल के डाककर्मी और डाक सेवकों ने गया के 1250 परिवारों को डाक जीवन बीमा से लाभान्वित किया है ।डाक जीवन बीमा भारत सरकार की सबसे पुरानी एवं सबसे बेहतर जीवन बीमा है जो डाकघर द्वारा चलाई जाती है। पीएल आई में कम प्रीमियम में अधिक बोनस का लाभ ग्राहकों को मिलता है ।बचत बोनस और बीमा तीनों एक ही योजना में ।चूंकि यह केंद्र सरकार द्वारा समर्थित योजना है इसलिए यहां बीमा धारकों का पैसा पूर्ण रूप से सुरक्षित है ।डाक जीवन बीमा अच्छा रिटर्न के साथ आपके जीवन का रिस्क भी कवर करता है ।गया जिले के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त करने और उनके परिवारों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक घर को इसके तहत लाया जाएगा।

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा वार्ड नं 12 में बचत खाता शिविर सोमवार को

गया जी ।गया नगर निगम वार्ड पार्षद डिम्पल कुमार द्वारा सोमवार को न्यू एरिया गया जी वार्ड पार्षद आवास पर पंजाब नेशनल बैंक द्वारा खाता खोलने,जीरो बैलेंस खाता, पंजाब नेशनल बैंक की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है ।सभी वार्ड की जनता इस सेवा का लाभ उठाए।अपना आधार ,पेन कार्ड,एक फोटो लेकर शनिवार कि सुबह ग्यारह बजे से आए और तुरंत खाता खोलाए की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है डिम्पल कुमार ने दी।

जिप उपाध्यक्ष ने बाबा बैद्यनाथ धाम एवं बाबा बासुकीनाथ धाम में परिवार संग किया जलाभिषेक

गया जी। बाबा बैद्यनाथ धाम एवं बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचकर जिला परिषद उपाध्यक्ष सह समाज सेवी शितल प्रसाद यादव ने अपने परिवार के साथ देवधर बाबा मनोकामना महादेव एवं बाबा बासुकिनाथ में विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा का जलाभिषेक किया है। बाबा से समस्त जिला वासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की है। बोल बम के जयकारों से पूरा धाम भक्तिमय रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर बाबा का जलाभिषेक करते नजर आए।

चौरसिया समाज के सावन मिलन समारोह में केन्द्रीय मंत्री होंगे शामिल

गया जी ।जिला के सभी चौरसिया समाज के सभी सम्मानित परिवार को 23/08/2026 दिन रबिबार को धर्म सभा पिरमंसूर रोड चंद्रा स्टूडियो के सामने बड़े धूम धाम से मनाया जा रहा है ।जिसमे मुख्य अथिति केंद्रीय मंत्री सह गया सांसद म जीतन राम मांझी, उद्घाटन कर्ता रमेश लखु चौरसिया, डॉ रणधीर चौरसिया, डॉ विक्रम चौरसिया, रवि चौरसिया उपस्थित होंगे ।इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य चौरसिया समाज का गया जी शहर मे एक अपना धर्मसाला हो और राजनीतिक मे भागीदारी मिले, जो करेगा चौरसिया का सम्मान, चौरसिया समाज करेगा उसे सम्मान,. जिला सलाहकार चंद्र शेखर चौरसिया,अध्यक्ष अनुज चौरसिया, सचिब शशि चौरसिया, विवेक चौरसिया, दीपक चौरसिया युवा अध्यक्ष त्रिपुरारी चौरसिया,, महिला अध्यक्ष रिंकी चौरसिया,महेन्द्र चौरसिया, डॉ सिया राम चौरसिया, पंकज चौरसिया, सुबोध चौरसिया इन सभी क उपस्थिति मे आमंत्रित दिया गया।

पीबीएल के राज्य स्तरीय कार्यशाला में सम्मानित हुए मुजफ्फरपुर जिले के डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (ढइछ) के विद्यालय स्तर पर प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के तत्वावधान में 20 एवं 21 अगस्त को पटना में दो दिवसीय राज्य स्तरीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की गई है। इस कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान विषय में पीबी एल आधारित परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जिलों की उत्कृष्ट कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान तथा तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन को मजबूत करना था। कार्यशाला में बिहार के 38 जिलों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की है। मुजफ्फरपुर से जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार एवं कुमार अभिषेक शामिल हुए हैं।

इस कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गार्गी कुमारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया है। इस अवसर पर उपनिदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना संजय कुमार, सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार चंदन द्विवेदी तथा राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना कौशल किशोर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पीबी एलके प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपसी सीख-साझाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मंत्रा फॉर चेंज की टीम द्वारा किया गया है ।इसङ्गकार्यशाला के क्रम में प्रतिभागियों से बिहार के ऐसे दो जिलों की अनुशंसा करने को कहा गया, जहां ढइछ के क्रियान्वयन में अपनाई जा रही कार्य-पद्धतियां अन्य जिलों के लिए उपयोगी एवं अनुकरणीय रही हों। इस प्रक्रिया में मुजफ्फरपुर जिले को सर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त हुई है। इसके आधार पर जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार एवं कुमार अभिषेक को ह्यसर्वाधिक अनुशंसा प्राप्त सम्मानह्न श्रेणी में प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है ।मुजफ्फरपुर को मिली इस मान्यता के पीछे जिले में पूर्व से विकसित मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ), तकनीकी सहयोग, सतत अनुश्रवण एवं समयबद्ध कार्य-पद्धति प्रमुख रही है। जिले ने एस औ पी के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से जुलाई माह में निर्धारित 31 जुलाई की समय-सीमा से पहले ही 20 से 25 जुलाई के बीच सभी 1,386 विद्यालयों में पी बी एल आधारित माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट एम आइ पी का दिक्षा एप पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर पूरे बिहार में डिक्षा एप पर पीबी एलआधारित एम आई पी को सबसे पहले शत-प्रतिशत पूरा करने वाला पहला जिला बना है।

जिले के लिए विकसित रडढ के निर्माण में मुजफ्फरपुर के पूर्व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर, सुजीत कुमार दास, जिला तकनीकी दल के नेतृत्वकर्ता केशव कुमार आदि थे।

ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल में कला प्रदर्शनी का मगध आयुक्त एवं प्रसिद्ध लेखिका ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से भव्य आर्ट एग्जिबिशन ह्यकलाकृतिह्न का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा तैयार की गई विभिन्न पेंटिंग्स और कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है ।इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मगध प्रमंडल की आयुक्त ए.एन. सफीना तथा प्रसिद्ध लेखिका डॉ. तिश्या श्री शामिल हुईं। दोनों अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की कलाकृतियों की सराहना की है।

इस मौके पर मगध प्रमंडल की आयुक्त ए.एन. सफीना ने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और कल्पनाशीलता को सामने लाने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना बेहद जरूरी है। कला बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल की प्रिंसिपल मधु प्रिया ने बताया कि स्कूल में विद्यार्थियों की प्रतिभा को सामने लाने के उद्देश्य से आर्ट एग्जिबिशन का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर या आईएएस बने, यह जरूरी नहीं है। यदि किसी बच्चे में कला की प्रतिभा है, तो वह एक सफल आर्टिस्ट बनकर भी अपने जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकता है। बच्चों की रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उसी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

वहीं, डॉ. तिश्या श्री ने कहा कि आर्ट एग्जिबिशन में बच्चों की प्रतिभा देखकर उन्हें काफी खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में बच्चों ने बेहद शानदार और रचनात्मक कलाकृतियां प्रस्तुत की हैं। डॉ. तिश्या श्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह स्वयं डॉक्टर हैं, लेकिन कला के प्रति अपने शौक और रुचि को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने डॉक्टर के पेशे से अलग अपने जुनून को महत्व दिया।

सखी वन स्टॉप सेंटर ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

प्रात: किरण संवाददाता

इमामगंज। शनिवार को महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर, शेरघाटी की ओर से 10+2 प्रोजेक्ट कन्या इंटर उच्च विद्यालय, इमामगंज के परिसर में किशोरियों एवं महिलाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़े कानूनों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं एवं महिलाओं को संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार, लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह एवं दहेज प्रथा की रोकथाम तथा साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गई।

साथ ही 24 घंटे उपलब्ध महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवाओं और सखी वन स्टॉप सेंटर की विभिन्न सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

प्रतिभागियों को बताया गया कि हिंसा या उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से अस्थायी आश्रय, चिकित्सकीय सहायता, मनोसामाजिक परामर्श, पुलिस सहायता और कानूनी सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती है। संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल और समन्वित सहायता उपलब्ध कराना केंद्र का प्रमुख उद्देश्य है।

वक्ताओं ने किशोरियों से शिक्षा को प्राथमिकता देने और आत्मविश्वास के साथ अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। कार्यक्रम में केंद्र प्रशासक प्रिया कुमारी, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य योगेंद्र माली, शिक्षक सुदर्शन कुमार, परमानंद सिंह, बिगन पासवान सहित शिक्षिकाएं एवं छात्राएं मौजूद रहीं। अंत में सभी ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर 79 बुजुर्गों का मेगा हेल्थ कैंप में स्वास्थ्य परीक्षण

■ वरिष्ठतम नौ नागरिकों को मोमेंटो व अंगवस्त्र देकर किया गया सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी ।विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस-2026 के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) एवं एपीआई गया शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आईएमए भवन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेगा हेल्थ कैंप एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। शिविर में करीब 79 वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ईसीजी, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श व उपचार दिया। इस दौरान जरूरतमंदों के बीच दवाओं का भी वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक चला है ।आईएमए अध्यक्ष डॉ. विश्व विजय सिंह एवं एपीआई चेयरमैन डॉ. नीरज कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने खान-पान पर विशेष ध्यान देने, नियमित दिनचर्या बनाए रखने तथा प्रतिदिन कम से कम 20 से 40 मिनट व्यायाम करने की बात कही है। चिकित्सकों ने उम्र बढ़ने के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच को जरूरी बताया है ।इस कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले वरिष्ठतम नौ नागरिकों को मोमेंटो एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें 85 वर्षीय बिजली कर्मचारी श्याम किशोर आर्य, 84 वर्षीय विद्वान परिषद अध्यक्ष लाल भूषण मिश्रा, 82 वर्षीय एंबुलेंस चालक मोहम्मद नसीमुद्दीन, 81 वर्षीय प्रोफेसर डीकेपी वर्मा, 78 वर्षीय सफाई कर्मी बबन राम, 77 वर्षीय समाजसेवी रामेश्वर प्रसाद यादव, 76 वर्षीय शिक्षक नरेंद्र कुमार सिंह, 75 वर्षीय वरिष्ठ अधिवक्ता राज बल्लभ सिंह तथा 73 वर्षीय उर्दू शिक्षक टीएच खान शामिल रहे हैं ।शिविर में डॉ. डीके सहाय, डॉ. उमेश कुमार वर्मा, डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. राजेश्वर शर्मा, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अबु हुरैरा एवं दंत चिकित्सक डॉ. करुनेश कुमार ने चिकित्सा सेवा प्रदान की। सचिव डॉ. विमलेन्दु विमल ने उपस्थित चिकित्सकों एवं विभिन्न दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. बिनय कृष्ण सिंह, डॉ. एलएम सिंह एवं डॉ. रामसेवक प्रसाद आदिथे

23 अगस्त को निकलेगी श्री विष्णु धाम से श्री बैजूधाम तक दूसरी कांवर यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। श्री हरिहर कांवरिया संघ एवं श्री शिव नारायण सेवा संस्थान, गयाजी के संयुक्त तत्वावधान में श्री विष्णु धाम से श्री बैजूधाम गुरुआ तक निकलने वाली दूसरी कांवर यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कांवर यात्रा का शुभारंभ 23 अगस्त, रविवार को सुबह 6 बजे किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में संस्थापक डॉ. रमेश कुमार एवं युवा व्यवसायी तोषण मैतीन ने बताया कि लगातार तीन वर्षों से डॉ. रमेश कुमार के नेतृत्व में कांवर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष पहली कांवर यात्रा 9 अगस्त को निकाली गई थी, जबकि दूसरी कांवर यात्रा 23 अगस्त को निकाली जाएगी।

तोषण मैतीन ने बताया कि कांवर यात्रा में शामिल सभी कांवरियों की सुविधा के लिए मार्ग में पांच से छह स्थानों पर फलाहार, शर्बत एवं पेयजल की व्यवस्था की गई है। बाबा बैजूधाम पहुंचकर जलाभिषेक के बाद कांवरियों के लिए भंडारे की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही कांवरियों की सुरक्षित घर वापसी के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं ।उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी रहेगी, ताकि किसी कांवरिया को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल सहायता मिल सके। आयोजकों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सुखद कांवर यात्रा कराना है।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कांवर यात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाने तथा भगवान विष्णु एवं भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया में नए सत्र 2026-27 का भव्य पद स्थापना समारोह का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।इनर व्हील क्लब ऑफ गया, डिस्ट्रिक्ट 325 द्वारा नए सत्र 2026-27 के लिए भव्य पद स्थापना समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पीआईआईडब्ल्यू एडिटर एंड मीडिया मैनेजर प्रभा रघुनंदन थीं।

इस समारोह में नए सत्र के सभी पदाधिकारियों को बैच पहनाकर उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं हैं। नए सत्र के लिए प्रेसिडेंट आभा सिंह, वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर मंजू सिन्हा, सेक्रेटरी राखी भदानी, ट्रेजरर शीतल गुप्ता, आईएसओ प्रतिभा गुप्ता तथा एडिटर डॉली सिंह ने अपने-अपने पद की जिम्मेदारी संभाली है।

इस अवसर पर पास्ट प्रेसिडेंट पी ए एस दुर्बा सहाय ने आगामी प्रेसिडेंट आभा सिंह को कॉलर पहनाकर उन्हें नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं है।

मुख्य अतिथि प्रभा रघुनंदन ने अपने संबोधन में इनर व्हील के गौरवशाली इतिहास, इसकी परंपराओं और सेवा भावना के बारे में सदस्यों को विस्तार से जानकारी दी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से एकजुट होकर, आपसी सहयोग और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि क्लब समाजसेवा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य कर सके।

उन्होंने विशेष रूप से ऑरेंज डे के महत्व पर प्रकाश डाला, जो महिलाओं के विरुद्ध हिंसा और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि गया में आयोजित होने वाली ऑरेंज डे रैली को गया की सबसे बड़ी और प्रभावशाली रैली बनाया जाए तथा सभी सदस्य एकजुट होकर इसमें सक्रिय भागीदारी करें।

प्रभा रघुनंदन ने नए सत्र के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल के लिए अपनी बेस्ट विशेज (शुभकामनाएँ) दीं है। उनका प्रेरणादायक संबोधन सभी सदस्यों के लिए उत्साह और नई ऊर्जा से भर देने वाला रहा है।

नए सत्र की शुरूआत उत्साह, एकजुटता और सेवा के संकल्प के साथ हुई। इनर व्हील क्लब ऑफ गया ने आने वाले वर्ष में समाज के लिए और अधिक सार्थक एवं प्रेरणादायक कार्य करने का संकल्प लिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर शेरघाटी में बैठक अधिकाधिक वादों के निष्पादन पर दिया गया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के निदेशानुसार आगामी 9 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर शनिवार को अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, शेरघाटी के तत्वावधान में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम-सह-अध्यक्ष, अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, शेरघाटी, लवकुश कुमार ने की।

बैठक में वन विभाग के रेंजर, माप-तौल पदाधिकारी, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, बीएसएनएल पदाधिकारी, माइंस एंड मिनरल्स इंस्पेक्टर, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी समेत विभिन्न विभागों एवं बैंकों के पदाधिकारी शामिल हुए। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक और यूको बैंक के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

इस दौरान राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष लवकुश कुमार ने सभी संबंधित विभागों एवं बैंकों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभाग से जुड़े सुलह योग्य एवं लंबित मामलों को चिन्हित करें।

साथ ही संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस जारी कर लोक अदालत में उपस्थित कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम लोगों को सुलभ, त्वरित और कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। इसमें पक्षकार आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर विवादों का समाधान करा सकते हैं। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में भी मदद मिलती है।

गुलनार नि:शुल्क महिला सिलाई सेंटर में दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रतियोगिता संपन्न, पुरस्कार वितरण 25 अगस्त को

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।गुलनार नि:शुल्क महिला सिलाई सेंटर में रक्षाबंधन के पावन पर्व के मद्देनजर 21 अगस्त से आयोजित दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रतियोगिता का समापन शनिवार को बेहद उत्साहजनक माहौल में हुआ. प्रतियोगिता के अंतिम दिन प्रतिभागियों का जोश चरम पर था और बड़ी संख्या में युवतियों व महिलाओं ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है. दो दिनों तक प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी अद्भुत रचनात्मकता और कौशल का परिचय दिया है। रेशमी धागों, मोतियों, जरी, कुंदन, ऊन, गोटा-पत्ती और चमकीले सितारों जैसी विभिन्न सामग्रियों का उपयोग कर सभी ने बेहद कलात्मक और खूबसूरती के साथ अपने भाइयों के लिए आकर्षक राखियां तैयार कीं। बहनों का उत्साह यह बता रहा था कि हुनरमंद हाथों ने किस खूबी से परंपरा और आधुनिकता का मेल किया है।

इस दौरान कई बहनों ने अपने हाथों से बनी इन सुंदर राखियों को व्यवसायिक रूप से बिक्री करने का निर्णय लिया है, ताकि वे आत्मनिर्भर बान सकें। वहीं, कई बहने इन कलात्मक राखियों को अपने घर ले जाकर रक्षाबंधन के दिन अपने भाइयों की कलाई पर बांधने को लेकर खासी उत्सुक नजर आईं हैं। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में गुलनार समूह के संस्थापक नीरज कुमार की सराहनीय भूमिका रही है। उनके कुशल मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही यह दो दिवसीय प्रतियोगिता सफलता के साथ संपन्न हो सकी।

प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु की मौजूदगी में जिला कांग्रेस की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी दक्षिणी भाग जिला कांग्रेस कमेटी (शेरघाटी/बोधगया) की जिला कार्यकारिणी एवं सांगठनिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, जगलाल महतो नगर, रमना, शेरघाटी में जिला अध्यक्ष श्री संतोष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई है। इस बैठक के उद्घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु रहे हैं।

बैठक में प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी डॉ० विवेक राज,बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मो० उमैर खान प्रदेश उपाध्यक्ष अमित चंद्रवंशी , कुणाल कुमार की विशेष उपस्थिति रही है ।इस बैठक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु पहली बार किसी जिला कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक में स्वयं उपस्थित हुए हैं। गयाजी दक्षिणी भाग जिला कांग्रेस कमेटी की यह बैठक प्रदेश प्रभारी की मौजूदगी में आयोजित होने वाली प्रदेश की पहली जिला समीक्षा बैठक रही। प्रदेश प्रभारी के सीधे जिला संगठन के बीच पहुंचकर समीक्षा करने से कांग्रेस कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखा गया है ।इस बैठक में जिला संगठन की वर्तमान स्थिति, प्रखंड स्तर पर संगठन की सक्रियता, आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों तथा बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश प्रभारी ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा आम जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करने का आह्वान किया है।

जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि प्रदेश प्रभारी की मौजूदगी में हुई यह समीक्षा बैठक जिला कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी आने वाले दिनों में प्रखंड एवं बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी ताकत के साथ कार्य करेगी ।इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष अजीत चंद्रवंशी, मो० नइमुद्दीन अंसारी, शिवशंकर कुशवाहा, मो० तबरेज आलम एवं श्री फेकू दास; जिला महासचिव इंदल पासवान, मो० शकील खान, रंजीत कुमार चौधरी, पवन कुमार आदि थे।

छात्रहित की मांगों को लेकर मगध विश्वविद्यालय में उत्तम कुशवाहा के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में छात्र-छात्राओं की विभिन्न लंबित समस्याओं एवं छात्रहित की मांगों को लेकर छात्र जदयू के अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा के नेतृत्व में एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाया गया है।

धरना-प्रदर्शन के माध्यम से मांग की गई कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रहित में सभी समस्याओं का शीघ्र एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करे। प्रदर्शन के दौरान निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखी गईं– पीएच डी पी ए टी 2022-23 सत्र के विद्यार्थियों का कोर्सवर्क पुराने नियम के अनुसार कराया जाए तथा नई नियमावली-2026 को इस सत्र के विद्यार्थियों पर लागू करने पर तत्काल रोक लगाई जाए।. पी एच डी पीएटी 2023-24 सत्र की रद्द की गई परीक्षा पर पुनर्विचार करते हुए परीक्षा पुनः आयोजित कराई जाए, ताकि हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित न हो।

पीएचडी कोर्सवर्क 2022-23 में नामांकित विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की समुचित व्यवस्था की जाए। गया के जगजीवन कॉलेज सहित नवादा एवं औरंगाबाद जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातक नामांकन के दौरान एसी एसटी विद्यार्थियों एवं छात्राओं से नामांकन के नाम पर की जा रही कथित अवैध वसूली की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले प्राचार्यों एवं संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई की जाए।सिया बाल्मीकि नगर इवनिंग कॉलेज से संबंधित फजीर्वाड़े के मामले में सीनेट एवं सिंडिकेट से दंडित प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार को दिए गए एन औ सी की तत्काल समीक्षा कर, नियमों के विपरीत पाए जाने पर उसे वापस लिया जाए।

सत्र 2017-20 एवं 2018-21 के स्नातक छात्र-छात्राओं को रजिस्ट्रेशन कार्ड शीघ्र उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें आगे की शैक्षणिक प्रक्रियाओं में कठिनाई न हो। विभिन्न महाविद्यालयों में इंटर्नशिप के नाम पर कथित अवैध वसूली की जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं संबंधित व्यक्तियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं से संबंधित शिकायतों में जिन अधिकारियों एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों की भूमिका सामने आती है, उनकी निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु प्रभावी कार्रवाई करें सुनिश्चित : जिला पदाधिकारी

- सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराएं सुनिश्चित
- ब्लैक स्पॉट/एक्सीडेंट स्पॉट की पहचान कर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई करें
- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों एवं घायलों के आंकड़ों, सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा भुगतान, सड़क दुर्घटनाओं की संबंधित पोर्टल पर प्रविष्टि, प्रधानमंत्री राहत योजना सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ब्लैक स्पॉट एवं एक्सीडेंट स्पॉट की नियमित पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा ऑडिट को प्राथमिकता के आधार पर नियमित रूप से कराने का भी निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आमजनों को यातायात नियमों के प्रति लगातार जागरूक किया जाना आवश्यक है। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग को सुनिश्चित कराने हेतु विशेष जांच अभियान चलाया जाए।

बैठक में हिट एंड रन से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा लंबित मामलों की पेंडेंसी समाप्त करने के निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने रात्रिकालीन सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आवश्यकतानुसार स्ट्रीट लाइट लगाने, कैट्स आई, रोड स्टड्स, रिफ्लेक्टिव टेप्स एवं रेट्रो-रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड का अधिष्ठापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने गुड सेमेरिटन के चयन एवं प्रोत्साहन की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही सड़क किनारे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास किए गए अतिक्रमण को अभियान चलाकर हटाने तथा सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान छावनी ओवरब्रिज के नीचे सड़क को मोटरेबल बनाने, स्ट्रीट लाइटों के दिन में अनावश्यक रूप से जलने पर रोक लगाने के लिए आवश्यक डिवाइस अधिष्ठापित कराने तथा रात्रि में ही उनके संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने स्कूल बसों की नियमित जांच पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि स्कूल बसों का परिचालन निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही हो।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी निर्देशों का गंभीरतापूर्वक अनुपालन सुनिश्चित करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने पीएम राहत योजना का अनुपालन सभी सरकारी/निजी अस्पतालों एवं सभी थाना द्वारा कराने हेतु निर्देशित किया। इसके अंतर्गत 1.5 लाख तक कैशलेश ईलाज सात दिनों तक किया जाना है।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। मोतिहारी पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए 51 आवेदनकताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता विभागीय जांच मो सिबगतुल्लाह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारीगण ने सुनवाई की।

प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान शीघ्र किया जाएगा।आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम में एडीएम विभागीय जांच के साथ वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार एवं सुश्री निधि कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल बॉर्डर से शराब जब्त, कारोबारी फरार

मैनाटांड।पुलिस ने शनिवार की देर रात थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव के समीप से नेपाल से तस्करी कर भारतीय क्षेत्र में लाई जा रही शराब जब्त की. हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही शराब कारोबारी शराब छोड़कर नेपाल की ओर फरार हो गए. प्रभारी थानाध्यक्ष अनीता कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से शराब की बड़ी खेप बसंतपुर गांव के रास्ते भारतीय क्षेत्र में लाई जा रही है. सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 300 एमएल की 320 बोतल कस्तूरी शराब बरामद की. उन्होंने बताया कि शराब जब्त कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

घरेलू गैस के 35309 एवं वाणिज्यिक गैस के 1839 सिलेंडर उपलब्ध

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 35309 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1839 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं।उन्होंने बताया कि 21 अगस्त को जिलेभर में कुल 12679 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

गरिमा हत्याकांड: पांच बिंदु समझौते को माता-पिता ने ठुकराया

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। जीतपुर सिमरा उपमहानगर पालिका-1 की तीन वर्षीय गरिमा चौधरी की हत्या के बाद न्याय की मांग को लेकर चल रहा विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिला सुरक्षा समिति और आंदोलनरत पक्ष के बीच पांच बिंदुओं पर सहमति बनने के बावजूद गरिमा के माता-पिता ने इस समझौते को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। परिवार का कहना है कि उनकी पर्याप्त सहमति और चर्चा के बिना समझौता किया गया, इसलिए वे इसे मानने के लिए तैयार नहीं हैं। गरिमा की हत्या के विरोध में स्थानीय लोगों और परिजनों ने लगातार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और घटना की जांच में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की रही है। इसी बीच पीड़ित परिवार, जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों और जिला सुरक्षा समिति के प्रतिनिधियों के बीच पथलैया स्थित सशस्त्र प्रहरी बल के तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र में वार्ता हुई थी, जिसमें पांच बिंदुओं पर सहमति बनी थी। हालांकि, गरिमा के माता-पिता ने समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। परिवार का कहना है कि उन्हें भरोसे में लेकर उनकी मांगों पर पूरी तरह विचार नहीं किया गया। परिजनों के रुख से मामला एक बार फिर गरमा गया है और न्याय की मांग को लेकर उनका विरोध जारी रहने की संभावना है।

गरिमा चौधरी हत्याकांड के विरोध में काठमांडू के माइतीघर में धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। तीन वर्षीय मासूम गरिमा चौधरी की हत्या के विरोध में शुक्रवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित माइतीघर मंडला के सामने लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल नागरिकों, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने गरिमा को न्याय दिलाने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार से मांग की कि महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले जघन्य अपराधों के दोषियों के लिए फांसी की सजा का प्रावधान करने वाला कानून बनाया जाए। उनका कहना था कि ऐसे अपराधों पर कठोर कानूनी कार्रवाई और त्वरित न्याय के बिना समाज में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल है। माइतीघर मंडला पर जुटे लोगों ने गरिमा को न्याय दो, दोषियों को कड़ी सजा दो और बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद जांच और कार्रवाई को लेकर लोगों के मन में कई सवाल हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मामले में शीघ्र और संतोषजनक कार्रवाई नहीं की तो न्याय की मांग को लेकर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। फिलहाल माइतीघर मंडला पर हुआ यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन लोगों का आक्रोश और न्याय की मांग साफ तौर पर दिखाई दी।

वीटीआर जंगल से सटे किसानों की सुरक्षा में वनकर्मी सक्रिय

- खेतों में किसानों के साथ मौजूद रहकर कर रहे सहयोग, ड्रोन से बाघ की निगरानी; एक दर्जन से अधिक वनकर्मी मॉनिटरिंग में तैनात

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के जंगल से सटे क्षेत्रों में बाघ की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने किसानों की सुरक्षा को लेकर निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। खेती-किसानी के कार्य के दौरान किसानों को अकेले खेत में नहीं जाने देने के उद्देश्य से वनकर्मी उनके साथ खेतों तक पहुंच रहे हैं और खेती कार्य में सहयोग करते हुए सुरक्षा भी प्रदान कर रहे हैं। बतादें,जंगल से सटे क्षेत्र में किसान के साथ वनकर्मी खेत में खाद डालने के दौरान मौजूद रहे।

वन विभाग का कहना है कि जंगल से सटे खेतों में काम करने वाले किसानों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि बाघ की मौजूदगी के बीच किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। इधर, बाघ की तलाश और उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। वन विभाग की टीम जंगल और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर बाघ की लोकेशन का पता लगाने में जुटी है। बाघ की मॉनिटरिंग के लिए एक दर्जन से अधिक वनकर्मियों को लगाया गया है।

टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में गश्त करने के साथ ग्रामीणों को जंगल और खेतों के आसपास सतर्क रहने की अपील भी कर रही हैं। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि हाल के दिनों में बाघ के हमले में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में वन विभाग मानव सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर संभव उपाय कर रहा है। किसानों की सुरक्षा के लिए वनकर्मियों की मौजूदगी, ड्रोन से निगरानी और लगातार गश्त बढ़ाई गई है। ग्रामीणों से भी अपील की जा रही है कि वे अकेले जंगल या जंगल से सटे इलाकों में जाने से बचें।

नेपाल में जापानी इंसेफेलाइटिस का कहर, सप्तरी और कैलाली में चार की मौत

बगहा। नेपाल में जापानी इंसेफेलाइटिस का संक्रमण चिंता बढ़ा रहा है। सप्तरी और कैलाली जिलों में इस बीमारी से चार लोगों की मौत हुई है। सप्तरी में 74 वर्षीय सत्यनारायण यादव और 14 वर्षीय शिवकुमार राम की उपचार के दौरान मौत हुई, जबकि कैलाली के घोड़ाघोड़ी नगरपालिका में 34 और 70 वर्षीय दो महिलाओं ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया। सप्तरी के जिला स्वास्थ्य कार्यालय के अनुसार, तिलाठी कोइलाडी-1 निवासी 74 वर्षीय सत्यनारायण यादव की बीपी कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, धरान में तथा राजगढ़-3 निवासी 14 वर्षीय शिवकुमार राम की विराटनगर के अस्पताल में उपचार के दौरान 6 अगस्त को मृत्यु हुई। जिले में जापानी इंसेफेलाइटिस के पांच मामले सामने आए हैं, जिनमें तीन मरीज उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। इसी तरह कैलाली के घोड़ाघोड़ी नगरपालिका में भी जापानी इंसेफेलाइटिस से दो महिलाओं की मौत हुई है। नेपाल में बीमारी का प्रभाव और बढ़ने की जानकारी सामने आई है। काठमांडू पोस्ट के अनुसार 21 अगस्त तक देश में कम से कम 21 लोगों की जापानी इंसेफेलाइटिस से मौत हो चुकी थी। कैलाली में सात मामले और दो मौतें, जबकि सप्तरी में छह मामले और दो मौतें दर्ज की गई थीं। जापानी इंसेफेलाइटिस एक गंभीर वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से फैलती है।

पूर्व प्रमुख छोटेलाल यादव हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, एक गिरफ्तार

- पत्नी के साथ कथित संबंध के शक में वारदात, आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लाठी बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

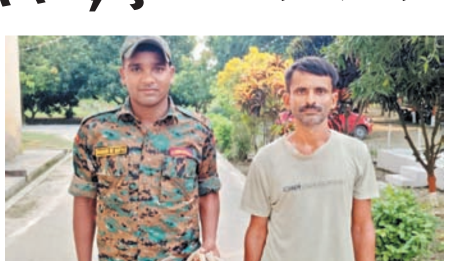

बगहा। भितहा थाना क्षेत्र के पूर्व प्रमुख छोटेलाल यादव हत्याकांड का पुलिस ने उद्भेदन करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में मुराडीह टांड़ निवासी करीब 45 वर्षीय रविन्द्र यादव को गिरफ्तार किया है। बगहा एसपी राजेश कुमार ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्रवाई की जानकारी दी। एसपी के अनुसार, बीते 12 अगस्त को छोटेलाल यादव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गंडक नदी के छाड़न क्षेत्र स्थित उबरा पानी से बरामद हुआ था। मामले में भितहा थाना कांड संख्या 134/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ बगहा के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने रविन्द्र यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे छोटेलाल यादव और उसकी पत्नी के बीच कथित संबंध होने का संदेह था। 11 अगस्त को उसने दोनों को कथित तौर पर आपत्तिजनक स्थिति में देखने का दावा किया। इसके बाद आरोपी ने पहले अपनी पत्नी के साथ मारपीट की। पत्नी के वहां से चले जाने के बाद उसने छोटेलाल यादव के साथ भी मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि मामले में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच जारी है। कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक धनहा अंचल, भितहा थानाध्यक्ष एवं सशस्त्र बल के जवानों के साथ डीआईयू बगहा की टीम शामिल रही।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम में पूरे बिहार में पूर्वी चम्पारण अव्वल

- पीबीएल कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गणित और विज्ञान के कमजोर बच्चों को भी आसान तरीके से मॉडल के सहारे, स्थानीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा-सह-क्षमता संवर्धन कार्यशाला में पूर्वी चम्पारण जिले ने पूरे राज्य में बेहतर प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया है। पटना में आयोजित उक्त कार्यशाला में राज्य के सभी 38 जिलों में शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम की प्रगति ,क्रियान्वयन की गुणवत्ता एवं शैक्षणिक नवाचारों की गहन समीक्षोपरांत पूर्वी चम्पारण जिले द्वारा कक्षा 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान विषयों में 'कर के सीखना' पद्धति के प्रभावी क्रियान्वयन, दीक्षा पोर्टल पर Micro Improvement Projects के शत-प्रतिशत पूर्णता, नियमित विद्यालय भ्रमण एवं प्रखंड स्तरीय PBL मेलों के सफल आयोजन को सर्वोत्तम पाया गया। इसके उपलक्ष्य में प्रशस्ति पत्र मिला। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, राजन कुमार गिरि ने बताया कि यह उपलब्धि हमारे शिक्षकों, जिला तकनीकी दल, जिला अनुश्रवण एवं अनुसमर्थन दल के सदस्य नागेन्द्र प्रसाद एवं कमलेश कुमार सिंह, सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों एवं प्रखंड तकनीकी दल के सदस्यों के अथक परिश्रम का परिणाम है।

यह हमारे सरकारी विद्यालयों में आ रहे शैक्षणिक बदलाव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का प्रत्येक बच्चा रटने की बजाय समझ कर और करके सीखे। वहीं पढ़िये, समझिये, करिये और सीखिये पर जोर देते हुए इसे बरकरार रखने पर जोर देते हुए,उन्होंने जिले के सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं शिक्षकों को बधाई दी और भविष्य में भी इसी गुणवत्ता को बनाए रखने का निर्देश दिया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान ब्रजेश कुमार ने कहा कि पीबीएल कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गणित और विज्ञान के कमजोर बच्चों को भी आसान तरीके से मॉडल के सहारे, स्थानीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं संभाग प्रभारी रामदेव महतो ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी पूरी उर्जा से टीम को उपयोगी कार्यों में सहयोग करते रहेंगे। मौके पर रमेश कुमार,राजीव कुमार सिंह, अंजना कुमारी, सरिता कुमारी, विभाष चंद्र, केशव कुमार कश्यप, नवाब ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रत्येक दिन विद्यालयों का औचक निरीक्षण करें: डीएम

- औचक निरीक्षण मध्यान भोजन की अवधि के दौरान करें एवं बच्चों के पंगत में बैठकर खुद भी खाना खाएं
- शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा दिया गया उक्त आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के द्वारा सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक कार्य दिवस में विद्यालयों का औचक निरीक्षण करें। औचक निरीक्षण मध्यान भोजन के लिए निर्धारित समय पर करें और खुद भी बच्चों के पंगत में बैठकर मध्यान भोजन ग्रहण करें। मध्यान भोजन की क्वांटिटी, क्वालिटी और हाइजीन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। विद्यालय भ्रमण के दौरान पदाधिकारी विद्यालय परिसर की साफ सफाई सहित रसोई घर की व्यवस्था जरूर देखें। रसोई घर की साफ सफाई मुकम्मल हो और उसमें कोई भी अनावश्यक सामग्री नहीं रहे इसे सुनिश्चित कराएं। रसोई घर की खिड़की में यथाशीघ्र जाली (नेट)लगवा दें। निर्देश दिया गया कि सभी पदाधिकारी मध्यान भोजन ग्रहण करते हुए अपना फोटो संबंधित ग्रुप में व्हाट्सएप के माध्यम से भेजेंगे।जिलाधिकारी ने कहा कि मैं स्वयं भी देखूंगा और उप विकास आयुक्त के द्वारा भी समय-समय पर विद्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा और इन चीजों को अनिवार्य रूप से देखा जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान नामांकन की स्थिति, नामांकन के विरुद्ध बच्चों की भौतिक उपस्थित, शिक्षकों की उपस्थिति, इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्धता, विद्यालय की अगर कोई समस्या है तो इससे संबंधित एक नोट बनाएं और इसका प्रतिवेदन जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय को उपलब्ध कराएं। बैठक के दौरान बताया गया कि जिला की कुल सात प्रखंडों में एजेंसी के माध्यम से मध्यान भोजन कराया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि खाना की गुणवत्ता और सर्विस से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और इसमें कहीं से शिकायत मिलेगी तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि जिन विद्यालयों में सिविल वर्क चल रहे हैं अथवा जिन विद्यालयों में होना है और कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है उन सभी विद्यालयों की कनीय अभियंता के साथ जांच करें। विद्यालयों में चल रहे सिविल वर्क को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि इससे संबंधित गूगल शीट बनाएं और स्कूल वार किये जा रहे कार्यों और उसके प्रगति को गूगल सेट में प्रतिदिन दर्शाएँ।

बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिला अंतर्गत सभी 33 सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल)में लाइव क्लासेस संचालित की जा रही है। साथ ही बीएसईबी पटना द्वारा विकसित मोबाइल एप ₹विद्या साथी₹के माध्यम से 24 * 7 विद्यार्थी शिक्षकों से अध्ययन कर सकते हैं एवं अपनी समस्या/ प्रश्नों का हाल प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी,जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी,प्रखंडों के कनीय अभियंता उपस्थित थे।

गंगा-सरयू-सोन व गंडक के बढ़ते जलस्तर से दियारा में बढ़ी चिंता

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। गंगा, सरयू, सोन और गंडक नदियों के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से दियारा और तटीय इलाकों में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। नदी के पानी का फैलाव तेजी से निचले इलाकों की ओर बढ़ने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। कई स्थानों पर खेत, रास्ते और सार्वजनिक स्थल जलमग्न हो चुके हैं। चिरांद स्थित तपशी सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का खेल मैदान भी बाढ़ के पानी से घिर गया है। विद्यालय परिसर के आसपास पानी पहुंचने से विद्यार्थियों और शिक्षकों में भी चिंता देखी जा रही है। वहीं चिरांद की दलित बस्ती के लोग भी नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर सशंकित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पानी इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो बाढ़ की स्थिति और भयावह हो सकती है। सबसे अधिक चिंता दियारा क्षेत्र की तीन पंचायतों को लेकर है। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण इन पंचायतों के संपर्क मार्गों पर पानी चढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। यदि जलस्तर में इसी तरह वृद्धि जारी रही तो तीनों पंचायतों का जिला मुख्यालय से सड़क संपर्क पूरी तरह भंग हो सकता है। बाढ़ की आशंका को देखते हुए ग्रामीण अपने जरूरी सामान और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी में जुटने लगे हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी स्थिति पर नजर रखे जाने की जरूरत है। नदी किनारे बसे लोगों की निगाहें अब जलस्तर के उतार-चढ़ाव पर टिकी हैं।

विद्युत विभाग की लापरवाही से किसानों में आक्रोश

दरियापुर। विद्युत विभाग की मनमानी से किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त हो चुका है।किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।बता दें कि दो माह पूर्व महारथा,भगवानपुर, खानपुर, पुरदिलपुर आदि चंवर से चोरों ने बिजली के दर्जनों पोलो का तार काट लिया था।विभाग द्वारा इस संबंध में थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।किसानों का आरोप है कि अभी तक चोरों का कोई पता नहीं चल सका।वहीं विभाग भी काफी उदासीन है।चोरी गए बिजली के तार को पुनः नहीं लगाया गया।जिससे किसानों को कृषि कार्य में काफी परेशानी हो रही है।किसानों ने बताया कि बिजली नहीं रहने से इस साल मात्र तीस प्रतिशत ही धान की रोपनी हुई है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने बैठक कर शिक्षक समस्याओं पर की चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

तरैया। प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय तरैया में प्राथमिक शिक्षक संघ तरैया की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष महेश्वर सिंह ने की।बैठक में उपस्थित शिक्षक प्रतिनिधियों ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और उनके त्वरित समाधान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान संघ ने निर्णय लिया कि प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को शिक्षक गोष्ठी का नियमित आयोजन किया जाएगा। यदि किसी कारणवश दूसरे शनिवार को अवकाश रहता है, तो गोष्ठी अगले शनिवार को आयोजित की जाएगी। संघ ने यह भी तय किया कि शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए अगली बैठक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के साथ आयोजित की जाएगी। इस बैठक में संघ के सचिव मुन्ना प्रसाद, कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह, वरीय सचिव समूल रंजन, वरीय उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह,कार्यालय सचिव बबन सहनी,रजनी कुमारी, नीतू कुमारी,लाल बाबू राय,धर्मेंद्र राम, राकेश कुमार यादव, विनय कुमार सिंह, मो.असलम, चित्तरंजन सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

प्रेम में धोखा खाई प्रेमिका के मामले में पुलिस ने प्रेमी के घर इश्तिहार चस्पाया

बनियापुर। सहजीतपुर थाना क्षेत्र के 19 वर्षीय प्रेमिका ने अपने प्रेमी से प्रेम में धोखा खाने के बाद न्याय के गोहर लगाई,जिस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया,घटना में प्रेमिका ने घटना में बताई है, सिकटीया गांव के पवन कुमार नामक युवक से उसको प्रेम प्रसंग चल रहा था,दो छ माह लगातार रिलेशन में रहे जब प्रैग्नेंसी रह गई तो वह शादी करने से इनकार कर दिया।जिस मामले में पीड़िता ने प्रेमी सहित परिवार के सात लोगों को नामजद किया था,जब से अनुसंधान के क्रम में पुलिस कई बार छापामारी किया,जब आरोपी हाजिर नहीं हुआ,तब पुलिस ने आरोपी प्रेमी के घर इश्तिहार चस्पा किया है।

दूरी बनी पढ़ाई में बाधा, गोपालीचक में मिडिल स्कूल की मांग तेज

प्रात: किरण संवाददाता

धारहरा (मुंगेर)।प्रखंड के गोपालीचक गांव में बच्चों की पढ़ाई को लेकर ग्रामीणों की चिंता अब आवाज बनकर सामने आने लगी है। प्राथमिक शिक्षा के बाद बच्चों को दूर स्थित मध्य विद्यालय जाना पड़ने से पढ़ाई प्रभावित होने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने गांव के प्राथमिक विद्यालय को मध्य विद्यालय में उत्क्रमित करने की मांग उठाई है। मांग को लेकर करीब 50 महिला-पुरुष ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुंगेर को सौंपा है।

ग्रामीणों का कहना है कि गोपालीचक में फिलहाल सिर्फ प्राथमिक विद्यालय है। यहां पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई पूरी करने के बाद बच्चों को आगे की शिक्षा के लिए दूसरे गांव अथवा दूर स्थित मध्य विद्यालय का रुख करना पड़ता है। विद्यालय की अधिक दूरी छोटे बच्चों और खासकर छात्राओं के लिए बड़ी परेशानी बन जाती है। आने-जाने की समस्या के कारण कई बच्चे प्राथमिक शिक्षा के बाद ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में ही मध्य विद्यालय की सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे न केवल स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में कमी आएगी, बल्कि छात्राओं की शिक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनंता प्रियदर्शनी ने बताया कि विद्यालय के आसपास कोई मध्य विद्यालय नहीं है। गांव में भ्रमण के दौरान जब पूर्व छात्रों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली गई तो कई बच्चों ने बताया कि विद्यालय दूर होने के कारण उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय को मध्य विद्यालय में उत्क्रमित किए जाने से गांव के बच्चों को अपने घर के आसपास ही आगे की शिक्षा मिल सकेगी। वहीं, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव ने बताया कि ग्रामीणों का आवेदन प्राप्त हुआ है। स्थल की स्थिति और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के बाद विभागीय स्तर पर निर्णय लिया जाएगा।

दारौंदा में डीएम की बैठक, जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों के लिए रखीं मांगें

- झोर बोहटा नदी को अतिक्रमणमुक्त कराने समेत पंचायतों की समस्याएं उठीं

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा. प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई. बैठक में जिले के वरीय अधिकारियों के साथ पंचायत प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सिंपी कुमारी ने जिला पदाधिकारी विजय कुमार मीणा को बुके एवं पौधे भेंट कर उनका स्वागत किया. बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी विजय कुमार मीणा ने पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचकर अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं तत्परता के साथ निर्वहन करें. उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना है. पदाधिकारी आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और उसके निराकरण की दिशा में त्वरित कार्रवाई करें. डीएम ने कहा कि जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी हैं. इसलिए पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय बनाकर क्षेत्र के विकास कार्यों को गति दें. पंचायतों से प्राप्त समस्याओं और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से समाधान सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने का भी निर्देश दिया. बैठक में जलालपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अरुण सिंह ने झोर बोहटा नदी को अतिक्रमणमुक्त कराने तथा उसकी सफाई कराने की मांग रखी. उन्होंने कहा कि नदी की सफाई और अतिक्रमण हटने से जलजमाव की समस्या से लोगों को काफी राहत मिल सकती है. वहीं करसौत पंचायत के मुखिया रामकृष्ण सिंह उर्फ काका ने पंचायत में खेल मैदान एवं पार्क विकसित करने तथा व्यापक स्तर पर पौधरोपण कराने की मांग रखी. उन्होंने कहा कि इससे युवाओं और बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ पंचायत का पर्यावरण भी बेहतर होगा. पांडेयपुर पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ अध्यक्ष निरंजन सिंह ने पंचायत के वैसे क्षेत्रों में जल्द से जल्द हर घर नल का जल योजना का लाभ पहुंचाने एवं पकवालिया पंचायत की मांग की, जो अभी तक जल-नल योजना से वंचित हैं. उन्होंने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की. बैठक में अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया. बैठक के दौरान क्षेत्र में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई.

लगान निर्धारण के नाम पर और पैसे मांगने का कथित वीडियो वायरल, धरहरा अंचल कार्यालय में मचा हड़कंप

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा अंचल कार्यालय में सीओ से जुड़े कथित गाली-गलौज विवाद की तपिश अभी थमी भी नहीं थी कि अब राजस्व विभाग के एक कर्मी का कथित रिश्वत लेते वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में अंचल कार्यालय में पदस्थापित निम्नवर्गीय लिपिक (छ्ञ्ख) कार्तिक यादव एक व्यक्ति से 500 रुपये नकद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में इसके बाद कथित तौर पर लिपिक को यह कहते सुना जा रहा है कि इतने रुपये में काम नहीं होगा, और राशि देनी पड़ेगी।इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि पूरा मामला जमीन के लगान निर्धारण से जुड़े राजस्व कार्य के दौरान का है। वायरल वीडियो में रुपये देने वाला व्यक्ति कथित रूप से लिपिक से कुछ राशि वापस करने का अनुरोध करता दिखाई-सुनाई दे रहा है। इसके बावजूद लिपिक द्वारा काम पूरा कराने के एवज में कथित तौर पर और रकम की मांग किए जाने की बात सामने आ रही है। वीडियो सामने आने के बाद अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।वीडियो के इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने के बाद धरहरा अंचल कार्यालय से लेकर प्रशासनिक महकमे तक हलचल तेज हो गई है। मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। खासकर राजस्व से जुड़े कार्यों में कथित लेन-देन का वीडियो सामने आने के बाद आम लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन, लगान निर्धारण सहित अन्य राजस्व कार्यों के लिए लोगों को लंबे समय तक कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। ऐसे में यदि सरकारी प्रक्रिया और निर्धारित शुल्क से अलग किसी कर्मी द्वारा अवैध राशि की मांग की जाती है, तो यह गंभीर मामला है।स्थानीय ग्रामीणों ने वायरल वीडियो की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर जांच होनी चाहिए तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित कर्मी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के साथ कठोर विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए।मामले को लेकर मुंगेर के अपर समाहर्ता (अञ्ट) मनोज कुमार ने स्पष्ट कहा कि सरकारी कार्य के एवज में पैसे लेना गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि शिकायत या मामला सामने आने पर उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। यदि नियम के विरुद्ध काम करने या रिश्वत लेने की कोई शिकायत या मामला सामने आता है, तो उसकी पूरी निष्पक्षता से जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मी के विरुद्ध जल्द से जल्द सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकारी काम के एवज में पैसा लेना सरासर गलत और अपराध की श्रेणी में आता है।अब नजर इस बात पर है कि वायरल वीडियो की प्रशासनिक जांच कब शुरू होती है और जांच में आरोप कितने सही साबित होते हैं। वायरल वीडियो की पुष्टि प्रातः किरण समाचार पत्र नहीं करती है

संक्षिप्त खबरें

सदर अंचल में जनता दरबार का किया गया आयोजन

मुंगेर, सदर (मुंगेर)।सदर अंचल कार्यालय में प्रभारी राजस्व अधिकारी हरि विक्रम सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया।प्रभारी राजस्व अधिकारी ने बताया कि जनता दरबार में विभिन्न थानों से कुल 6 नए मामले आए, जिनमें से 4 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि 2 मामलों में नोटिस जारी किया गया। पूर्व से लंबित 3 मामलों की सुनवाई अगली तारीख को होगी।जनता दरबार में कासिम बाजार थानाध्यक्ष स्वयं उपस्थित रहे, साथ ही अन्य थानों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

सुरक्षित शनिवार में बच्चों को नाव व डूबने से बचाव की दी जानकारी

सीवान/दारौंदा।मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम आयोजित किया गया। अगस्त के चौथे शनिवार को विद्यार्थियों को नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के उपाय बताए गए। मॉक ड्रिल के माध्यम से बचाव का अभ्यास भी कराया गया।उमवि नंदा टोला, फतेहपुर, मध्य विद्यालय दारौंदा, उमवि कन्या अभुई, नया प्राथमिक विद्यालय बसवरिया टोला, मध्य विद्यालय करसौत समेत अन्य विद्यालयों में शिक्षकों ने बच्चों को नाव में क्षमता से अधिक लोगों के नहीं बैठने, लाइफ जैकेट का प्रयोग करने और खराब मौसम में नाव यात्रा से बचने की जानकारी दी। साथ ही गहरे पानी में अकेले नहीं जाने और नदी, तालाब, नहर व पोखर के पास सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

करसौत पैक्स चुनाव में तीन अध्यक्ष प्रत्याशी, 15 ने सदस्य पद के लिए किया नामांकन

सीवान/दारौंदा। करसौत प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। अध्यक्ष पद के लिए तीन तथा सदस्य पद के लिए 15 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। संवीक्षा में सभी नामांकन पत्र वैध पाए गए।निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ सिम्पी कुमारी ने बताया कि 25 अगस्त को नाम वापसी और चुनाव चिह्न का आवंटन होगा। एक सितंबर को सुबह सात बजे से शाम 4:30 बजे तक मध्य विद्यालय करसौत में बनाए गए तीन बूथों पर मतदान होगा। मतदान के बाद उसी शाम मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। पैक्स में कुल 1414 मतदाता हैं। चुनाव प्रक्रिया तीन सितंबर तक पूरी कर ली जाएगी।

फर्जी लिंक खोलते ही शिक्षक का मोबाइल हैंग, खाते से 16 हजार की निकासी

सीवान/दारौंदा। मछौती स्थित प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक अशोक कुमार यादव साइबर ठगी के शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने परिवहन विभाग के नाम से व्हाट्सएप पर फर्जी लिंक भेजकर उनके एसबीआई खाते से करीब 16 हजार रुपये की निकासी कर ली।बताया जाता है कि शिक्षक ने संदेश को वास्तविक समझकर लिंक खोल दिया। इसके बाद उनका मोबाइल हैंग होने लगा और काम करने में परेशानी शुरू हो गई। इसी दौरान साइबर अपराधियों ने कथित रूप से मोबाइल का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर बैंक खाते से करीब 16 हजार रुपये निकाल लिए। घटना के बाद शिक्षक ने मामले की जानकारी संबंधित स्तर पर दी।

गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष पर समरसता संकल्प अभियान के तहत निकली कलश यात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देने के उद्देश्य से समरसता संकल्प अभियान की शुरूआत की गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को प्रखंड की अग्रहण पंचायत स्थित दास टोला में विकास मित्र फूल कुमारी के नेतृत्व में कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा ने पूरे गांव का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों को संत रविदास के विचारों, सामाजिक समानता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। अभियान का आयोजन अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा राज्य स्तर पर संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के तहत किया जा रहा है। विकास मित्रों ने बताया कि 27 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक प्रत्येक गुरुवार को संत रविदास विकास शिविरह्ल का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

अभियान के दौरान शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा एवं विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी जाएगी। साथ ही सामाजिक कुरीतियों को दूर कर समाज में समानता, सम्मान और समरसता की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। युवाओं और आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

मुंगेर जिला कांग्रेस कमिटी ने नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से तिलक मैदान स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में नवनियुक्त प्रखंड कांग्रेस कमिटी अध्यक्षों के पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने किया, जबकि संचालन पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पासवान ने किया।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ राहुल गांधी के समर्थन में नारे भी लगाए। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत कर आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना किया जाएगा। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी कृष्ण अल्लावरू एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की सहमति से नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की मजबूती, अनुशासन और कांग्रेस की विचारधारा के अनुरूप कार्य करने का संकल्प दिलाया। नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों में मुंगेर सदर से चंदन सिंह, मुंगेर नगर-1 से साजीद अहमद, मुंगेर नगर-2 से बसंत सिंह, जमालपुर नगर से साई शंकर, खड़गपुर नगर से विशाल चौरसिया, खड़गपुर सदर से दिलीप मंडल, टेटिया बम्बर से कपिलदेव पंडित, तारापुर से तवारक खान, संग्रामपुर से कुमार रवि शंकर सिंह तथा असरगंज से मो. हमजा शामिल हैं।जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना प्राथमिकता है। नवनियुक्त अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में नए कार्यकताओं एवं सृजन साथियों को संगठन से जोड़ेंगे तथा सृजन साथी एप्लिकेशन के माध्यम से संगठन सृजन अभियान को गति देंगे। उन्होंने सदस्यता अभियान, जनसंपर्क और बूथ स्तर पर कार्यकताओं को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पासवान, ईबीसी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, विश्वमोहन कुमार, माणिक देवी, कृष्ण कुमार अग्रवाल, शकील अहमद, मो. कमाल अहमद, सतीश यादव, यासीन, निसार, साकीब अहमद, मो. अनवर, कामरान सहगल, नवेलाल, प्ररूपतम कुमार, मनीष कुमार, आशीष कुमार रंजन, मो. हैदर अली, वश कुमार मंडल, शिव शंकर प्रसाद गुप्ता आदि थे।

जनता दरबार में 18 भूमि विवादों की सुनवाई, 14 मामलों का मौके पर हुआ निष्पादन

सीवान/ दरौंदा अंचल कार्यालय में शनिवार को भूमि विवादों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण को लेकर जनता दरबार आयोजित किया गया। इसमें 18 फरियादी भूमि संबंधी शिकायतें लेकर पहुंचे। सभी मामलों की सुनवाई सीओ वेद प्रकाश नारायण और थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह की मौजूदगी में हुई।सुनवाई के दौरान 14 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं, चार मामलों में आवश्यक दस्तावेज एवं तथ्यों की जांच के लिए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया गया। जांच पूरी होने तक इन मामलों को लंबित रखा गया है। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से विवादों के समाधान का प्रयास किया।सीओ वेद प्रकाश नारायण एवं थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य भूमि संबंधी विवादों का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि लोगों को न्याय के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने लोगों से जनता दरबार का लाभ उठाने की अपील की। मौके पर राजस्व कर्मचारी, डीईओ ब्रजेश राज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

यातायात चालान एवं खनिज मामलों के निस्तारण को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सक्रिय

औरंगाबाद। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर 2026 को किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों के निस्तारण एवं आमजन को इसका लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद की सचिव श्रीमती तान्या पटेल द्वारा अपने प्रकोष्ठ में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ दो महत्वपूर्ण समन्वय बैठकें आयोजित की गईं। प्रथम बैठक में विकास कुमार, जिला खनिज विकास पदाधिकारी, औरंगाबाद ने भाग लिया। बैठक में खनिज विभाग से संबंधित निस्तारण योग्य मामलों को चिन्हित करने, आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने तथा पात्र मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत कर सुलह एवं समझौते के आधार पर निस्तारित कराने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। वितीय बैठक में अविनाश कुमार कश्यप, यातायात डीएसपी, औरंगाबाद ने भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से यातायात चालान से संबंधित मामलों के निस्तारण एवं आमजन में जागरूकता उत्पन्न करने के संबंध में चर्चा की गई। सचिव श्रीमती तान्या पटेल ने कहा कि यातायात चालान से संबंधित मामलों के पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निस्तारण की सुविधा के संबंध में व्यापक रूप से जागरूक किया जाना आवश्यक है। इसके लिए यातायात विभाग एवं संबंधित पदाधिकारियों के माध्यम से आम नागरिकों को यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

रतैठा में हर घर नल का जल योजना बनी ग्रामीणों के लिए परेशानी पानी के लिए बाल्टी लेकर सड़क पर उतरे लोग

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। रतैठा पंचायत में र घर नल का जल योजना के तहत बनी पानी की टंकी ग्रामीणों की प्यास बुझाने के बजाय अब सवालों के घेरे में है। बीते 17 अगस्त से जलापूर्ति बंद रहने के बाद शनिवार को ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीण बाल्टी और तसला लेकर टंकी के पास पहुंचे और विरोध जताते हुए तत्काल पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि योजना शुरू होने के बाद से ही नियमित पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। कभी बिजली की समस्या तो कभी मोटर में खराबी के कारण लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता है।

पूर्व में बिजली की समस्या दूर करने के लिए तार भी बदले गए, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल संकट की शिकायत जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पणीकर और विधायक नचिकेता मंडल से भी की जा चुकी है। विधायक के क्षेत्रीय दौरे के दौरान भी ग्रामीणों ने अपनी समस्या रखी थी, जिसके बाद जल्द समाधान का भरोसा मिला था। बावजूद इसके कई दिन बीत जाने के बाद भी जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी।मुखिया राहुल कुमार ने कहा कि पंचायत के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योजना लगाई गई थी, लेकिन नियमित आपूर्ति नहीं होने से इसका पूरा लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने विभाग से केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की।इधर, पीएचईडी के कनीय अभियंता संजय किरण ने बताया कि मोटर में खराबी के कारण जलापूर्ति बाधित हुई है। मोटर की मरम्मत कराकर जल्द ही पानी की आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

निष्काम कर्मयोगी केशव सिंह यादव की 74वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

बारुण (औरंगाबाद)। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं निष्काम कर्मयोगी केशव सिंह यादव की 74वीं पुण्यतिथि केशव सिंह यादव कॉलेज, बारुण में शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा-पाठ किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामजन्म कुमार सिंह, सचिव अशोक कुमार,डा.चंदन कुमार, डा.प्रियंका कुमारी सहित सभी प्रोफेसरों एवं कर्मचारियों ने केशव सिंह यादव के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सचिव अशोक कुमार ने कहा कि केशव सिंह यादव महान स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ समाज के लिए समर्पित निष्काम कर्मयोगी थे।

भारत में जीवन बीमा कवरेज बढ़ने का रुझान बेहतर वित्तीय तैयारी का संकेत

प्रात: किरण संवाददाता

आसनसोल। भारत के इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) द्वारा वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 तक के जीवन बीमा कारोबार के आंकड़ों के विश्लेषण से भारत में बीमा सुरक्षा की स्थिति में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिलते हैं। मौजूदा पॉलिसीधारक अब अपनी वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक बीमा कवरेज का विकल्प अपना रहे हैं। जीवन के विभिन्न चरणों के साथ जिम्मेदारियां भी बदलती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ग्राहक लगातार अपने बीमा कवरेज को बढ़ा रहे हैं। आईआईबी के विश्लेषण से पिछले पांच वर्षों में जीवन बीमा की सभी पॉलिसी श्रेणियों में अधिक बीमा राशि वाले कवरेज की ओर स्पष्ट रुझान दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 के बीच अधिक बीमा राशि वाली श्रेणियों में लगातार वृद्धि हुई। इससे पॉलिसीधारकों के बीच अधिक व्यापक बीमा सुरक्षा लेने की प्रवृत्ति स्पष्ट होती है। 2 लाख से 5 लाख रू. तक की बीमा राशि वाली पॉलिसियों की हिस्सेदारी में 5.6 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई। 10 लाख से 25 लाख रू. की बीमा राशि वाली पॉलिसियों की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत अंक बढ़ी। वहीं, 50 लाख रू. से अधिक की बीमा राशि वाली पॉलिसियों की संख्या में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह संख्या वित्त वर्ष 2021 के 44 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 74 लाख हो गई। इन पॉलिसियों से 975 अरब रू. का वार्षिक प्रीमियम प्राप्त हुआ।इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी)-लाईफ के चेयरपर्सन कमलेश राव ने कहा, आईआईबी के आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि जीवन बीमा में बने रहने वाले भारतीय इसके महत्व को तेजी से समझ रहे हैं। वे जीवन में होने वाले बदलावों और बढ़ती जिम्मेदारियों के अनुसार अपनी बीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। पॉलिसीधारकों का लगातार अधिक बीमा कवरेज की ओर बढ़ना उत्साहजनक है। यह अपने और अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की उनकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

अधिवक्ता समाज के अधिकारों और कल्याण की उपेक्षा,कब जागेगी बार काउंसिल और सरकार: प्रयाग

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान।बिहार की सुस्त पड़ती न्याय व्यवस्था और अधिवक्ताओं के लगातार गिरते मान-सम्मान को लेकर सीवान के प्रख्यात अधिवक्ता और नोटरी पब्लिक प्रयाग कुमार ने एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राज्य में वकीलों की समस्याओं, उनके कल्याण और सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक और विधिक स्तर पर जो उपेक्षा चल रही है, उसने पूरे अधिवक्ता समाज को झकझोर कर रख दिया है।वर्ष 2025 से लेकर अब तक अधिवक्ता प्रयाग कुमार द्वारा बिहार सरकार के विधि विभाग को लगभग आठ से नौ बार सूचना के अधिकार यानी आरटीआई के तहत आवेदन दिए जा चुके हैं। इन आवेदनों का मुख्य उद्देश्य यह जानना था कि सरकार अधिवक्ता कल्याण और संरक्षण के लिए क्या ठोस कदम उठा रही है। लेकिन हर बार विधि विभाग, पटना द्वारा इन आरटीआई आवेदनों को लोक सूचना पदाधिकारी, बिहार राज्य बार काउंसिल, पटना एवं बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति, पटना के पास भेज दिया जाता है। विडंबना यह है कि जिन संस्थानों पर अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा की नैतिक जिम्मेदारी है, वे ही इन गंभीर मुद्दों पर खामोश नजर आती हैं।प्रयाग कुमार ने जिन प्रमुख मुद्दों को उठाया है, उनमें अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का कड़ाई से कार्यान्वयन, वकीलों पर दर्ज होने वाले आपराधिक मुकदमों के खिलाफ सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी राशि, स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए समर्पित चिकित्सा कोषांग, पारिवारिक पेंशन और शैक्षिक आरक्षण तथा न्यायालय परिसरों में आधारभूत संरचनाओं का विकास शामिल हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि बिहार राज्य बार काउंसिल और कल्याण न्यास समिति के पदों पर बैठे लोग वकीलों के वास्तविक विकास में रुचि नहीं ले रहे हैं ।

- संभावित बाढ़/सुखाड़ की स्थिति के मद्देनजर पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान बिहार, पटना के पीछे में अवस्थित पशुपालन निदेशालय में आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है।
- यह नियंत्रण कक्ष सोमवार से शानिवार तक 8.00 बजे पूर्वाह्न से 07.00 बजे अपराह्न तक दो पालियों में कार्यरत रहेगा।
- नियंत्रण कक्ष में पशु चिकित्सा पदाधिकारियों के अलावा सहायक कर्मियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।
- बाढ़/सुखाड़ से पशुपालन संबंधी किसी प्रकार की शिकायत/सुझाव नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष संख्या 0612–2230942 एवं ई–मेल ahdapdabih@gmail.com पर दी जा सकती है।
- सभी जिला पशुपालन पदाधिकारियों को भी जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का आदेश दिया गया है।
- राज्यवासियों/पशुपालकों से अनुरोध है कि बाढ़/सुखाड़ की स्थिति में संबंधित जिला पशुपालन पदाधिकारी के साथ–साथ आपदा नियंत्रण कक्ष पर भी सम्पर्क स्थापित करें।

PR No.- 010334 (Animal)D. 2026-27

पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार

@BiharDFARD

नदियों में जमा सिल्ट और गाद के सर्वेक्षण को लेकर डीएम ने की समीक्षा

एम्स निर्माण के लिए मिट्टी भराई हेतु नियमानुसार खनन योजना तैयार करने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में जिले की नदियों में जमा सिल्ट, गाद एवं बालू के सर्वेक्षण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न नदियों में उपलब्ध सिल्ट, गाद एवं बालू की स्थिति, सर्वेक्षण तथा नियमानुसार इसके उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि दरभंगा एम्स के निर्माण कार्य में मिट्टी भराई के लिए आवश्यक मिट्टी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संवेदक द्वारा नियमानुसार खनन योजना तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि तैयार खनन योजना को खनिज विकास पदाधिकारी से अनुमोदित कराने के बाद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की जाए।

डीएम ने स्पष्ट किया कि सभी आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद ही कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने खनिज विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी को संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, दरभंगा एवं बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, दरभंगा-1 के अभियंताओं ने संबंधित नदियों में चिन्हित गाद एवं सिल्ट की स्थिति की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने चिन्हित स्थलों पर उपलब्ध सामग्री का आवश्यक सर्वेक्षण एवं आकलन कराने तथा रिपोर्ट के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में खनिज विकास पदाधिकारी सुमन कुमारी सहित बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल दरभंगा एवं दरभंगा-1 के अभियंता तथा संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

वाणिज्य महाविद्यालय में दिसंबर में होगा भव्य पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह

हर तीन माह में पूर्ववर्ती छात्रों की कमिटी की बुलाई जाएगी बैठक

- पूर्ववर्ती छात्रों व अवकाश प्राप्त शिक्षकों को किया जाएगा सम्मानित
- पूर्ववर्ती मिलन समारोह में कुछ इंडोर गेम का भी होगा आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। वाणिज्य महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों को एक मंच पर लाने और कॉलेज के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में पहल शुरू कर दी गई है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुहेली मेहता के नेतृत्व में पूर्ववर्ती छात्रों की पहली बैठक शनिवार को आयोजित की गई, जिसमें दिसंबर में बड़े स्तर पर पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में शामिल पूर्व छात्रों ने समारोह को यादगार बनाने के साथ-साथ महाविद्यालय के विकास में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पूर्ववर्ती छात्रों को लगातार कॉलेज से जोड़कर रखने के लिए हर तीन माह पर बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा पूर्व छात्रों के लिए स्पोर्ट्स मीट समेत विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने की भी योजना बनाई गई है। समारोह के दौरान महाविद्यालय के सबसे वरीय पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज के अवकाश प्राप्त शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके माध्यम से महाविद्यालय से जुड़े पुराने विद्यार्थियों और शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने की पहल की जाएगी।

बैठक में पूर्व मंत्री श्याम रजक, वर्ष 1964 के पूर्ववर्ती छात्र नवल किशोर भगत, वर्ष 1978 के अंजनी कुमार श्रीवास्तव, वर्ष 1994 के सुदर्शन नाग राज और योगेन्द्र कुमार जुग्ल, डॉ. राकेश कुमार तथा वर्ष 1984 के इंतेखाब आलम समेत कई पूर्ववर्ती छात्र शामिल हुए। पूर्व छात्रों ने कहा कि महाविद्यालय से उनका पुराना और भावनात्मक जुड़ाव है। कॉलेज के शैक्षणिक एवं आधारभूत विकास के लिए वे अपनी क्षमता के अनुसार हरसंभव सहयोग करेंगे।

पूर्ववर्ती छात्र संघ के गठन और उसे व्यवस्थित स्वरूप देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पूर्व छात्र संघ का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। पूर्ववर्ती छात्र-छात्राएं आजीवन सदस्यता लेने के लिए महाविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन फॉर्म उपलब्ध कराया गया है। पूर्ववर्ती छात्र ऑनलाइन माध्यम से सदस्यता लेकर संघ से जुड़ सकते हैं।

प्राचार्य प्रो. सुहेली मेहता ने कहा कि महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र उसकी सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनका अनुभव, मार्गदर्शन और सहयोग वर्तमान विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है। प्रयास है कि देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महाविद्यालय के पूर्व छात्रों को एक साझा मंच पर लाया जाए और उनके अनुभवों का लाभ वर्तमान विद्यार्थियों को मिले। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती छात्रों के सहयोग से महाविद्यालय के विकास को नई गति दी जा सकती है।

मगध विश्वविद्यालय की वार्षिक सीनेट बैठक संपन्न

वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सर्वसम्मति से पारित

प्रातः किरण संवाददाता

बोधगया।मगध विश्वविद्यालय की वार्षिक सीनेट की बैठक आज विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुई है। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को सर्वसम्मति से पारित किया गया है। इसके साथ ही संबंधित समितियों, अकादमिक परिषद एवं सिंडिकेट की बैठकों में लिए गए विभिन्न निर्णयों का भी अनुमोदन किया गया है।

इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी ने की है।इस बैठक में अशोक कुमार, अनिल कुमार विधान पार्षद ,प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह सिंडिकेट सदस्य सहित विभिन्न संकायों के अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे हैं।

सीनेट की बैठक में सदस्यों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों एवं जिज्ञासाओं पर माननीय कुलपति ने नियमानुकूल त्वरित गति से आवश्यक कार्यवाही एवं कार्यों के निष्पादन का आश्वासन दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय की कार्यसंस्कृति में शुचिता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में परीक्षाओं के सत्र को समयबद्ध किया जा चुका है। उन्होंने पुनः आश्वस्त किया कि विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम एवं डिग्री समय पर उपलब्ध कराने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी गंभीरता एवं तत्परता से कार्य कर रहा है।

इसझबैठक के प्रारंभ में छात्रों द्वारा प्रदर्शन किया गया है। इसके बाद प्रशासन की उपस्थिति में कुलपति एवं कुलसचिव की अध्यक्षता में छात्र प्रतिनिधियों के साथ वार्ता हुई है। वार्ता के दौरान छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया तथा नियमानुकूल समाधान का आश्वासन दिया गया है।

इस बैठक के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम ने उपस्थित सभी सदस्यों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

एनबीपीडीसीएल ने इंटर कंपनी टेबल टेनिस 2026 का खिताब जीता

- खेल कार्य करने की ऊर्जा को बढ़ाता है : ऊर्जा सचिव
- ऊर्जा सचिव ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : विद्युत भवन के इंडोर हॉल में आयोजित इंटर कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2026 में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (ठइढउ्रछ) ने विजेता टीम का खिताब जीता, जबकि बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड उपविजेता रही। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा दिखाई दी।टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2026 के प्रमुख परिणाम में मेन्स सिंगल का खिताब ओम प्रकाश ने जीता वहीं डबल्स के मेंस के विजेता के रूप में रंजीत कुमार और मनीष कुमार ने बाजी मारी । डबल्स के उपविजेता अजित प्रकाश और शक्ति सौरभ रहे। वहीं शानदार पारी खेलते हुए विमेन सिंगल की विजेता प्रीति रही एवं उपविजेता अनामिका रही ।

बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड की अनुषंगी कम्पनियों के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को हरा कर विजेता का खिताब जीता । इंटर कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड श्री अजय यादव और विशिष्ट अतिथि प्रबन्ध निदेशक श्री विशाल राज ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान किए। इस अवसर पर टेबल टेनिस की राज्य स्तर की दो प्रतिभावान खिलाड़ी कुमारी अनन्या और रियांशी गुप्ता को ऊर्जा सचिव ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।ऊर्जा सचिव ने कहा कि खेल से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ टीम भावना और अनुशासन का विकास होता है, और ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों में उत्साह व एकजुटता बढ़ती है ।

जेनरेशन बीटा स्कूल में सावन स्पेशल डे मनाया गया

- नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देवी-देवताओं का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया

डुमरांव (बक्सर): जेनरेशन बीटा स्कूल में सावन स्पेशल डे मनाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देवी-देवताओं का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर आश्विक त्रिवेदी ने भगवान शिव, वागीशा और रिद्धिमा ने माता पार्वती, वंशिका ने भगवान कार्तिकेय और आर्यांश ने भगवान गणेश का रूप धारण किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।विद्यालय की निर्देशिका प्रियंका सिंह ने कहा कि बच्चों ने अपने-अपने अंदाज में अपनी भूमिकाओं को बहुत सुंदर ढंग से निभाया। उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को देखकर यह महसूस हुआ कि आने वाले समय में ये बच्चे अच्छे कलाकार बन सकते हैं।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने सभी बच्चों को उनके सुंदर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं।बच्चों को सावन स्पेशल डे के लिए शिक्षिकाओं रेखा, ऋतु, प्रीति, रूपा, निधि, खुशबू एवं शिवानी ने अनुशासित एवं व्यवस्थित तरीके से तैयार किया। सभी शिक्षिकाओं के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में किया रुद्राभिषेक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत कुमार ने आज सावन शुक्ल पक्ष की पावन नवमी तिथि पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया।

मंत्री श्री निशांत कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग पर जल, दुग्ध, गन्ना रस, डांस, अनार, मौसमी सहित अन्य फलों के रस के अलावा बेलपत्र अर्पित कर रूद्राभिषेक किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और जन-कल्याण के लिए प्रार्थना की। सावन मास में आयोजित इस रुद्राभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शामिल हुए।

इस अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष एवं पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणवीर नंदन जी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सावन का महीना आस्था और आराधना का महीना है और स्वास्थ्य मंत्री जी का इस प्राचीन ठाकुरबाड़ी में आकर रुद्राभिषेक करना सनातन परंपरा के प्रति उनकी गहरी आस्था को दशार्ता है।

पूजन के उपरांत स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत कुमार ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर वहां अवस्थित विभिन्न देव विग्रह का भी दर्शन कर पूजा अर्चना की। साथ ही वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

इस अवसर पर मंदिर न्यास समिति के सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भारतीय रेलवे ने जेएनपीटी मुंबई से पहली डबल-स्टैक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन संचालित की

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय रेलवे ने 21 अगस्त 2026 को एक महत्वपूर्ण परिचालन उपलब्धि हासिल करते हुए जेएनपीटी, मुंबई से वडोदरा मंडल के वनामी स्थित उडठउडफ के (जीसीटी) टर्मिनल के लिए पहली डबल-स्टैक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन सफलतापूर्वक रवाना की। इस ट्रेन में कुल 360 ळएव२ कंटेनर परिवहन किए गए।

ट्रेन ने लगभग 422 किलोमीटर की दूरी तय की। कंटेनर लोड 21 अगस्त 2026 को 19:00 बजे जेएनपीटी से रवाना हुआ।

इस लॉन्ग-हॉल ट्रेन में दो डबल-स्टैक रेक शामिल थेः

लीडिंग रेकः जेएनपीटीझवडोदरा` लोडः 45+1` लोकोः 60311` भारः 1,817 टन

ट्रेलिंग रेकः जेएनपीटीझवडोदरा` लोडः 45+1` लोकोः 24690` भारः 2,105 टन

दोनों रेकों ने मिलकर 360 ळएव२ कंटेनर का परिवहन किया। यह उपलब्धि एक ही लॉन्ग-हॉल मूवमेंट में बड़ी मात्रा में कंटेनरीकृत माल ढुलाई करने की भारतीय रेलवे की क्षमता को दशार्ती है।

लॉन्ग-हॉल डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेनों के लाभ

टर्मिनल पर भीड़भाड़ में कमीः
एक ही ट्रेन में अधिक संख्या में कंटेनर ले जाने से बंदरगाहों और टर्मिनलों पर कंटेनरों के ठहराव का समय कम होगा। इससे टर्मिनल पर भीड़भाड़ कम करने और कंटेनरों की तेज निकासी में मदद मिलेगी।रोलिंग स्टॉक की आवश्यकता में कमीः डबल-स्टैक परिचालन से एक ही मूवमेंट में अधिक कंटेनरों का परिवहन संभव होता है। इससे समान मात्रा में माल ढुलाई के लिए आवश्यक लोकोमोटिव और कंटेनर फ्लैट वैगनों की संख्या कम होती है।रूट क्षमता का बेहतर उपयोगःएक ट्रेन में अधिक कंटेनर ले जाने से समान मात्रा में माल परिवहन के लिए आवश्यक ट्रेनों की संख्या कम होती है। इससे उपलब्ध रेल मार्ग क्षमता का अधिक प्रभावी उपयोग संभव होता है।ट्रांजिट समय में कमीःलॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेनें कंटेनरों की तेज आवाजाही और निकासी में सहायक होती हैं, जिससे माल के कुल ट्रांजिट समय को कम करने में मदद मिलती है।

अधिक माल ढुलाई क्षमताः

एक ही मूवमेंट में अधिक कंटेनर ले जाने की क्षमता से जेएनपीटी और अन्य माल ढुलाई टर्मिनलों से कंटेनरों की तेज निकासी संभव होगी तथा परिवहन की कुल लागत कम करने में मदद मिलेगी।यह परिचालन हरित और सतत माल परिवहन के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। विद्युत इंजन से संचालित यह ट्रेन सड़क परिवहन में डीजल पर निर्भरता को कम करने में सहायक है।एक डबल-स्टैक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन सड़क मार्ग से बड़ी संख्या में ट्रकों द्वारा परिवहन किए जाने वाले माल के बराबर माल को एक साथ ले जा सकती है। इससे डीजल की खपत, सड़क पर यातायात का दबाव, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन और माल परिवहन के समग्र कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलती है।

डेयरी थ्रू को-ऑपरेटिव्स – जेआईसीए प्रोजेक्ट के लक्ष्यों को पूरा करने में बिहार देश में अव्वल

- डेयरी सहकारी समितियों के सतत विकास का मुख्य आधार विश्वास और पारदर्शिता : शीर्षत कपिल अशोक

पटना। बिहार सहित सभी पूर्वी राज्यों में सहकारिता के माध्यम से डेयरी विकास को बढ़ावा देने के लिए कोलकाता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बिहार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक ने भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्वास और पारदर्शिता ही डेयरी सहकारी समितियों के सतत विकास का मुख्य आधार है। इसी को ध्यान में रखते हुए बिहार में कॉम्फेड और उससे संबद्ध दुग्ध संघों में दुग्ध खरीद मूल्य का सीधे लाभुकों के खाते में हस्तांतरण (डीबीटी) की प्रक्रिया लागू की जा रही है। यह कार्यशाला भारत सरकार के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के घटकबी के अंतर्गत जेआईसीए समर्थित ह्यडेयरी थ्रू को-ऑपरेटिव्स (डीटीसी-जेआईसीए) परियोजना के तहत आयोजित की गई थी। इसका आयोजन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा किया गया था, जिसमें पूर्वी क्षेत्र के बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के सहकारी डेयरी महासंघों और दुग्ध संघों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।कार्यशाला में डीटीसी-जेआईसीए फेज-कके क्रियान्वयन और उपलब्धियों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि परियोजना को लागू करने और निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में बिहार के दुग्ध संघ राष्ट्रीय स्तर पर अव्वल रहे हैं।

रिजनल रिव्यू के दौरान दूध खरीद, मार्केटिंग और प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लक्ष्यों के मुकाबले कॉम्फेड और उससे जुड़े दुग्ध संघों की उपलब्धियां राष्ट्रीय औसत से बेहतर पाई गईं। साथ ही, पशु उत्पादकता बढ़ाने के आयामों में भी बिहार की डेयरी को-ऑपरेटिव्स की सफलता दर की सराहना की गई। कार्यशाला में भाग लेने वाले संस्थानों ने डेयरी वैल्यू चेन से जुड़ी अपनी सफलता की कहानियां, चुनौतियां और अनुभव साझा किए। इनमें डेयरी को-ऑपरेटिव नेटवर्क को मजबूत करना, दूध खरीद बढ़ाना, कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करना और वैल्यू-एडेड उत्पादों के निर्माण की सुविधाओं का आधुनिकीकरण शामिल है।

फेज-कसे मिले अनुभवों और सीख के आधार पर प्रस्तावित डेयरी डेवलपमेंट फेज-ककको लागू करने पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। इस चरण का उद्देश्य इस पहल का लाभ अन्य राज्यों तक पहुंचाना है, जिसमें डेयरी सहकारी समितियों को अधिक कवरेज और अधिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में फेज-ककके प्रस्तावित घटकों, फंडिंग पैटर्न, पात्रता मानदंड, राज्य-वार आवश्यकताओं के आकलन के लिए हितधारकों से चर्चा और सहकारी डेयरी क्षेत्र के लिए प्रस्तावित एक्रिडिटेशन फ्रेमवर्क पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा श्वेत क्रांति 2.0 के तहत नई डेयरी सहकारी समितियों के गठन और पंजीकरण में राज्य-वार प्रगति तथा डेयरी विकास पोर्टल पर डेटा अपडेट की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

विष्णुपद कॉरिडोर को भव्य, दिव्य और विश्वस्तरीय स्वरूप देने की दिशा में तेज होगी कार्रवाई : डॉ. प्रेम कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

गया। अध्यक्ष, बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने आज गयाजी जिला अतिथि गृह सभागार में विष्णुपद टेंपल कॉरिडोर के कंसलटेंट, जिला पदाधिकारी, नगर आयुक्त सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ परियोजना की विस्तृत समीक्षा बैठक की गई है। इस बैठक में कॉरिडोर के प्रस्तावित मास्टर प्लान, विभिन्न निर्माण कार्यों, यातायात व्यवस्था, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, फल्गु नदी के घाटों के विकास तथा आधारभूत संरचनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है।

इस बैठक में कंसलटेंट द्वारा प्रस्तुत परियोजना के अनुसार विष्णुपद टेंपल कॉरिडोर का कुल प्रस्तावित निर्मित क्षेत्र 88,340.28 वर्गमीटर तथा परियोजना की अनुमानित कुल लागत लगभग ₹1,531.29 करोड़ है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विष्णुपद मंदिर केवल गया की पहचान नहीं, बल्कि देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसलिए कॉरिडोर का विकास गयाजी की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि परियोजना में श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक एवं सुविधाजनक पिलग्रिम फैसिलिटेशन सेंटर में 400 बेड, लगभग 540 बेड की डॉर्मिटरी, पिंडदान की सुविधाएं, शू एवं लगेज सुविधा, शौचालय, प्रतीक्षालय तथा अन्य जनसुविधाओं का प्रावधान किया गया है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उन्होंने कहा कि कॉरिडोर परियोजना में मुख्य विष्णुपद मंदिर परिसर का उन्नयन, मंदिर के आसपास स्थित चिन्हित मंदिरों का स्थानांतरण एवं समेकित पुनर्वास, सूर्यकुंड का पुनर्विकास एवं ऐतिहासिक जल संरचना का संरक्षण तथा मंदिर के प्रवेश क्षेत्र का विकास शामिल है। इसके अलावा लगभग 2,000 वर्गमीटर क्षेत्र में बैंक्वेट हॉल के निर्माण का भी प्रस्ताव है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि मंदिर परिसर के विकास में गयाजी की प्राचीनता, धार्मिक परंपरा और वास्तु विरासत का विशेष ध्यान रखा जाए। विकास कार्य आधुनिक सुविधाओं से युक्त हों, लेकिन उनकी मूल आत्मा और धार्मिक स्वरूप अक्षुण्ण रहना चाहिए।

फल्गु नदी के घाटों का होगा कायाकल्प

इस बैठक में फल्गु नदी के दोनों तटों के विकास पर भी विशेष चर्चा हुई है। परियोजना के अनुसार पश्चिमी घाट लगभग 451 मीटर तथा पूर्वी घाट लगभग 410 मीटर क्षेत्र में विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। घाटों पर छायादार प्रोमेनेड, ई-कार्ट रूट, पैदल पथ, पेयजल, सार्वजनिक शौचालय, चेंजिंग रूम, शेड एवं अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि 108 फीट ऊंची भगवान विष्णु की प्रतिमा को प्रमुख रिवरफ्रंट लैंडमार्क के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही घाट क्षेत्र में छतरी, पैदल संपर्क तथा अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे।

पूर्वी तट पर टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, घाटों का पुनर्विकास तथा फल्गु घाट से सीता कुंड तक पैदल कनेक्टिविटी विकसित करने का प्रस्ताव है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि इससे गयाजी आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को धार्मिक स्थलों के बीच बेहतर संपर्क मिलेगा।

नाला, सीवरेज और एस टी पी की व्यवस्था पर जोर

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गयाजी के विकास के साथ-साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। परियोजना में ओपन ड्रेन रिवाइटलाइजेशन एवं एस टी पी, नाला तथा सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर को भी शामिल किया गया है।

उन्होंने निर्देश दिया कि शहर के नालों का पानी सीधे फल्गु नदी में जाने से रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा नाला पुनर्जीवन कार्य को समग्र योजना के साथ जोड़ा जाए, ताकि फल्गु नदी की स्वच्छता एवं पवित्रता बनी रहे हैं।

परियोजना में क्रिमेशन फैसिलिटी एवं इलेक्ट्रिक क्रिमेशन शेड, प्रतीक्षालय, स्टोरेज शेड, सार्वजनिक सुविधाएं एवं अन्य आवश्यक संरचनाओं का प्रावधान है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तीर्थयात्रियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाओं का निर्माण किया जाए।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि परियोजना के सभी घटकों के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए तथा जिन कार्यों में राज्य या केंद्र सरकार के स्तर पर समन्वय की आवश्यकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496